- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- लालू-राबड़ी राहुल के पास, विकास का कोई एजेंडा नहीं - 12

- केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे - 12

- एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक - 13

- भारत ए मजबूत स्थिति में, 112 रनों की बढ़त बनाई - 14

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.23

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया 07:32 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 8 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 78, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के कई महत्वपूर्ण अंश हटाए

विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौती

- राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने कीं टिप्पणियां

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये बात कही। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है। प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि नए भारत ने मानवता की सेवा में कमला और विमला की भावना को साकार किया। भारत दुर्गा का रूप धारण करना भी जानता है।

भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को आधिकारिक तौर पर वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जिससे इसे स्थायी महत्व प्राप्त हुआ। विभिन्न विवरणों के अनुसार, वंदे मातरम के एक संक्षिप्त संस्करण को, जिसमें मूल छह छंदों में से केवल पहले दो को रखा गया था, 1937 में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में चुना गया था। तब मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, आचार्य नरेंद्र देव और रवींद्रनाथ टैगोर की एक समिति ने इसे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के भाषण से पहले दिन में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम' के केवल संक्षिप्त संस्करण को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था। भाजपा प्रवक्ता केसवन ने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस ने गीत को धर्म से जोड़ने का ऐतिहासिक पाप और भूल की। नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने वंदे मातरम के उन छंदों को धार्मिक आधार पर जानबूझकर हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा की स्तुति की गई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना की थी। चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था।

कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनने का मंत्र है वंदे मातरम : योगी

- कहा, वंदे मातरम किसी जाति, उपासना विधि या व्यक्ति का महिमा मंडन नहीं करता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों के प्रति जागरूक और आग्रही बनने का प्रेरक मंत्र है। यह किसी जाति, उपासना पद्धति या व्यक्ति का महिमामंडन नहीं करता, बल्कि नागरिकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र माता के प्रति समर्पण का भाव सिखाता है। जब नागरिक अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता है, तभी वह सच्चे अर्थों में वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है। मुख्यमंत्री लोक भवन में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया और 'स्वदेशी का संकल्प' लिया। राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शिक्षक अपने विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करता है। जब जवान सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी डटा रहता है, और जब किसान धरती की उर्वरता बढ़ाकर अन्न उत्पादन करता है, तो यह सब वंदे मातरम् की भावना का ही मूर्त रूप है। यही भाव

वंदे मातरम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी।

राष्ट्रभक्ति को कर्म में बदलता है। विदेशी शासन की यातनाओं और दमन के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् के उद्घोष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। यह गीत भारत की भक्ति और शक्ति का सामूहिक प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने उपन्यास आनंद मठ में उस युग की भूख, अकाल और अभाव से जूझती जनता की वेदना को स्वर दिया, जिसने आगे चलकर राष्ट्र जागरण का रूप लिया।

काशी पहुंचे प्रधानमंत्री आज चार नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी का किया भव्य स्वागत
- काफिले पर जगह-जगह लोगों ने की फूलों की वर्षा

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वह शनिवार 8 नवंबर को यहां से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे बाबतपुर पर उतरा। वहां से बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफिला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गिलट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्ते में कई जगह स्थानीय लोगों सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात

प्रधानमंत्री का स्वागत करते सीएम योगी।

देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बेहतरीन सेवा मानी जा रही है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बनारस (पूर्व मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एर्नाकुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, मोदी इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से संवाद भी कर सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को झटका

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी।

कई बैंकों में चोरी का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कई बैंकों को निशाना बनाने वाले कुख्यात 'मामू गिरोह' के सरगना कमरुल उर्फ मामू 51 को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश का निवासी आरोपी वारदात को अंजाम देने से पहले फल विक्रेता का वेश धारण कर लक्षित ठिकानों की टोह लेता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) हर्ष इंदौरा ने बताया कि दिन में वह एक साधारण फल विक्रेता के वेश में चुपचाप बैंक परिसर का निरीक्षण करता था, कर्मचारियों की दिनचर्या पर नजर रखता था और सुरक्षा खामियों का पता लगाता था।

स्कूल-अस्पताल से आवारा कुत्तों और हाईवे से जानवरों को हटाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई

शीर्ष कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोत्तरी को देखते हुए आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सार्वजनिक खेल परिसर, बस स्टैंड, डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बाड़ लगाने का आदेश दिया है। साथ ही, हाईवे से आवारा जानवर हटाने का भी आदेश दिया है।

न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, पशुपालन विभाग के सचिवों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों के सचिवों को पक्षकार बनाया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने शुक्रवार को स्वतः संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने कहा कि स्थानीय निकायों को यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए कि ऐसे परिसरों में आवारा कुत्तों का कोई निवास स्थान न हो। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई और उनके लिए भोजन स्थल बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए उच्च न्यायालयों में लंबित इसी तरह की याचिकाओं को उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करेगी। न्यायालय ने आदेश दिया कि संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों की ज़िम्मेदारी होगी कि वे ऐसे संस्थानों-क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को उठाएं और पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार टीकाकरण और नसबंदी के बाद उन्हें निर्दिष्ट कुत्ता आश्रयों में पहुंचाएं। न्यायालय ने सड़कों और राजमार्गों से आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को हटाने के निर्देश भी दिए।

पत्नी की याचिका पर शमी को नोटिस

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को उनसे अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया। नोटिस में पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी को दिए गए अंतरिम भरण-पोषण को बढ़ाने की मांग की गई है। उच्च न्यायालय ने शमी द्वारा अपनी पत्नी के लिए प्रति माह 1.50 लाख रुपये और उनकी बेटी के लिए प्रति माह 2.50 लाख का अंतरिम भरण-पोषण बढ़ा दिया था जबकि क्रिकेटर को आठ मासिक किस्तों में बकाया चुकाने की अनुमति दी थी।

दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर रद्द होगा चुनाव

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नामांकन पत्र में दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर निर्वाचित उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने मप्र के भीकनगांव नप की पूर्व पार्षद पूनम की अपील पर यह आदेश पारित किया। पूनम को इसलिए पद से हटा दिया गया था क्योंकि चुनाव के लिए नामांकन में अपनी दोष सिद्धि का खुलासा नहीं किया था।

नीट-पीजी: उत्तर कुंजी प्रकाशन की नीति का खुलासा करे एनबीई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-परास्नातक (नीट-पीजी) की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने संबंधी अपनी नीति का खुलासा करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने एनबीई के अधिवक्ता से हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। शीर्ष न्यायालय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसमें पारदर्शिता के तौर पर उत्तर कुंजी का खुलासा किये जाने की बात भी शामिल है।

सुनवाई के दौरान एनबीई के अधिवक्ता ने दलील दी कि कोचिंग संस्थान ये याचिकाएं इसलिए दायर कर रहे हैं क्योंकि वे प्रश्न पुस्तिकाओं की उत्तर कुंजी हासिल करना चाहते हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि इससे परीक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने 26 सितंबर को नीट-पीजी 2025 की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग वाली याचिकाओं पर केंद्र और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड को नोटिस जारी किए थे।

भारत में हॉकी के 100 वर्ष

नई दिल्ली: हॉकी इंडिया के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू हॉकी में हाथ आजमाते हुए, साथ में हैं केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व अन्य। 1925 में ग्वालियर में भारतीय हॉकी महासंघ का गठन हुआ था।

चेक बाउंस पर अभिनेत्री अमीषा पटेल तलब

मुरादाबाद: अतिरिक्त न्यायालय मुरादाबाद ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को चेक बाउंस के एक मामले में तलब किया है। शुक्रवार को परिवादी पवन कुमार वर्मा ने अपने आरोप लगाया कि अमीषा ने देनदारी चुकाने के लिए दो लाख का चेक जारी किया था, जो पर्याप्त धनराशि न होने के कारण बैंक द्वारा 01 जनवरी 2025 को अनादरित कर दिया गया था।

अगले वर्ष मैं भारत आ सकता हूं, मोदी महान व्यक्ति : ट्रंप

- नई दिल्ली क्वाड शिखर सम्मेलन की करेगा मेजबानी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को एक अच्छा व्यक्ति और मित्र बताते हुए कहा कि मोदी चाहते हैं कि वह भारत आएं।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में गुरुवार को एक सवाल पर कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। भारत नई दिल्ली में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से खरीदारी बंद कर दी है।

तकनीकी खामी से 800 उड़ानें विलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली में हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी से यात्री परेशान

दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को अफरातफरी मच गई क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 800 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में देर हुई। हवाई अड्डे पर सभी विमानन कंपनियों की उड़ानों के परिचालन प्रभावित हुए हैं और अधिकारी खामी को ठीक करने के लिए लगे हैं।

इंडिगो, एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर जैसी विमानन कंपनियों ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उनकी उड़ानों में देरी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है और देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सुबह 10 बजकर आठ मिनट पर 'एक्स' पर कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हो रही है, क्योंकि 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी खामी आ गई है, जो हवाई यातायात नियंत्रण डेटा को सहयोग देता है।

दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही थी समस्या

सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर समस्याएं आ रही थीं और तकनीकी समस्या का सुबह करीब 5.45 बजे से प्रणाली पर काफी असर पड़ने लगा। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) करता है। डायल ने दोपहर एक बजकर 42 मिनट पर 'एक्स' पर पोस्ट किया दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी एयरलाइन के परिचालन में फिलहाल देरी हो रही है। संबंधित प्रशासन इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए काम कर रहे हैं।

सराहनीय

आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को मिला तीसरा स्थान

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली और बहराइच जिले सराहनीय

अमृत विचार: प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के बीच 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार की सबसे पसंदीदा योजना बन चुकी है।

जौनपुर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को तीसरा स्थान मिला है। कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली व बहराइच जिलों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है।

जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार, जिले में 2,250 लक्ष्य के सापेक्ष 2,256 युवाओं को लोन दिया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकों से जोड़ते हुए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इस उपलब्धि में जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही। आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि अप्रैल माह से सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आजमगढ़ लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिले को 2,250 का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष 2,085 युवाओं को लोन वितरित कर 92.67 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि पहले यह जिला 25वें स्थान पर था, पर निरंतर समीक्षा और कार्यशालाओं के चलते उल्लेखनीय सुधार हुआ। इसी तरह अंबेडकरनगर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि बैंकर्स के साथ नियमित बैठकें कर 1,900 लक्ष्य के सापेक्ष 1,485 युवाओं को लोन वितरित किया गया।

इसके अलावा कौशांबी ने चौथा और हरदोई ने पांचवां स्थान प्राप्त किया है। झांसी, रायबरेली और बहराइच का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

अब तक 2,76,824 आवेदन, 71,918 लोगों को मिला लोन

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.50 लाख के लक्ष्य के सापेक्ष सात माह में 2,76,824 युवाओं ने लोन के लिए आवेदन किया है। इनमें से 2,26,511 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जबकि 73,191 को स्वीकृति मिल चुकी है। अब तक 71,918 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार,8 नवंबर 2025

वैमनस्यता फैलाने के आरोप से आजम खां बरी

सरकारी लेटर पैड और मुहर का गलत इस्तेमाल करने का लगा था आरोप

विधि संवाददाता, लखनऊ

- एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने साक्ष्य के अभाव में सुनाया फैसला

अमृत विचार : सरकारी लेटर पैड एवं मुहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में आरोपी बनाए गए यूपी के पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने विधिक बिंदुओं एवं साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

विशेष अदालत ने आजम खान को बरी करते हुए अपने विस्तृत निर्णय में कहा है कि बचाव पक्ष का यह कथन स्वीकार करने योग्य है कि कथित घटना वर्ष 2014 की बताई जाती है। लेकिन इस घटना को लेकर वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा वर्ष 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा है कि यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने पाया कि वादी अल्लामा अमीर नकवी ने जिरह के दौरान स्वीकार किया कि उनकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है। अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जबकि संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो। कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि कथित प्रेस रिलीज को वादी द्वारा विवेचक को दिया जाना कहा गया है। परंतु कथित प्रेस विज्ञप्ति न तो पत्रावली पर है और न ही उसका केस डायरी में कोई हवाला है। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि आरोपी आजम खान के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं पाए जाते हैं,लिहाजा वह आरोपों से बरी किए जाने योग्य है। पत्रावली के अनुसार आजम खान के खिलाफ इस मामले की रिपोर्ट हजरतगंज थाने में 1 फरवरी 2019 वादी अल्लामा जमीर नकवी ने दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया कि घटना वर्ष 2014 की है, लेकिन सरकार के प्रभाव के चलते वादी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, जिस पर वादी ने अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेज कर आरोप लगाया कि आजम खान सरकारी लेटर हेड एवं सरकारी मुहर का दुरुपयोग करके भाजपा, आरएसएस एवं मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी को बदनाम कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि धूमिल करके उनकी प्रतिष्ठा को घोर आघात पहुंचा रहे हैं।

वेलनेस सेंटर खोलने को सरकार का खुला ऑफर

प्रदेश की पर्यटन नीति के तहत व्यक्तियों, संस्थाओं और उद्यमियों को आमंत्रण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहल का उद्देश्य योग, प्राकृतिक चिकित्सा और पारंपरिक भारतीय उपचार पद्धतियों से अध्यात्म और पर्यटन को एक सूत्र में पिरोना

अमृत विचार: राज्य सरकार ने प्रदेशभर में वेलनेस सेंटर खोलने का खुला ऑफर दिया है। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति के तहत व्यक्तियों, संस्थाओं और उद्यमियों को यह आमंत्रण दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य योग, प्राकृतिक चिकित्सा और पारंपरिक भारतीय उपचार पद्धतियों से अध्यात्म और पर्यटन को एक सूत्र में पिरोना है। सरकार की मंशा प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ रोजगार, निवेश और स्थानीय उद्यमिता के नए रास्ते खोलने की है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस बाबत कहा कि वर्तमान समय में लोग प्राकृतिक चिकित्सा और वेलनेस आधारित जीवनशैली को तेजी से अपना रहे हैं। ऐसे में अपार संभावनाएं हैं। हमारा उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक वेलनेस पद्धति से जोड़ना है। इस पहल के माध्यम से हम आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी जैसी आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देते हुए पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।

उद्यमियों को आकर्षक प्रोत्साहन : जयवीर

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य में वेलनेस सेंटर स्थापित करने वाले उद्यमियों को पर्यटन नीति के तहत कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। नीति के अनुसार, परियोजना लागत के 30 प्रतिशत तक पूंजी निवेश सब्सिडी या बैंक ऋण (05 करोड़ रुपए तक) पर 05 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी पांच वर्षों के लिए प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, प्रथम लेन-देन पर 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क माफी और सभी पर्यटन इकाइयों के लिए भूमि परिवर्तन एवं विकास शुल्क में पूरी छूट भी मिलेगी।

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 के अनुसार, वेलनेस सेंटरों को अनुभव आधारित पर्यटन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। इस नीति के तहत प्रत्येक वेलनेस सेंटर में कम से कम पांच थेरेपी कक्ष होना अनिवार्य है, जहां आयुष पद्धतियों के माध्यम से विशेष उपचार और थेरेपी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। वहीं, वेलनेस रिज़ॉर्ट के लिए कम से कम एक एकड़ भूमि और 20 कमरे अनिवार्य हैं, साथ ही थेरेपी और वेलनेस गतिविधियों के लिए समर्पित परिसर होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

मोदी आज देंगे चार वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर प्रदेश के मंत्री सुरेश खन्ना और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। सड़क मार्ग से बरेका पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग पर काशीवासियों ने 'मोदी-मोदी' और 'हर हर महादेव' के नारों से उनका अभिनंदन किया, पुष्पवर्षा से वातावरण भक्तिभाव में सराबोर रहा। प्रधानमंत्री शनिवार को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें प्रमुख वाराणसी–खजुराहो वंदे भारत होगी, जो धार्मिक पर्यटन को नई रफ्तार देगी। इसके साथ ही लखनऊ–सहारनपुर, फिरोजपुर–दिल्ली और एर्नाकुलम–बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस को भी वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसर बहाल

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने हरदोई के चर्चित भू-आवंटन प्रकरण में निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसरों में स्वाति शुक्ला और डॉ. प्रतीत त्रिपाठी को राहत देते हुए बहाल कर दिया है। कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव आईएएस एम. देवराज की ओर से जारी आदेश में दोनों अधिकारियों को निलंबन से मुक्त करते हुए कहा गया है कि उनकी नई तैनाती का आदेश शीघ्र जारी किया जाएगा। यह बहाली लगभग 14 महीनों बाद हुई है। दोनों अफसरों को सितम्बर 2024 में हरदोई में भूमिहीनों की अनदेखी कर 71 अपात्र व्यक्तियों को लगभग 150 बीघा सरकारी भूमि के पट्टे बांटने के आरोप में निलंबित किया गया था।

गोरखपुर के क्रिकेट स्टेडियम की बढ़ी लागत

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की लागत बढ़कर 392 करोड़ रुपये हो गई है। पहले इस परियोजना की लागत 352 करोड़ रुपये थी, जिसे अब 40 करोड़ रुपये बढ़ाया गया है। नियोजन विभाग ने संशोधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया है और इसे जल्द ही प्रदेश कैबिनेट की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही चयनित निर्माण एजेंसी नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनसीसी) काम शुरू करेगी। शिलान्यास अगले दो महीनों में होने की संभावना है। स्टेडियम गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन के पास 50 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा और दो वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य है। यह प्रदेश का चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम होगा। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दरों के अनुरूप 392 करोड़ की लागत को उचित माना गया है। नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि प्रस्ताव को शीघ्र कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

छात्रों को मुफ्त मिलेंगे खेल उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : देश के स्कूली खिलाड़ियों को अब मुफ्त में विश्वस्तरीय खेल सामग्री मिलेगी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) ने खेल उपकरण निर्माता कंपनी वेक्टर एक्स (साकर इंटरनेशनल) के साथ दो वर्ष के लिए समझौता किया है। यह करार एसजीएफआई अध्यक्ष एवं कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार और कंपनी के प्रबंध निदेशक विकास गुप्ता के बीच हुआ। समझौते के तहत वेक्टर एक्स आगामी दो वर्षों तक फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल और बास्केटबॉल खेलों के उपकरण मुफ्त उपलब्ध कराएगा, जबकि डनलप टेनिस व स्क्वैश के लिए बॉल पार्टनर रहेगा।

अराजकता फैलाना कांग्रेस और राजद का जन्मसिद्ध अधिकार

बिहार में एनडीए के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में बोले मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिहार में जनसभाओं की श्रृंखला के दौरान कांग्रेस और राजद पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अराजकता फैलाना इन दलों का जन्मसिद्ध अधिकार है। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आयोजित रैलियों में उमड़े अपार जनसैलाब के बीच योगी ने एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से मतदान की अपील की।

योगी ने पहली रैली में रक्सौल से भाजपा प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिन्हा और नरकटियागंज से जदयू प्रत्याशी विशाल कुमार, दूसरी रैली में लौरिया से भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी और तीसरी रैली में ढाका से एनडीए प्रत्याशी पवन कुमार जायसवाल के पक्ष में की। उन्होंने कहा कि बिहार में यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग लालटेन की केरोसिन

बिहार में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी को गदा भेंट कर अभिनंदन करते पार्टी नेता।

- कहा- जो लोग पहले चारा खा गए अब राशन खाने निकले हैं

बेचकर बिहार को अंधेरे में झोंकते थे, अब वही जनता का राशन हजम करने आए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले चारा खा गए, अब राशन खाने निकले हैं। यह वही दल हैं, जिन्होंने 1990 से 2005 तक बिहार को जातीय संघर्ष, अपहरण, नरसंहार और लूटपाट के अंधकार में धकेला। उन्होंने कहा कि आज बिहार की जनता विकास और विरासत के साथ खड़ी है, इसलिए अब राजद-कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी।

योगी ने कहा कि बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि अब बुलडोजर बाबा का सुशासन ही चलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब माफिया की छाती पर बुलडोजर चलता है तो उनके आका भी थर-थर कांपते हैं। महागठबंधन वालों में हिम्मत नहीं कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई कर सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के शासन में बिहार अपहरण उद्योग का गढ़ बन गया था। व्यापारी, चिकित्सक, इंजीनियर, बेटियां कोई सुरक्षित नहीं था। तत्कालीन सरकार अपराधियों के सामने नतमस्तक होकर मध्यस्थता की बात करती थी।

कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है...

फिल्मी गीत की तर्ज पर फिर मिले अखिलेश-आजम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात करते आजम खां, साथ में पुत्र अब्दुल्ला।

- लखनऊ में मो. आजम की सपा प्रमुख से दो घंटे चली मुलाकात

अमृत विचार: कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है। बॉलीवुड की हिन्दी फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' के इस गीत की तर्ज पर शुक्रवार को अखिलेश-आजम फिर मिले। लखनऊ में बेटे अब्दुल्ला के साथ सपा के वरिष्ठ नेता मो. आजम की सपा प्रमुख अखिलेश यादव से दो घंटे मुलाकात चली। इस दो घंटे में क्या-क्या बातें हुईं दोनों नेताओं ने साझा नहीं किया।

मीडिया ने पूछा तो आजम ने कहा दास्तां सुनाने आया था। वहीं अखिलेश बोले- न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए। हालांकि दोनों की इस मुलाकात से यूपी की सियासत में हलचल अवश्य तेज हो गई है। इस हलचल की वजह भी है कि पिछले महीने अखिलेश को अकेले ही अपने घर आने की हिदायत देने और अपने परिवार से भी न मिलने देने वाले आजम खां इस बार खुद बेटे को लेकर मिलने पहुंचे थे। आजम खां जब अखिलेश यादव से उनके घर मुलाकात कर बाहर निकले तो यह बताने से तो साफ इनकार कर दिया कि क्या बात हुई है बस इतना कहा कि पूरी दास्तान लेकर आए थे।

मो. आजम ने कहा, अब शायद मेरी बनाई गई छवि अब साफ हुई है। अब आपको लगा है कि हमारे साथ बहुत अन्याय हुआ है। बिहार चुनाव में खुद प्रचार में नहीं जाने के सवाल पर कहा कि बिना सुरक्षा कैसे अकेले चला जाता। मो. आजम ने इस बात से भी इनकार किया कि उन्हें सरकार की तरफ से कोई सुरक्षा दी गई। सुरक्षा मिलने के सवाल पर उल्टा पूछा कि किसी के पास कोई सबूत हो तो दिखाए। मालूम हो कि लंबे समय तक जेल में रहे आजम खां करीब डेढ़ महीने पहले बाहर आए थे। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर लिखा कि न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए! ये जो मेलमिलाप है यही हमारी साझा विरासत है।

आजम से मिले दीपक मिश्र, भेंट में दी रामचरितमानस

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मो. आजम खां से समाजवादी चिंतक और बौद्धिक सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्र ने मुलाकात कर तुलसीदास विरचित रामचरित मानस, साहिर लुधियानवी की परछाइयां समेत स्वलिखित कई पुस्तकें भेंट कीं। रामचरित मानस को आजम खान ने माथे से लगाया और पढ़ने के बाद विश्वविद्यालय की पुस्तकालय में रखने को कहा।

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लखनऊ स्थित लोकभवन में सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी।

वंदे मातरम् का हुआ सामूहिक गायन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वंदे मातरम् राष्ट्र की नवचेतना का गान, आत्मनिर्भर भारत का प्रेरक महामंत्र : धर्मपाल

अमृत विचार : 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी लखनऊ राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंज उठी। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित सामूहिक वंदे मातरम् गायन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भाग लिया, साथ ही स्वदेशी का संकल्प भी दोहराया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मां भारती को नमन करते हुए कहा कि -वंदे मातरम् राष्ट्र की नवचेतना का गान है और आत्मनिर्भर भारत का प्रेरक महामंत्र है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बक त्रिपाठी ने वंदे मातरम् की 150 वर्ष की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रेरक यात्रा को साझा किया, जबकि प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। सामूहिक गायन के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, देवेश कुमार, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, सुभाष यदुवंश, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, सह-प्रभारी हिमांशु दुबे, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सह-प्रभारी अतुल अवस्थी और चौधरी लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

हवाई अड्डों पर एसएचजी के बिक्री केंद्र स्थापित हों : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में लखपति महिला कार्यक्रम की दूसरी राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को गति देने और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से स्थायी आय सृजन पर चर्चा हुई।

इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि लखपति दीदी कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी संबंधित विभागों द्वारा अपनी योजनाओं में समूह की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए, ताकि वे स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की स्थायी आय अर्जित कर सकें।

उन्होंने कहा कि मिशन द्वारा सभी विभागों से समन्वय कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।

उन्होंने कहा, अस्पताल, प्रमुख पर्यटन स्थल, पुलिस लाइन, आईटीआई, राजकीय पॉलीटेक्निक, चीनी मिलें, बस अड्डे आदि स्थानों पर प्रेरणा कैंटीन संचालित करने के लिए उपयुक्त स्थान आवंटित किए जाएं। राशन की दुकानों पर भी एसएचजी उत्पादों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए।

लखपति महिला कार्यक्रम को लेकर बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

स्ट्रीट लाइट की स्थापना में सूर्य सखियों को दें वरीयता

मुख्य सचिव ने पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइट की स्थापना, संचालन, मरम्मत एवं रखरखाव में सूर्य सखियों को वरीयता दी जाए। यूपीनेडा द्वारा पीएम कुसुम योजना के तहत महिला किसानों को अनुदान पर सिंचाई सोलर पंप वितरित किए जाएं। स्कूल ड्रेस की सिलाई तथा मिड-डे-मील के लिए मसाले एवं खाद्य तेल का क्रय भी समूहों द्वारा किया जाए।

मुठभेड़ में इनामी पशु तस्कर ढेर

अमृत विचार, लखनऊ : आजमगढ़ के रौनापार थानाक्षेत्र के जोकहरा गांव में छोटी सरयू नदी के पास शुक्रवार सुबह एसटीएफ, स्वाट टीम और सिधारी पुलिस की संयुक्त टीम की पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से फायरिंग हुई। जिसमें 50 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर वाकिफ को गोली लगी। गंभीर हालत में अस्पताल लेकर गये। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं, मौका देख वाकिफ के तीन साथी फरार हो गये। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही के मुताबिक सूचना मिली थी कि बदमाश वाकिफ रौनापार इलाके में है। इसी के बाद गुरुवार की देर रात से ही पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। पुलिस को एसटीएफ ने सूचना दी कि कुछ बदमाश रौनापार की तरफ भाग रहे हैं। इसके बाद एसटीएफ, स्वाट टीम और थाना सिधारी पुलिस ने जोकहरा पुल के पास घेराबंदी की।

दौरा | सिंगापुर के हाई कमिश्नर ने की औद्योगिक विकास आयुक्त से मुलाकात

यूपी में निवेश को उत्साहित सिंगापुर की कंपनियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जेवर एयरपोर्ट बना सिंगापुर के निवेशकों की पहली पसंद

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय निवेश सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर, साइमन वोंग, ने शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार के साथ उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच निवेश सहयोग के नए और संभावित क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान वोंग ने स्पष्ट रूप से कहा कि सिंगापुर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित है। उन्होंने बताया कि सिंगापुर की कई कंपनियां, उत्तर प्रदेश की ओर गंभीरता से देख रही हैं, क्योंकि राज्य ने

इन्वेस्ट यूपी कार्यालय पहुंचकर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार से मुलाकात करते सिंगापुर के हाई कमिश्नर साइमन वोंग।

अवस्थापना विकास, तीव्र औद्योगिक प्रगति, व्यापार में सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) और बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

उन्होंने विशेष रूप से जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंगापुर के निवेशकों के लिए यह स्थान सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। सिंगापुर की कंपनियां यहां डेटा सेंटर, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल (एमआरओ), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, फूड प्रोसेसिंग और जेवर क्षेत्र के पास निर्यात-उन्मुख लिथियम-आयन बैटरी निर्माण इकाइयों जैसी परियोजनाएं स्थापित करने में रुचि दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र में हो रहा तीव्र विकास इसे वैश्विक निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता है।

कछुआ चाल से चल रहा कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बूथ स्तर तक की कमेटियां गठित करने की समय सीमा बार-बार बढ़ानी पड़ रही

अमृत विचार : कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान कछुआ की चाल चल रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के बीच संगठन सृजन की समय सीमा बार-बार बढ़ानी पड़ रही है। पहले पार्टी का लक्ष्य 30 सितंबर तक बूथ स्तर तक की कमेटियां गठित करने का था, अब इसे बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दिया गया है।

दरअसल, कांग्रेस अपने संगठन सृजन की रफ्तार नहीं बढ़ा पा रही है। हालांकि, पार्टी नेताओं का कहना है कि मंडल स्तर तक की कमेटियों का गठन कर लिया गया है। 15 से 20 बूथ जोड़कर एक मंडल का गठन किया गया है। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने बीते दिनों पार्टी मुख्यालय में ब्रज, बुंदेलखंड व पश्चिमी जोन की समीक्षा बैठक की, जिसमें जिला व शहर अध्यक्षों ने अब तक गठित कमेटियों की जानकारी दी।

वहीं, जिला व शहर अध्यक्षों ने दीवाली से पहले त्योहार, एमएलसी चुनाव के लिए वोटर फार्म भरवाए जाने व अन्य कार्यक्रमों के चलते बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने की मांग की थी। पार्टी ने पिछले वर्ष दिसंबर माह में प्रदेश कार्यकारिणी समेत सभी कमेटियां भंग कर दी थीं, जिसके बाद संगठन सृजन की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन न होने से फ्रंटल संगठनों का प्रस्तावित विस्तार व नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी अटकी है। प्रदेश प्रभारी ने निर्देश दे रखा है कि कार्यकर्ता लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझे और कांग्रेस की विचारधारा को उन तक पहुंचाएं।

न्यूज ब्रीफ

मंगलवार तक बैनामा पंजीकृत नहीं होंगे

शिवली। विभागीय कार्य के चलते मंगलवार तक बैनामा पंजीकरण का कार्य बंद रहेगा। मैथा तहसील के उपनिबंधक आनंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग के ऑनलाइन पोर्टल को सर्वर पर स्थानांतरित किया जाना है। सोमवार और मंगलवार तक सर्वर के रखरखाव व स्थानांतरण का कार्य किया जाएगा। इसके चलते आमजन ऑनलाइन बैनामा पंजीकरण, अन्य आवेदनों का कार्य अस्थाई रूप से बाधित रहेगा। द्वितीय शनिवार और रविवार के अवकाश में भी सर्वर संबन्धी कार्य होगा।

सड़क हादसे में मौत की एफआईआर दर्ज

रसूलाबाद। 4 नवंबर को रसूलाबाद विषधन रोड पर दो बाइकों की टक्कर में एक बाइक सवार की मौत पर भाई ने दूसरे बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। मंगलपुर थाना क्षेत्र के दतपुर मलगांव निवासी रूप सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका भाई अवधेश कुमार उर्फ लल्लू राजपूत अपनी ससुराल लुधौरा से घर लौट रहा था। रास्ते में दूसरे बाइक चालक ने सामने से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रसूलाबाद सीएचसी ले जाने पर उसे डॉक्टर ने मृत बताया।

पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा

रसूलाबाद। उसरी कछपुर्वा गांव निवासी बाबूराम ने पुलिस को बताया कि गत 19 अक्टूबर को शाम लगभग 7 :30 बजे उसके दरवाजे पर गांव के गोविंद सिंह ,उनकी पत्नी सरोज, पुत्र पिंटू व उसकी पत्नी अर्चना एवं हरिकिशनपुर शिवली निवासी गोलू आए और उसे दरवाजा खोलने को कहा। इस पर उसके पुत्र लाल जी ने दरवाजा खोला। तब उन लोगों ने उसे लाठियों से मारा पीटा। चीखने चिल्लाने पर गांव वाले दौड़े। इस पर वे लोग अपशब्द कहते और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का दावा

कानपुर देहात। जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जनपद में माह नबंवर में यूरिया का लक्ष्य 9606 .00 के सापेक्ष उपलब्धता 19146 .217 मीट्रिक टन है। अब तक 3119 .01 मीट्रिक टन यूरिया बांटी जा चुकी है। डीएपी का लक्ष्य 14918 .00 मीट्रिक टन तय हुआ था, इसके सापेक्ष 14191 .569 मीट्रिक टन उपलब्धता है। अब तक 7518 .37 मीट्रिक टन का वितरण किया जा चुका है। इसी तरह एनपीके का लक्ष्य 2576 .00 एमटी था। इसके सापेक्ष 11378 .22 मीट्रिक टन उपलब्धता है।

नरेंद्र कुमार को मिला संयुक्त सम्मान

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड के तत्वावधान में कानपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले समस्त जनपदों से उत्कृष्ट उत्पादों के शिल्पियों का आंमत्रित किया गया। शिल्पियों द्वारा अपने-अपने मिट्टी से निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। उत्पादों का मूल्यांकन कानपुर विश्वविद्यालय से आए हुए फाइन आर्ट के विशेषज्ञ राजकुमार(विभागाध्यक्ष) एंव ज्योतिबली यादव (प्रोफेसर) ने किया। इसके बाद प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रतिभागियों का चयन किया गया । प्रथम पुरस्कार रामरतन,बिठूर कानपुर नगर, 15हजार व द्वितीय पुरस्कार अमित कुमार बिधूना (औरैया) 12 हजार रूपए का मिला। तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से नरेन्द्र कुमार पुखरांया (कानपुर देहात) एंव अंकित कुमार महाराजपुर (कानपुर नगर) को मिला। उन्हें 10हजार की धनराशि के साथ साथ अंगवस्त्र एंव प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नवजात को मिट्टी में दबाकर चली गई निर्मोही मां

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः कहा जाता है कि जन्म देने वाली मां नहीं, पालने वाली मां बड़ी होती है। इस कहावत को सच कर दिखाया है सिकंदरा थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव की सुनीता देवी ने। जहां एक ओर निर्मोही मां ने नवजात को जन्म देने के बाद मिट्टी में दबा दिया, वहीं सुनीता ने उसे अपने आंचल की छांव देकर नई जिंदगी दी।

वाक्या शुक्रवार सुबह का है। मदनपुर गांव के प्राइमरी विद्यालय के पास सत्य प्रकाश पाल के खेत में मिट्टी भरे गड्ढे के आसपास आवारा कुत्तों का झुंड दिखा तो पास से गुजर रही गांव की सुनीता ने गौर किया। गड्ढे में मिट्टी के बीच से नन्हे हाथ दिख रहे थे। सुनीता ने मिट्टी हटाई तो नवजात बच्चा दबा था, जो जीवित था। सुनीता उसे अपने आंचल में लपेटकर घर ले गई और फिर परिवार वालों के साथ सिकंदरा थाने लाई और पुलिस को पूरी जानकारी दी। थानाध्यक्ष हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने सुनीता के इस मानवीय कार्य की सराहना की और नवजात को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सीएचसी भेजा।

इस दौरान सुनीता और उनके परिवार ने बच्चे को गोद लेने की इच्छा जताई। सुनीता के ससुर ने भावुक होकर कहा कि कुछ समय पहले हमारे घर से एक नन्ही जिंदगी चली गई थी। बच्चा हमारे लिए ईश्वर का उपहार है। पुलिस ने दत्तक ग्रहण के नियमों की जानकारी देते हुए परिवार को कानूनी प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी है। सुनीता का परिवार ममता और करुणा का उदाहरण बना, वहीं नवजात को जन्म देने वाली निर्दयी मां की शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। पुलिस ने बताया कि महिला कांस्टेबल कमलेश बच्चे को लेकर अकबरपुर गई हैं। बच्चे को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। उधर, ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे को बचाने में कुत्तों की भूमिका भी अहम है। कुत्ते बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचा रहे थे, बल्कि मिट्टी हटाने का प्रयास कर उसकी रक्षा कर रहे थे।

सिकंदरा में मिला बच्चा। अमृत विचार

भरे मन से सुनीता ने पुलिस की सुपुर्दगी में दिया बच्चा। अमृत विचार

शिवली में मिली बच्ची। अमृत विचार

- कुत्तों का झुंड और मासूम के हाथ देख सुनीता ने दी आंचल की छांव
- गोद लेने की जताई इच्छा, पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया की सलाह दी

अलियापुर में झाड़ियों के बीच मिली नवजात बच्ची, चाइल्ड लाइन के सुपुर्द

शिवली। शुक्रवार की सुबह सात बजे अध्यापक आलोक कुमार विद्यालय जा रहे थे, तभी रनियां के अलियापुर के पास सड़क किनारे झाड़ियों के बीच बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। बच्ची बिना कपड़ों के पड़ी थी। आलोक ने मैथा चौकी व शिवली थाने में सूचना दी। चाइल्ड हेल्पलाइन की परियोजना समन्यक रिचा तिवारी ने बच्ची को सीएचसी में दिखाया।

फैक्ट्रियों का निरीक्षण कर जारी किया नोटिस

संवाददाता, रनियां

- रनियां और जैनपुर की इकाइयों से प्रदूषण की हुई थी शिकायत
- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ने जांच-पड़ताल की

अमृत विचारः रनियां तथा जैनपुर में संचालित औद्योगिक इकाइयों द्वारा लगातार मिल रहीं प्रदूषण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा शुक्रवार को जिले की आधा दर्जन इकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया। कुछ इकाइयों में अपशिष्ट जलता हुआ मिला तथा कुछ में अन्य कमियां पाई गई। सभी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया।

पिछले दिनों से रनियां की अंकुर इंडस्ट्रीज़, हिंदुस्तान पायरोलिसिस, जैनपुर की प्रीमियम शूटिंग, आर वी बी सार्लोयूब, आदित्या फ्लैक्सीपैक आदि विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के आस-पास रहने वाले ग्रामीणों द्वारा इन इकाइयों से बढ़ते हुए प्रदूषण से हो रही परेशानी की शिकायत क्षेत्रीय कार्यालय में की जा रही थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ फैक्ट्री से अपशिष्ट जलाने से निकलने वाले जहरीले धुएं से सांस लेना मुश्किल हो जाता है जब कि कुछ फैक्ट्री से निकलते गंदे पानी से जल प्रदूषण बढ़ रहा है।

इसको मद्देनजर रखते हुए क्षेत्रीय अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया के नेतृत्व में एक टीम ने उपरोक्त फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया। इस संबंध में क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि कुछ फैक्ट्री में अपशिष्ट जलता पाया गया, जबकि कुछ में गंदा पानी जमा होने से परेशानी हो रही थी। नियमों का पालन न करने वाले उद्योगों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके साथ ही कमियां दूर करने का निर्देश दिया गया है। स्पष्टीकरण मिलने के बाद अगला कदम उठाया जाएगा।

किशोरी के साथ रेप में आरोपी को 10 वर्ष कैद

शिवली कोतवाली क्षेत्र में पांच साल पहले हुई थी घटना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम ने सुनाया फैसला
- अदालत ने सजा के साथ 40 हजार का अर्थदंड भी लगाया

अमृत विचारः शिवली कोतवाली क्षेत्र में पांच वर्ष पहले घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म करने और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मार देने की धमकी दिए जाने के मामले में कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। 40 हजार अर्थदंड भी लगाया है।

घटना 4 मई 2020 की है। घटना के मुताबिक शिवली के साकेत नगर के रहने वाले अनिल कुमार पुत्र पुत्तन लाल राठौर ने घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद उसे कहीं भी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। घटना के संबन्ध में किशोरी के पिता की ओर से केस नंबर 238/2020 में धारा 376/452/506 आईपीसी व 3/4 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत कोतवाली में मुकदमा कायम कराया गया था। विवेचना के बाद घटना के वादी और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने 16 जून 2020 को चार्जशीट दाखिल की थी।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी प्रथम ने साक्ष्यों व गवाहों के बयानो के आधार पर आरोपी अनिल कुमार को दोषी ठहराया। शुक्रवार को न्यायालय ने अनिल कुमार को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। 40 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड़ अदा न करने की दशा में आरोपी अनिल कुमार को दो माह के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी।

दहेज हत्या में वांछित आरोपी को पकड़ा गया

कानपुर देहात। मंगलपुर थाने की पुलिस ने दहेज हत्या में वांछित आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। 30 सितंबर को तहरीर के आधार पर थाने में दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम ने मुकदमे नामजद आरोपी मंगलपुर कस्बा निवासी फैजल पुत्र अफसार उर्फ मुखिया को एसकेआईटी कॉलेज मोड़ हवासपुर के पास से गिरफ्तार किया है।

माती में वंदे मातरम् का सामूहिक गान

कानपुर देहात। राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में माती में कार्यक्रम हुआ, जहां सीडीओ लक्ष्मी एन, एडीएम अमित कुमार,एएसपी राजेश पांडेय रहे। शुभारंभ ईको पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पण से हुआ।

सभी ने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन कर पुष्प अर्पित किए। शहीद अनुराग सिंह की पत्नी विनीता सिंह, शहीद योगेंद्र पाल की पत्नी अनीता सिंह तथा शहीद पत्नी माया कुशवाहा के पुत्र राहुल कुशवाहा को शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद जनसमूह ने एक स्वर में वंदे मातरम का गायन किया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, डीएफओ एके पाण्डेय, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर अंकित सक्सेना, डीसी एनआरएलएम गंगाराम वर्मा, उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रक की चपेट में आने से बीमा अभिकर्ता की थम गईं सांसें

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः गजनेर के मुख्य चौराहे पर गुरुवार की रात पैदल सड़क पार करते समय ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक बीमा एजेंट और भाजपा के अकबरपुर मंडल मंत्री विनय नायक का भाई था। शुक्रवार को राज्यमंत्री पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं और शोक जताया।

सुनील नायक।

शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला। अमृत विचार

- गजनेर चौराहे पर हुआ हादसा भाजपा नेता विनय का भाई था

घाटमपुर थाना क्षेत्र के गणेशपुर निवासी सुनील कुमार नायक (25) अकबरपुर में एक किराए की दुकान पर गाड़ियों का बीमा करता था। गुरुवार की देर शाम वह दुकान बंद कर प्राइवेट सवारी से घर लौट रहा था। पैदल सड़क पार करते समय गजनेर चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गया और ट्रक का पहिया उसके सिर पर चढ़ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

हादसे की सूचना पर पिता अहिबरन, मां कपूरी, भाई विनय का रो-रोकर बुरा हाल था। वह अविवाहित था। इंस्पेक्टर जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फरार अज्ञात ट्रक की तलाश की जा रही है। भाजपा के अकबरपुर मंडल अध्यक्ष शिव विलास मिश्रा ने बताया कि सुनील का सगा भाई कृपालपुर में रहता है। वह मंडल संगठन में मंत्री है। सुनील अकबरपुर से गणेशपुर रोज आवागमन करता था। घटना के बारे में जानकारी मिलने पर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला अकबरपुर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

सत्यापन में फर्जी मिलें कागज तो करें कटौती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- खनन कार्यों की समीक्षा बैठक में एडीएम ने दिए सख्त निर्देश

अमृत विचारः शुक्रवार को मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में एडीएम/प्रभारी अधिकारी, खनन, अमित कुमार की अध्यक्षता में खनन कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, अभियंताओं तथा खनन कार्यों से जुड़े संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत किए गए उच्च खनिजों के संबंध में ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत परिवहन प्रपत्रों की ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यदायी संस्थाओं में प्रस्तुत सभी परिवहन प्रपत्रों को ऑनलाइन सत्यापित किया जाए तथा असत्य या इनवैलिड पाए जाने वाले प्रपत्रों को नियमानुसार निरस्त कर संबंधित ठेकेदारों के बिलों से कटौती की जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खनन विभाग द्वारा निर्धारित लेखा शीर्षक, खनिज वन एवं अन्य खनिज पदार्थ के अंतर्गत समस्त राजस्व की वसूली समय से की जाए तथा ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों की नियमित जाँच की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पोर्टल पर कार्यदायी संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत इनवैलिड क्वांटिटी को समयबद्ध रूप से अपलोड किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्यदायी संस्थाएं अपने-अपने प्रकरणों का सत्यापन पूर्ण कर लें, जिससे राजस्व हानि न हो।

अब सड़क निर्माण की जागी आस

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः पूर्व राष्ट्रपति एवं तत्कालीन राज्यसभा सदस्य रामनाथ कोविंद द्वारा लगभग 30 वर्ष पूर्व बनवाया गया डूड़ामहुआ गांव का संपर्क मार्ग अत्यंत जर्जर है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की बेरुखी से क्षुब्ध ग्रामीणों ने जर्जर सड़क को ठीक करने का बीड़ा उठाया और प्रारंभ में श्रमदान व चंदा कर काम शुरू करवाया। इसे एक नवंबर को '**अमृत विचार**' ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

समाचार प्रकाशित होने के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस में भी की थी। जिसको लेकर एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह ने संज्ञान लिया और सड़क निर्माण की कवायद शुरू की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को इस संबंध में लिखा। इसके साथ ही क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम शंखवार ने भी विभागीय अधिकारियों से बात की। इसको लेकर डूड़ामहुआ गांव को बेला बिधूना रसूलाबाद संपर्क मार्ग से जोड़ने वाले लगभग 3 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का लोक निर्माण विभाग के क्षेत्रीय जेई मनोज पाल ने सर्वे कार्य शुरू किया और नाप जोख की। समस्या-समाधान की उम्मीद लगाए ग्रामीणों में इसको लेकर खुशी है।

नाप-जोख करता जेई। अमृत विचार

- लोक निर्माण विभाग के जेई ने शुरू कराई सड़क की नाप-जोख

ग्रामीणों ने अमृत विचार अखबार का आभार जताया है। अवर अभियंता मनोज पाल ने बताया कि सड़क की लंबाई, चौड़ाई, स्तर और मरम्मत बिंदुओं की सर्वे रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जिसे शीघ्र ही उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाएगा। जिससे जल्द नवीनीकरण कार्य की स्वीकृति मिले और ग्रामीणों की समस्या दूर हो। ऊसर सुधार विभाग के द्वारा बनवाए गए इस मार्ग के संबंध में जब उनसे पूछा गया कि क्या यह सड़क आपके विभाग को हस्तांतरित हो गई है तो उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से मरम्मत के अभाव में अब यह मार्ग पूर्ण रूप से शून्य हो चुका है। इसलिए हस्तांतरण की स्थिति नहीं होगी। वे अधिकारियों से बात करेंगे और शून्य हो चुके इस संपर्क मार्ग को विभाग के बनवाने का काम किया जाएगा।

नदी में डूबती मां-बेटी को बचाने पर मिला सम्मान

संवाददाता, राजपुर

- कार्तिक पूर्णिमा पर खोजारामपुर यमुना घाट पर बचाई थी जान
- राजपुर थानाध्यक्ष ने पुरस्कार देकर दोनों का बढ़ाया हौसला

अमृत विचारः कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना स्नान के दौरान खोजारामपुर घाट पर बड़ा हादसा टल गया। खोजारामपुर निवासी काजल पाल (20) अपनी मां आशा देवी (42) के साथ बुधवार को यमुना में स्नान करने गई थीं। स्नान के दौरान अचानक तेज धारा में दोनों का संतुलन बिगड़ गया और मां-बेटी गहरे पानी में डूबने लगीं।

मौके पर ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड लल्लन के शोर मचाने पर नदी की घाट पर स्नान कर रहे खोजारामपुर गाँव के सुखलाल व सुरेंद्र ने बिना देर किए नदी में छलांग लगाई और साहस दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

उनकी तत्परता से बड़ी जनहानि होने से बच गई।घटना की जानकारी पर राजपुर थानाध्यक्ष सनत कुमार ने थाने मे होमगार्ड लल्लन व ग्रामीण सुखलाल और सुरेंद्र को पुरुस्कृत किया। थानाध्यक्ष ने कहा कि समय रहते दिखाई गई सतर्कता ने दो कीमती जानें बचा लीं, ऐसे कार्य समाज के लिए प्रेरणा हैं।

लल्लन व सुखलाल को पुरस्कार मिला।

कार्यशाला | एडीजी आलोक सिंह ने स्टॉप, स्कैन और शेयर वाइजली को अपनाने पर दिया जोर

साइबर क्राइम से बचने को अपनाएं थ्री एस का फार्मूला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः माती के ईको पार्क में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित कर आम लोगों को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और अन्य माध्यमों से होने वाले फ्रॉड को लेकर जागरूक किया गया। बताया गया कि कुछ सावधानियां बरत कर साइबर फ्राड से हम आसानी से बच सकते हैं। विशेषज्ञों ने ऑनलाइन ठगी व साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में डीजीपी राजीव कृष्ण भी वर्चुअल माध्यम से जुडे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि सस्पेक्टेड वेबसाइट और लिंक को कभी एक्सप्लोर न करें। किसी भी अनजान कॉलर को निजी जानकारियां न दें। साइबर क्रिमिनल रोज नए तरीके अपना रहे हैं। डिजिटल युग में हमें पूरी सावधानी के साथ इंटरनेट का इस्तेमाल करना है। कार्यशाला में अपर पुलिस महानिदेशक, आलोक सिंह व उपमहानिरीक्षक हरीश चंदर शामिल हुए। साइबर विशेषज्ञ राहुल मिश्रा ने लाइव डेमो प्रस्तुत किया। उन्होंने साइबर क्राइम्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी ठगी, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन, सोशल इंजीनियरिंग, फेक लिंक और डिजिटल भुगतान से जुड़ी ठगी के तरीकों की गहन जानकारी दी।

लाइव डेमो के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि किस प्रकार यूपीआई फ्रॉड, फेक कॉल, डै स्कैम, और फिशिंग ईमेल के जरिए नागरिकों को ठगा जाता है तथा उनसे बचने के लिए कौन-कौन से सावधानीपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के 3 एस फार्मूला, स्टॉप, स्कैन और शेयर वाइजली को अपनाने की सलाह दी, जिससे उपयोग कर्ता किसी भी संदिग्ध डिजिटल गतिविधि से सुरक्षित रह सकें। एडीजी ने बताया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल अथवा हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना दें। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

शुक्रवार को माती के ईको पार्क में आयोजित कार्यशाला में एडीजी आलोक सिंह ने जरूरी उपाय बताए। अमृत विचार

भाजपा बनाएगी ब्लाक लेबल एजेंट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः कानपुर देहात जिले में शुरू हुए मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुक्रवार को कार्यशाला हिंदी भवन में हुई। कार्यक्रम में भाजपा की जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिला प्रभारी अशोक राजपूत रहे।

जिला प्रभारी अशोक राजपूत ने कहा कि एसआईआर के लिए पार्टी बीएलओ की तर्ज पर अपने ब्लॉक लेवल एजेंट (बीएलए) बनाएगी। यह बीएलए मतदाता सूची की पड़ताल करने घर-घर जाएंगे। फर्जी और दोहरे वोटर हटवाए जाएंगे। नए और खासतौर पर युवा वोटरों के नाम जो 18 वर्ष के हो गए हैं, उनके नाम जुड़वाए जाएंगे। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता हर व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का संकल्प लेकर अपने बूथों पर सक्रिय हो जाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर होने वाले समारोह में कार्यकर्ताओं को व्यापक स्तर पर सहभागिता करनी है। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि सभी कार्यकर्ता 2027 के मिशन पर अभी से युद्ध स्तर पर लग जाएं। इस दौरान जिला प्रवासी अरुण पाल, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन पांडे, बबलू शुक्ला, मलखान सिंह चौहान, राम जी गुप्ता, सौरभ मिश्रा, आशीष मिश्रा, सत्येंद्र भदोरिया अंशु तिवारी, कृष्णा गौतम, शिव विलास मिश्रा, विकास मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ करते जिला प्रभारी अशोक राजपूत। अमृत विचार

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार 8 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

युवक ने फंदा लगा कर आत्महत्या की

मौदहा। कस्बे के कुम्हरौडा निवासी रामकुमार के पुत्र अमित (22) ने शुक्रवार को घर में फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अमित अपने परिवार में तीन भाइयों में सबसे बड़ा और अविवाहित था। कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

डीएम ने सात लोगों को किया जिलाबदर

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने सात लोगों छह महीने के लिए जिलाबदर किया है। इनमें वीरु उर्फ बृजेन्द्र प्रताप सिंह व अभय शुक्ला निवासी ग्राम पिपरौंदा थाना मौदहा, शशिकांत राजपूत, लालू उर्फ संदीप कुमार राजपूत, निखिल राजपूत निवासी थाना राठ, सौरभ निवासी थाना मुस्करा, संजय उर्फ संजू पुत्र मूरत ध्वज राजपूत निवासी थाना जरिया शामिल हैं।

बसपा की बैठक में मजबूती पर जोर

सुमेरपुर। बसपा की शुक्रवार को एक गेस्ट हाउस में हुई जिला स्तरीय बैठक में पूर्व एमएलसी भीमराव अंबेडकर ने कहा कि पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाना है। एसआईआर के दौरान प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं को तैनात करना है ताकि बीएलओ किसी तरह की गड़बड़ियां न कर सकें। बैठक में जिलाध्यक्ष राघवेंद्र अहिरवार, रजा मुहम्मद उर्फ श्रीनाथ, वीरेंद्र वर्मा, ज्ञान बाबू वर्मा, रामफूल निषाद, बिहारीलाल वर्मा, सोनू सौदागर, बाबू खान, जेपी वर्मा, सागर, डॉ .जितेंद्र सागर, धर्मेंद्र भास्कर, सुमित, शिवम, हरिओम, मनोज सोनकर, अरुण कुमार, सुमित सम्राट, हफीज खान आदि रहे।

हजरत शेख चांद बाबा का सालाना उर्स शुरू

मौदहा। सूफी संत हजरत शेखचांद बाबा का चार दिवसीय सालाना उर्स शुक्रवार की शाम बाद नमाज़ इशा भजनों के कार्यक्रम के साथ शुरू हो गया। जबकि शनिवार को सुबह बाद नमाज़ फजिर कुरान ख्वानी, बाद नमाज़ जोहर चादर उठेगी जो चार बजे तक मजार पर चढेगी और बाद नमाज़ इशा शानदार कव्वालियों का प्रोग्राम होना है। जबकि रविवार को उर्स और कव्वालियों का प्रोग्राम होना है। वहीं सोमवार की सुबह कुल की फातिहा के साथ चार दिवसीय उर्स का समापन होगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने भेंट की व्हील चेयर

सुमेरपुर। कस्बे में संचालित केंद्रीय विद्यालय को नगर पंचायत अध्यक्ष ने एक व्हीलचेयर प्रदान की है। नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे ने कस्बे में संचालित केंद्रीय विद्यालय के दिव्यांग छात्रों की मदद के लिए विद्यालय को एक अदद व्हीलचेयर मुहैया कराई है। विद्यालय ने चेयरमैन के इस सहयोग पर हर्ष जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्राचार्य राजमंगल यादव, शिक्षक निशांत कुमार, बलजीत सिंह, अरविंद कुमार, पीडी रावत सहित भाजपा नेता अरविंद श्रीवास्तव मौजूद रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

जायरीनों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण पर दें ध्यान

मकनपुर में तीन दिवसीय उर्स शुरू, ज्वाइंट कमिश्नर आशुतोष कुमार ने परखी व्यवस्था, बैठक कर दिए निर्देश

संवाददाता, बिल्हौर

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते पुलिस के अधिकारी। अमृत विचार

उर्स कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक करते ज्वाइंट कमिश्नर (कानपुर) आशुतोष कुमार।

अमृत विचार। हजरत सैयद बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय उर्स शुक्रवार से मकनपुर में शुरू हुआ। पहले दिन ही उर्स में जायरीनों की खासी भीड़ देखी गई। इधर तैयारी व्यवस्था को लेकर ज्वाइंट कमिश्नर (कानपुर) आशुतोष कुमार ने मकनपुर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। यहां की व्यवस्थाओं के प्रति मातहतों को निर्देश दिए। साथ ही पुलिस के अधिकारियों और उर्स कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठकें भी कीं।

मकनपुर में उर्स के दौरान लाखों की संख्या जायरीन आते हैं। उसकी सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए ज्वाइंट कमिश्नर ने पुलिस अधिकारियों और आयोजन कमेटी के साथ अलग-अलग बैठकें कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण और बैठकों का मुख्य फोकस जायरीनों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने पर रहा।

पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक के साथ बैठक में ज्वाइंट कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की, जिसमें मेले में पुलिस बल की तैनाती, ट्रैफिक प्रबंधन और महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त संख्या और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि वे विभागों साथ आपसी समन्वय बनाकर काम करें ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आयोजन कमेटी के साथ की बैठक: ज्वाइंट कमिश्नर (कानपुर) आशुतोष कुमार ने उर्स कमेटी के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की। इस दौरान साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा व्यवस्था और अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उर्स के दौरान बिजली आपूर्ति में कोई बाधा न आए, इसके लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भीड़ को नियंत्रित करने और जायरीनों को उचित मार्ग देने के लिए कमेटी के स्वयंसेवकों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। कहा कि ताकि उर्स के दौरान कोई अव्यवस्था नहीं हो।

10 गांवों में चौपाल लगा समस्याएं निस्तारित कीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ग्रामीण अंचल में लोगों को क्या समस्या आ रही है, उसको समझने और उसका निस्तारण करने के लिए अधिकारियों की टीम अधिक आबादी वाले 10 गांवों में पहुंची। गांवों में पहुंचकर लोगों से उनकी समस्याओं को जानकर उनका निस्तारण किया।

शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की अगुवाई में शासन की मंशा 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' के अनुरूप बड़ी जनसंख्या वाले 10 ग्रामों (प्रत्येक विकास खण्ड से 01) को चिह्नित करते हुए जन चौपाल आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिरकत की। जन चैपाल में साफ-सफाई अभियान, ग्राम पंचायत में कराये गये कार्यों के निरीक्षण, मनरेगा के कार्य, मजदूरी भुगतान, महिला मेट, समूह की गतिविधियां, पंचायत विभाग द्वारा वित्त आयोग की धनराशि से कराये गये समस्त कार्य, राशन वितरण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आंगनवाड़ी एवं एएनएम सेंटर का निरीक्षण, वृद्धा, निराश्रित एवं विकलांग पेंशन तथा छात्रवृत्ति का सत्यापन आदि की शिकायतों को निरस्तारण किया गया।

कहां कितनी शिकायतों का निस्तारण

- कल्यानपुर विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बिनौर में प्राप्त 46 शिकायतों में 35 का मौके पर निस्तारण।
- सरसौल विकास खण्ड की ग्राम पंचायत डोमनपुर में कुल प्राप्त 08 शिकायतों में 6 का निस्तारण।
- भीतरगांव विकास खण्ड की ग्राम पंचायत अमौर में 04 शिकायतों में 04 का मौके पर निस्तारण।
- घाटमपुर विकास खण्ड की ग्राम पंचायत भदरस में 5 में सभी शिकायतों का निस्तारण।

पकड़ने के दौरान कुएं में कूद गया जुआरी पुलिस बोली, चोरी की बाइक खोज रहे थे

संवाददाता, घाटमपुर

- आरोप : पुलिस ने जुआ पकड़कर जुआरियों को छोड़ दिया

अस्पताल में भर्ती बृजेश। अमृत विचार

अमृत विचार। सजेती थाना क्षेत्र के गांव नांदुलनपुर में गत दिनों कार्तिक मेला लगा था। आरोप है कि मेले के दौरान रात में जुआ हो रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और कुछ जुआरियों को पकड़ लिया। इस दौरान एक जुआरी पुलिस को देखकर कुएं में कूद गया। इससे उसे गंभीर चोटें आई और कानपुर के हैलट में उपचार चल रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि जुआ नहीं पकड़ा गया। पुलिस बाइक चोरी की सूचना पर मौके पर गए थे।

सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत नंदुलनपुर गांव में कार्तिक पूर्णिमा का मेला लगा। मेले के दौरान रात में वहां जुआ खेला जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही एक व्यक्ति ने 112 पर पुलिस को जुआ खेलने की सूचना दी। आरोप है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने जुआ में छापेमारी की। छापामारी में कुछ लोग तो जुआ छोड़कर भाग गए और कुछ को पुलिस ने कैश सहित पकड़ लिया। थाना चांदपुर फतेहपुर निवासी बृजेश उर्फ बल्ली पुत्र भगवानदीन (35) ने बताया कि वह जुआ खेल रहा था, पुलिस से बचने के लिए वह कुएं में कूद गया। इससे उसकी कमर व दोनों पैर टूट गए। और शरीर में काफी चोटें आयी हैं। जिसके पश्चात उसे इलाज के लिए हैलेट कानपुर भर्ती किया गया है। आरोप है कि जब जुआरी के कुएं में कूदने की सूचना पुलिस को हुई तो पकड़े गए अन्य जुआरियों को भी छोड़ दिया गया।

मामले में सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि आकाश सचान नामक युवक ने मोटर साइकिल चोरी की सूचना डायल 112 पर दी थी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। जहां पर पता चला कि एक व्यक्ति कुएं में कूद गया है। जुआ पकड़ने की बात निराधार है। पुलिस ने जुआ नहीं पकड़ा है।

भूमि विवाद में दो पक्षों के तीन लोग घायल

चौबेपुर। क्षेत्र के नोनहा कलां गांव में भूमि विवाद के चलते परिवार के ही दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। मारपीट में तीन लोग घायल हुए। तहरीर पर पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

क्षेत्र के नोनहा कलां गांव निवासी विजय सिंह पुत्र श्याम नारायण सिंह व परिवार के अजय सिंह पुत्र बसंत सिंह के बीच कुछ भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। बताया गया है कि मामले में गुरुवार को दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी,जिसमें अजय व उसके भाई शोभित को चोटें आईं थीं। इधर शुक्रवार दोपहर कहासुनी के पश्चात पुनः दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। इस दौरान लाठी डंडे व सरिया से हमला किए जाने से विजय सिंह को गंभीर चोट आई। प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दी गई।

फत्तेपुर में लगी चौपाल, शिकायतों के तत्काल निस्तारण के दिए निर्देश

संवाददाता, ककवन

चौपाल में शिकायतें सुनते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। विकासखंड ककवन क्षेत्र की फत्तेपुर ग्राम पंचायत में शुक्रवार को जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) मनोज कुमार की अध्यक्षता में एक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं का गांव में ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करना रहा।

चौपाल के दौरान, डीपीआरओ मनोज कुमार ने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों से एक-एक करके उनकी शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुना। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से आवास, शौचालय, सड़क, नाली और साफ-सफाई से संबंधित अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी जायज शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उपस्थित संबंधित विभाग के कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे ग्रामीणों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

गलियों में किया निरीक्षण : चर्चा के उपरांत, डीपीआरओ मनोज कुमार ने ग्राम पंचायत की गलियों में निकलकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव की कई सड़कों और नालियों की साफ-सफाई व्यवस्था का गहनता से निरीक्षण किया।

ये रहे मौके पर मौजूद : इस महत्वपूर्ण ग्राम चौपाल के आयोजन के दौरान, ब्लॉक स्तर और ग्राम पंचायत स्तर के कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से एडीओ पंचायत राकेश दीक्षित, ककवन ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार, ग्राम पंचायत सचिव मनोज कुमार राजपूत, और ग्राम प्रधान गुड्डी देवी ,प्रेरक शिव श्याम शामिल थे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी उपस्थित रहे।

कलशयात्रा के साथ हनुमत यज्ञ व भागवत कथा शुरू

संवाददाता, घाटमपुर

- 13 को रामलीला एवं 14 नवंबर को होगा विशाल भंडारा
- साढ़ क्षेत्र के प्राचीन कुड़नी दरबार में हो रहा आयोजन

अमृत विचार। घाटमपुर के साढ़ क्षेत्र के प्राचीन कुड़नी दरबार में शुक्रवार को कलश यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम आयोजक सूरज पाल सिंह ने बताया कि सात दिवसीय भागवत कथा एवं हनुमत यज्ञ का आयोजन शुक्रवार से प्रारंभ हुई कलश यात्रा के सप्त दिवसीय कार्यक्रम में धर्मेंद्र शास्त्री जी के द्वारा यज्ञ का कुशल संचालन किया जाएगा।

उसके बाद 13 नवंबर को विशाल रामलीला एवं 14 नवंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रथम में पंचांग पूजन किया गया। उसके बाद बेदी निर्माण एवं पूजन अरणी मंथन के बाद यज्ञ प्रारंभ हो जाएगा जो सात दिन चलेगा और भागवत कथा प्रवक्ता पं प्रदीप शुक्ल जी ने कथा के प्रथम दिवस में भागवत महात्म्य की कथा सुनाई। कुड़नी मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होकर गांव का भ्रमण करते हुए मंदिर में कलश यात्रा को विराम किया गया। इस मौके पर शीला सिंह, गोविंद शुक्ला, नितिन मिश्र, संतोष कश्यप, लाखन सिंह,अवनीश सिंह उपस्थित रहे।

पुलिस की गश्त सुस्त, चोरों की टोली चुस्त

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंधना कस्बे में चोरों के हौसले बुलंद हैं। क्षेत्र में हो रही लगातार चोरी की वारदातों से इलाकाई लोगों में मानो कि पुलिस के ऊपर से भरोसा उठ सा गया है। एक महीने में हुई 3 वारदातों में एक घटना का खुलासा करके पुलिस ने अपनी पीठ तो थपथपा ली,लेकिन चोरों के अंदर पुलिस अपना भय बनाने में अक्षम साबित हो रही है।

गुरुवार की रात हाईवे से लगी टाइल्स की दुकान को चोरों ने निशाना बना डाला। दुकान मालिक अजय तिवारी ने बताया की वह गुरुवार की रात दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो ताला टूटा पड़ा था। दुकान के अंदर जाकर देखा तो लैपटॉप, सीसीटीवी कैमरे डीवीआर समेत गोलक व मंदिर में रखे पांच हजार रुपये गायब थे। जिसकी सूचना उन्होंने डायल 112को दी। मौके पर पहुंची पीआरवी व मंधना चौकी की पुलिस टीम जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जल्द ही वारदात का पर्दाफाश करने का आश्वासन पीड़ित को दे दिया।

सवाल यह उठता है बीते सोमवार कि रात को हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। गुरुवार की रात हुई वारदात ने पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगा दिया है। आपको बताते चलें कि बीते सोमवार क़ो बगदौधी कछार में रहने वाले चंद्रशेखर के घर को निशाना बनाते हुए पौने आठ लाख रूपये कि नकदी व दस लाख रुपये के जेवरात पार कर ले गए थे। परिवार बेटी कि शादी की रस्मों में शरीक रहा था। चोरों ने घर को सूना पाकर वारदात को अंजाम दिया उसके बाद पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और अभी तक चोरों की तलाश जारी है। बिठूर इंस्पेक्टर पीएन विश्वकर्मा ने बताया कि चोरों कि गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी गई हैं। जल्द ही गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जायेगा।

मंधना चौकी से 200 मीटर दूर हुई थी चोरी

- मंधना पुलिस चौकी से महज 200मीटर कि दूरी पर बिठूर स्थित एक मोबाइल शॉप को निशाना बनाया था जिसके बाद सर्विलांस टीम की मदद से तीन चोरों को गिरफ्तार किया था जबकि वारदात में शामिल अन्य 4 चोर अभी भी पुलिस कि गिरफ्त से दूर हैं।

बंद मकान का ताला तोड़ा

- मंधना बिठूर रोड पर स्थित नई बस्ती में बीती 29 अक्टूबर को चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया और घर का ताला तोड़कर दाखिल हुए। चोरों ने अलमारी व बक्से समेत कमरों के ताले तोड़ दिए। ज़ब कुछ नहीं मिला तो भाग गए। पीड़ित रवि कुमार यादव नें बताया था कि वह अपने परिवार के साथ 19 अक्टूबर क़ो दिवाली मनाने के लिए अपने गांव छिबरामऊ गए हुए थे। वह ज़ब 30 अक्टूबर कि शाम घर पहुंचे तो ताला टूटा देख होश उड़ गए। हालांकि नकदी व जेवरात साथ ले जाने के कारण बड़ी वारदात हो जाने से बच गई।

रफ्तार ने छीनी तीन युवकों की जिंदगी

राठ। पनवाड़ी रोड पर बसेला गांव के पास उल्टी दिशा में दौड़ रही डीसीएम ने सामने से बाइक को रौंद दिया, जिससे बाइक पर सवार तीन मजदूर युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। युवकों की मौत से गुस्साए सैकड़ों ग्रामीणों ने राठ-पनवाड़ी रोड पर जाम लगा दिया। जाम लगने से सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लंबी लाइन लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाराज ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस विरोधी नारेबाजी के डीसीएम पर पथराव कर तोड़फोड़ शुरू कर दी। करीब दो घंटे बाद एसडीएम और सीओ ने नाराज ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। हादसे की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

कार्यक्रम पंचदिवसीय पूर्णिमा महोत्सव में मिश्री मठ पर दिव्य संगम में बोले करौली शंकर महादेव

'साधना से दिवास्वप्न टूटते और साधक मृत्यु में जीना सीखते'

संवाददाता, हरिद्वार

कार्यक्रम के दौरान करौली शंकर महादेव व चक्रपाणि महाराज। अमृत विचार

अमृत विचार। देवभूमि में स्थित मिश्री मठ में आयोजित पंचदिवसीय पूर्णिमा महोत्सव (साधक महासम्मेलन) एवं देवभूमि रजत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे चक्रपाणि महाराज ने अपने सारगर्भित वाणी से साधकों के हृदयों में श्रद्धा, भक्ति और आत्मबोध की ज्योति प्रज्वलित की।

उन्होंने अपने प्रवचन के आरंभ में करौली शंकर महादेव जी के चरणों में नमन करते हुए कहा कि उनके सान्निध्य में ही आत्मा को परमानंद की अनुभूति होती है और हर संवाद आत्मा की सेवा या 'सर्विसिंग' के समान है। महाराज जी ने बताया कि करौली सरकार जी से मिलने या उनसे बात करने मात्र से ही तन-मन हल्का हो जाता है, चिंताओं का नाश होता है और साधक पुनः ऊर्जावान हो जाता है।

उन्होंने कहा कि जो सौभाग्यशाली हैं, वे ही ऐसे महापुरुष के चरणों तक पहुँच पाते हैं, जिनसे आत्मिक शक्ति और दिव्यता का संचार होता है।अपने उद्बोधन में श्री चक्रपाणि जी महाराज ने करौली सरकार जी के प्रति अपने स्नेह और आस्था के अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह एक ऐसी सरकार है जो कभी गिर नहीं सकती, क्योंकि यह अध्यात्म की, सत्य की और मोक्ष की सरकार है। उन्होंने कहा कि करौली सरकार जी की शरण में आने वाला व्यक्ति न केवल सांसारिक शांति पाता है, बल्कि मुक्ति का मार्ग भी प्राप्त करता है।महाराज जी ने कहा कि प्रत्येक साधक को ज्योति से ज्योति जलाने का कार्य करना चाहिए। जो अनुभव उसने पाया है, उसे दूसरों तक पहुँचाना ही सच्चे साधक का धर्म है। उन्होंने समझाया कि सनातन धर्म के तीन चरण अवलोकन, निरीक्षण और स्वीकृति हैं। पहले व्यक्ति देखता है, फिर अनुभव करता है और अंत में सत्य को स्वीकार करता है।उन्होंने नकारात्मक शक्तियों के प्रति सावधान करते हुए कहा कि जहाँ एक ओर विनाशकारी प्रवृत्तियाँ विश्व में बढ़ रही हैं, वहीं करौली सरकार जी जैसी दिव्य शक्ति विश्व में संतुलन और सकारात्मकता लाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि साधक वर्तमान में जिए, क्योंकि वर्तमान ही सच्चा जीवन है। सुमिरन और गुरु की आज्ञा पालन से व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठ जाता है। अपने प्रवचन में श्री चक्रपाणि जी ने एक प्रेरक कथा सुनाई जिसमें एक गुरु ने करुणा और क्षमा की मिसाल पेश की। यह कथा दर्शाती है कि जब गुरु और शिष्य दोनों ही निष्ठावान होते हैं, तब कोई भी शक्ति सनातन धर्म को झुका नहीं सकती। उन्होंने कहा कि करौली सरकार जी जैसे पूर्ण गुरु जिस साधक को स्पर्श करते हैं, वह स्वयं में गुरुत्व ग्रहण कर लेता है और दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाता है।अंत में श्री चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि यदि भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा, तो वह राजनीति या धन से नहीं, बल्कि ऐसे संतों की तपस्या और साधकों के समर्पण के कारण ही बनेगा। उपस्थित साधकों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि करौली सरकार का यह आध्यात्मिक शासन केवल इस धरती पर आनंद नहीं देगा, बल्कि आत्मा को मुक्ति और शाश्वत शांति देगा।

बोगस मतदाताओं को हटवाएं और नए मतदाताओं के नाम जुड़वाएं कार्यकर्ता

संवाददाता, बिधनू

कार्यशाला में मौजूद भाजपा पदाधिकारी व विधायक अभिजीत सिंह सांगा। अमृत विचार

अमृत विचार। बिठूर विधानसभा में रमईपुर के एक गेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बोगस मतदाताओं को हटाना और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ना था।

कार्यशाला का आयोजन विधायक अभिजीत सिंह सांगा के नेतृत्व में किया गया। इसमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान उपस्थित रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। मुख्य अतिथि जय प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एक व्यक्ति केवल एक ही स्थान पर मतदाता हो सकता है। कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे बोगस मतदाताओं को हटाने और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने का कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकर्ताओं को शासन द्वारा नियुक्त बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक अभिजीत सिंह सांगा, पवन प्रताप सिंह, सूर्यब्रह्म सिंह, पुष्कर शुक्ला अवेंश सोनकर, पवन चंदेल आदि मौजूद रहे।

सुविचार

श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी बूटियां हैं कि जो एक बार घोल कर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है।
- अमृतलाल नागर

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार 8 नवंबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार
- जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन भवन में पकड़ी गड़बड़ी, जांच टीम गठित- II
- डॉक्टरों की कमी की वजह से मरीज करते हैं इंतजार- III
- 150वीं वर्षगांठ पर चारों ओर शान से गूंजा वंदे मातरम्- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **लकी ड्रा :** दादा नगर कोऑपरेटिव स्टेट में गोल्डी हाउस में लकी ड्रा सुबह 11 बजे।
- **कॉफ्रेंस :** बिठूर स्थित होटल ब्लू वर्ल्ड में सर्जनों की राष्ट्रीय कॉफ्रेंस दोपहर 12 बजे तक।
- **कार्यशाला :** आईएमए सभागार में थोराकोस्कोपी 2025 के तहत कार्यशाला दोपहर 12 बजे।
- **कार्यशाला :** भाजपा दक्षिण में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के विधानसभा की कार्यशाला 12 बजे।
- **शिविर :** आजाद नगर डायमंड ड्रिल पब्लिक स्कूल में जागरूकता शिविर दोपहर 12 बजे।
- **वार्ता :** भाजपा कानपुर अल्पसंख्यक मोर्चा बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा गोविंद नगर थाने में वार्ता 12 बजे।
- **संवाद :** भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा बैठक व संवाद हवेली बैकवेट हॉल में तीन बजे।

स्टंटबाज ने स्कूटी सवार छात्राओं को मारी टक्कर,एक की मौत, एक गंभीर

गंगा बैराज पर गुरुवार शाम सात बजे की घटना, शुक्लागंज से बैराज घूमने आई थीं छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुवार की शाम को गंगा बैराज पर 110 की स्पीड के ऊपर स्पोर्ट्स बाइक दौड़ा रहे दो स्टंटबाजों ने कोहराम मचा दिया। स्टंटबाजों ने वाहनों की आवाजाही के बीच अपनी-अपनी बाइकें दौड़ा दीं। इसी बीच सामने से आ रहीं स्कूटी सवार दो छात्राओं को एक बाइक सवार ने जबरदस्त टक्कर मार दी। इससे स्कूटी के परखचे उड़ गए। वहीं दोनों छात्राओं के जबड़े टूट गये , हाथ-पैर में फ्रैक्चर हो गया और दांत टूटकर सड़क पर बिखर गये। वहीं अस्पताल पहुचंने पर स्कूटी चला रही छात्रा को देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। एकलौती बेटी की मौत की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। टक्कर मारने के बाद बाइक चालक दूसरी बाइक पर बैठ कर भाग गया।

शुक्लागंज के सर्वोदयनगर निवासी मनीष गुप्ता होटल लैंडमार्क में शेफ हैं। मनीष की 23 वर्षीय बेटी भाविका गुप्ता डीएवी डिग्री कालेज से बीए अंतिम वर्ष की छात्रा और एनसीसी कैडेट भी थी। परिवार में मां कंचन और बड़ा भाई सोहेल है, जो जियो फाइवर में नौकरी करता है। चकेरी के सनिगवां निवासी चचेरे भाई अंकित गुप्ता ने बताया कि भाविका गुरुवार शाम सात बजे शुक्लागंज के ही ऋषिनगर की रहने वाली सहेली नेहा मिश्रा के साथ गंगा बैराज घूमने निकली थी।

गंगा बैराज पहुंचने से पहले अंधेरा होने के कारण दोनों ने लौटने का मन बनाया और टी-प्वाइंट से ही स्कूटी मोड़ दी। इसी बीच बिठूर की तरफ से दो स्पोर्ट्स बाइकों से रेस लगाते स्टंटबाज निकले। मोड़ पर ही स्टंटबाजों ने सामने से स्कूटी में सीधी टक्कर मार दी। इससे स्कूटी के परखचे उड़ गए और दोनों सहेलियां हवा में उछलकर बाइक के साथ दूर तक घिसटती चली गईं और चीख पुकार मच गई। अंकित ने बताया कि आसपास के दुकानदारों ने बताया कि बाइक की स्पीड 110 से अधिक थी। शाम का समय होने के कारण ट्रैफिक लोड भी था। इसके बाद भी दोनों स्टंटबाज फर्राटा भर रहे थे। भिड़ंत के बाद स्टंटबाज बाइक छोड़कर दूसरे साथी के साथ भाग निकला। सूचना पर पहुंची नवाबगंज पुलिस ने भाविका और नेहा को निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां पर डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए भर्ती करने से मना कर दिया। इस पर उन्हें हैलट पहुंचाया गया। वहां पर डॉक्टरों ने भाविका को मृत घोषित कर दिया।

वहीं नेहा का प्राथमिक इलाज कराने के बाद परिजन उसे प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। वहीं एकलौती बेटी की मौत की खबर सुनकर भाविका के परिजनों में कोहराम मच गया। पिता मनीष गुप्ता की तहरीर पर नवाबगंज पुलिस ने बाइक चालक बृजेश निषाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

भाविका गुप्ता।

पोस्टमार्टम हाउस में हादसे की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

- **दो बाइक सवार स्टंटबाजों ने 110 की स्पीड में दौड़ाई बाइक, हादसे के बाद युवक भागा**
- **स्कूटी के उड़े परखचे , छात्रा का चेहरा, जबड़ा, पसलियां और पैर की हड्डियां कई जगह से टूटीं**

दुर्घटनाग्रस्त खड़ी स्कूटी।

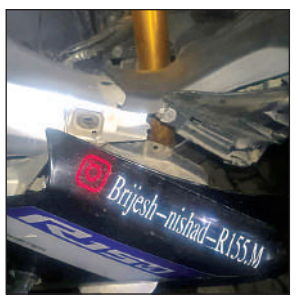

बाइक पर लिखी इंस्टाग्राम की आईडी।

इंस्टाग्राम पर डाली पोस्ट व कमेंट।

चौकी के सामने होता स्टंट आंखें मूंदे रहती पुलिस

अनदेखी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गंगा बैराज पर स्टंटबाजी करते हुए जान जोखिम में डलाकर रील बनाना कोई नई बात नहीं है। इस तरह के कारनामे गंगा बैराज ही नहीं शहर की तमाम अन्य सड़कों पर होते हुए आयेदिन देखे जा सकते हैं। मैगी प्वाइंट पर मारपीट और नशेबाजी भी गंगा बैराज पर अक्सर सुनने को मिलती रहती है। पुलिस चौकी के सामने स्टंटबाजी पुलिस की अनदेखी के चलते हो रही है। वहीं भाविका के परिजनों का कहना है कि पुलिस की अनदेखी से हादसा हुआ।

गंगा बैराज पर ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए ही दोनों तरफ पुलिस चौकी हैं। अटल घाट पर पिकेट बैठती है और सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस के पास पीआरवी का प्वाइंट है। बैराज के दूसरी तरफ भी पीआरवी का प्वाइंट है। तीसरा पीआरवी का प्वाइंट नवाबगंज की ओर से गंगा बैराज जाने पर मस्जिद चौराहा पर है। इस तरह गंगा बैराज व उसके आसपास करीब दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। इसके बाद भी ऐसी का घटनाओं होना पुलिस के इकबाल पर प्रश्नचिह्न है।

यातायात माह में रफ्तार बेलगाम

- तीन नवंबर से यातायात माह चल रहा है। पुलिस कर्मी लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इसके बाद भी बाइकों की 110 की स्पीड और दुर्घटनाएं पुलिस पर सवाल उठा रही हैं। हाईवे से गुजरने वाले वाहनों की भी इतनी रफ्तार नहीं होती होगी, जितनी स्पीड में स्टंटबाज ट्रैफिक लोड के बावजूद गंगाबैराज पर बाइकें दौड़ाते हैं।

स्टंटबाजी में हुए बड़े हादसे

- **27 अक्टूबर 2023-** नाबालिग कार सवारों ने मैगी दुकान में मारी टक्कर, दो मरे
- **11 अगस्त 2024-** अटलघाट के पास आरएसएस के नगर सेवा प्रमुख की मौत
- **12 मार्च 2025-** बैराज पर तेज रफ्तार पिकअप पलटी, दो महिला समेत तीन की मौत
- **6 जुलाई 2025-** गंगाबैराज पर रेस लगाते ठेकेदार की बाइक बिजली पोल से टकराई, मौत
- कुछ माह पहले में वीआईपी रोड पर स्टंट व रेस में तीन लोगों की जान गई। जिसमें एक रेस्टोरेंट कर्मी, एक रिक्शा चालक व एक अन्य व्यक्ति था।

सिटी ब्रीफ

युवती को घर में अकेला पाकर किया दुष्कर्म

कानपुर। जाजमऊ में युवती को घर में अकेला पाकर पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया। युवती की मां ने पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला के अनुसार आरोपी ने शिकायत पर जान की धमकी दी। पुलिस आरोपी को हिरासत में लिया है। जाजमऊ निवासी महिला के अनुसार वह अपने पति व 18 वर्षीय बेटी के साथ किराए के मकान में रहती हैं। महिला ने बताया कि वह और उसके पति टेनरी में काम करते हैं। पांच नवंबर की दोपहर को वह लोग टेनरी में थे। घर पर उनकी बेटी अकेली थी, तभी पड़ोसी युवक देवा कमरे में घुस आया और बेटी के साथ दुष्कर्म किया। शिकायत पर बेटी को जान की धमकी देकर भाग गया। शाम को जब माता-पिता काम से घर लौटे तो बेटी ने आपबीती बताई। जिसके बाद महिला ने जाजमऊ थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि दुष्कर्म के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता का मेडिकल कराकर कार्रवाई की जाएगी।

उम्मीद पोर्टल पर दर्ज हुई बड़ी करबला

कानपुर। सरकार के द्वारा वक़्फ़ प्रॉपर्टी की इंट्री के लिए बनाये गए उम्मीद पोर्टल पर नबाबगंज की बड़ी करबला शुक्रवार को इंट्री हो गई।

बैंक मैनेजर के घर चोरी में चार और गए जेल

धरे गये

कार्यालय संवाददाता , कानपुर

- **सितंबर माह में हुई थी 40 लाख की चोरी, तीन आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल**

अमृत विचार। रतनलाल नगर में बैंक मैनेजर के घर का ताला तोड़कर जेवर-नकदी समेत 40 लाख की चोरी में पुलिस ने दो ज्वैलर्स समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों के पास से सात चांदी के सिक्के और 51,290 रुपये बरामद हुए। घटना में दो मुख्य आरोपी समेत तीन लोग पहले ही जेल जा चुके हैं।

गोविंदनगर के रतनलाल नगर निवासी इंदरप्रीत चावला इंडसइंड बैंक में मैनेजर हैं। सात सितंबर को उनकी बेटी अहाना का जन्मदिन था। इसलिए वह पार्टी मानने पत्नी डाली और बेटी, बहन नैना, मां अमरप्रीत और मामा दलजीत सिंह के साथ घर में ताला लगाकर रेस्टोरेंट गए थे। रात डेढ़ बजे घर लौटे तो मुख्य गेट का ताला खोलते ही अंदर से आहट सुनाई दी। देखा तो कमरे से निकलकर दो चोर पीछे के मकान की छत की ओर भाग रहे हैं। चोर उनकी मां अमरजीत के कमरे का ताला तोड़कर अलमारी में रखे 40 हजार रुपये नकद और करीब 40 लाख से ज्यादा के जेवर ले गए थे।

थाना प्रभारी रिकेश सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से घटना का खुलासा कर आरोपी छोटू उर्फ करिया और बब्बी उर्फ कुलदीप को जेल भेजा गया था। पूछताछ में छोटू ने चोरी का सामान सौतेले पिता धर्मेंद्र के पास होने की जानकारी दी थी। उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उससे पूछताछ में मौदाह के हुसैनगंज निवासी सम्सुद्दीन के जरिए उपरौंस कस्बा के धर्मेंद्र कुमार सोनी और कजियाना के मूलचंद्र सोनी को बेचने व कुछ सामान छोटू के भाई औरैया के नौगवां कंचौसी के जितेंद्र उर्फ लल्ला के ले जाने की जानकारी दी थी। इसके बाद सभी की तलाश की जा रही थी। गुरुवार को चारों आरोपियों के दबौली गांव में होने की जानकारी मिली, जिस पर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बीएलओ एसआईआर में जुटे तो कहीं बिना प्रपत्र काम शुरू नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अपने शहर में 4 नवंबर 2025 से एसआईआर (मतदाता सूची का शुद्धिकरण) का काम शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक सारे बीएलओ फील्ड पर नहीं आए हैं। क्योंकि अधिकांश बीएलओ को जिला निर्वाचन कार्यालय से मिलने वाले प्रपत्र समेत अन्य अभिलेख प्राप्त नहीं हुए हैं।

कानपुर नगर के घंटाघर स्थित सुतरखाना में बीएलओ ने घर-घर जाकर अपना काम शुरू कर दिया है। वहीं चमनगंज स्थित रशीद बनिया चौराहा समेत कई अन्य क्षेत्रों में भी बीएलओ ने घर घर संपर्क करना शुरू कर दिया है। लेकिन कई ऐसे क्षेत्र भी हैं,जहां पर बीएलओ ने अभी तक संपर्क करना शुरू ही नहीं किया है। उसका कारण यह बताया जा रहा कि अभी उन्हें प्रपत्र व आवश्यक सामग्री मिली ही नहीं है। महानगर के पोलिंग सेंटरों पर बीएलओ का नाम व पता अंकित होने की बात की गई है ताकि बीएलओ से संपर्क करने में मतदाता को कोई दिक्कत न आए। लेकिन उसके बावजूद कई ऐसे पोलिंग स्टेशन हैं, जहां पर किसी बीएलओ का मोबाइल नंबर ही नहीं दर्ज है। कुलीबाजार, चमनगंज का बड़ा भाग, बेकनगंज, फहीमाबाद, भन्नानापुरवा समेत सैकड़ों ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हजारों लोग इस इंतजार में हैं कि उनके घर बीएलओ आएंगे और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ब्येरा ले जाएंगे लेकिन अभी कई क्षेत्रों में बीएलओ ने संपर्क नहीं किया है।

सुतरखाना में एसआईआर कार्य करते बीएलओ। अमृत विचार

जुमा की नमाज में बीएलओ के सहयोग की अपील

- जुमा की नमाज में मस्जिदों से ये गुजारिश की गई कि लोग अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क करें और उनके द्वारा शुद्ध की जा रही मतदाता सूची में अपना नाम अंकित कराएं। जामा मस्जिद आयशा में शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने जुमा की नमाज में लोगों से इस कार्य में जुटने को कहा। इसी प्रकार जमीअत उलमा के प्रदेश महासचिव मौलाना अब्दुल्लाह कासमी ने भी अशरफाबाद मस्जिद जाजमऊ में जुमा की नमाज में लोगों से एसआईआर में सहयोग के लिए कहा। उधर बासमंडी में मौलाना हाफिज अब्दुरहीम बहराइची ने जुमा की नमाज में एसआईआर की जानकारी दी और इस कार्य में जुटने की अपील की।

हॉस्टल में फांसी लगा कर छात्र ने दी जान

संवाददाता कल्याणपुर

- **नीट की तैयारी कर रहा था छात्र रामपुर जिले का रहने वाला था**
- **रूम पार्टनर के बाहर जाते ही लगा ली फांसी, सुसाइड नोट बरामद**

अमृत विचार। मैं अपनी जिंदगी से परेशान हो गया हूं। इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। घर वाले खुश रहे, मरने के बाद मैं भी खुश रहूंगा। यह लाइनें सुसाइड नोट में लिखकर नीट की तैयारी करने वाले छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस व फील्ड यूनिट टीम ने घटनास्थल पर जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूलरूप से रामपुर के मिलख भवरका गांव निवासी मोहम्मद ओआन का 20 वर्षीय बेटा नजीर अहमद रावतपुर के हितकारीनगर स्थित हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। उसके रूम पार्टनर इमदाद हसन ने बताया कि शुक्रवार दोपहर वह अपना मोबाइल कमरे में छोड़कर नमाज पढ़ने गया था। वापस लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया। इस पर नजीर को कई आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस पर हॉस्टल के अन्य छात्र भी पहुंच गए। सभी ने फोन मिलाया, लेकिन उसका उठा फोन नहीं। इस पर दूसरी मंजिल पर रह रहे छात्रों ने जब छत के जाल से दरवाजे के रोशनदान में छांककर देखा, तो नजीर का शव लूंगी के सहारे पंखे से लटकता दिखा। हॉस्टल संचालक शाहनवाज की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। मौके से मिले सुसाइड नोट व छात्र के मोबाइल को कब्जे में लेकर पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। एसीपी कल्याणपुर रंजीत सिंह ने बताया कि छात्र के मोबाइल को लेकर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर से लौटने के बाद गुमसुम था नजीर

- हॉस्टल में रहने वाले उसके दोस्तों के अनुसार नजीर तीन दिन पहले ही वहां रहने आया था। आने के बाद से ही वह अकेले में समय बिताता था। गुमसुम रहता और किसी से बात भी नहीं करता था।

केमिकल वाली नदी गंगा...

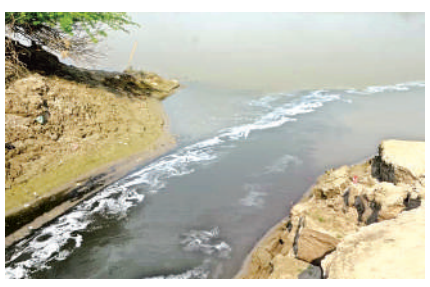

कानपुर में जाजमऊ क्षेत्र में स्थित चर्म शोधनशाला से निकला तेजाब युक्त रासायनिक अपशिष्ट डपकेश्वर घाट पर केमिकल नदी का स्वरूप लेकर गंगा नदी में पहुंच रहा है और गंगा नदी को प्रदूषित कर रहा है। गंगा नदी के जल की स्वच्छता के लिए वर्ष 2014 में भारत सरकार ने नमामि गंगे परियोजना की शुरूआत की थी। इसके तहत नालों को बंद करके टेनरी तथा सीवर का दूषित पानी गंगा नदी में जाने से रोका जाना था। लगभग 11 वर्षों में इस नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत अरबों रुपये खर्च किए गए लेकिन आज भी टेनरी से निकलने वाला केमिकल तथा सीवर का पानी नाले से होकर गंगा नदी में जा रहा है। जो गंगा नदी के जल को प्रदूषित कर विषैला बना रहा है। ● – मनोज तिवारी।

यादों में इंदर साथ बड़ा प्रोडक्शन हाउस खोलना चाहती थीं, कानपुर की मलाई गिलौरी व चाट पसंद थी, बाइक पर मोतीझील, मॉल रोड घूमती थीं

इंदर के लिए दौड़ी चली आती थीं सुलक्षणा पंडित . . .

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। मशहूर फ़िल्म अभिनेत्री एवं पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित का कानपुर से भी नाता था । उनकी दोस्ती इटावा बाज़ार (बंगाली मोहाल से सटा मोहल्ला) निवासी इंदर अवस्थी से थी, जो किसी ज़माने में फिल्मों में किस्मत आज़माने मुंबई गए थे।

बेहद खूबसूरत इंदर से मुंबई में मुलाक़ात के बाद सुलक्षणा उनके व्यवहार, व्यक्तित्व और प्रतिभा की मुरीद हो गईं थीं । उस दौर में सुपरहिट अभिनेत्रियों में शुमार सुलक्षणा ने उन्हें अपने परिवार से मिलवाया और फिर उन्हें तराशना शुरू किया । संजीव कुमार की न से टूटीं सुलक्षणा इंदर को पसंद करने लगी थीं । इंदर को परितिथितियों के फेर में वापस कानपुर लौटना पड़ा और फिर वह कारोबार में व्यस्त हो गए और घर बसा लिया । लेकिन सुलक्षणा और उनके पूरे परिवार से उनके मधुर संबंध बने रहे। उन्हें जब भी याद किया जाता वह यहां आ जाती थीं । उनकी इंदर से नजदीकी इससे समझी जा सकती है कि वह इंदर की ससुराल पटना भी गई थीं ।

इंदर बताते हैं कि सुलक्षणा यहां कई बार आईं । कभी मेघदूत तो कभी यूनियन क्लब में ठहरतीं थीं ।

वह उनके साथ बुलेट बाइक में शहर घूमतीं और शहर की रौनक देखती थीं। बिरहाना रोड के अग्रवाल स्वीट हाउस की मलाई गिलौरी और चाट उन्हें बेहद पसंद थी । वे 1976 में अरमापुर सुलक्षणा पंडित नाइट में कार्यक्रम पेश करने आई थीं । उन्हें देखने और सुनने को भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी । इंदर ने बताया कि अभी पांच साल पहले ही उनसे मुंबई में मुलाक़ात हुई थी । उनके भाई ललित -जतिन और बहन भी साथ में थीं। हम सब प्रोडक्शन हाउस प्लान कर रहे थे, लेकिन तभी कोविड आ गया और योजना टल गई।

उन्होंने बताया कि हमारे उनसे पारिवारिक ताल्लुकात थे और फ़ोन पर अक्सर बातचीत होती रहती थी। हम उन्हें श्रद्धांजलि देने मुंबई जाएंगे।

इंदर के साथ मौजूद सुलक्षणा पंडित।

ऐसा गिरी कि फिर उठ नहीं सकीं

- सुलक्षणा के अंतिम दिन बेहद कष्ट में बीते। वह एक छोटे फ्लैट में रहती थीं और बाथरूम में गिरने से उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई थी । वहीं बीते दिन हार्टअटैक से उनका निधन हो गया। लोगों का कहना कि वे गिरी तो फिर उठ न सकीं। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है।

कई फिल्में रहीं सुपरहिट

- सुलक्षणा पंडित की उलझन, खानदान, संकोच, चलते चलते, अपनापन, गृह प्रवेश, स्पर्श और थोड़ी सी बेवफाई जैसी कई फ़िल्में हिट रहीं । उन्होंने राजेश खन्ना, जितेंद्र, शशि कपूर, संजीव कुमार सहित तमाम बड़े स्टार के साथ काम किया । किशोर कुमार और मोहम्मद रफ़ी सहित कई गायकों के साथ लाइव शो भी किए। वह महान गायक संगीतकार जसराज की भतीजी थीं ।

सिटी ब्रीफ

युवक पर चाकू से किया हमला

कानपुर। चकेरी के रामादेवी चौराहा के पास दबंग ने पुराने विवाद में युवक को मारापीटा व चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जाजमऊ के जेके कालोनी निवासी आदित्य के अनुसार पांच नवंबर को वह रामादेवी चौराहा सब्जी लेने के लिए गए थे। तभी पुराने विवाद को लेकर इलाके के अमूल्य निधि रस्तोगी ने उन्हें रोक लिया और पीटने के बाद चाकू से हमला कर घायल कर दिया। खबर पाकर पहुंचे परिजन उसे अस्पताल ले गए और चकेरी थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी चकेरी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

मतदान केंद्रों पर दाखिल होंगे सुझाव

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में शुक्रवार को चुनाव रणनीति टीम की बैठक हुई, नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने जिला निर्वाचन अधिकारी का मतदान केंद्रों पर संशोधन सुझाव का पत्र टीम को पढ़कर सुनाया। पांचों विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्षों को प्रशासन की बैठक का पत्र जारी करते हुए कहा कि रणनीति टीम मतदान केंद्रों का सर्वेक्षण कर 10 नवंबर को दिन में तीन बजे 1607 बूथों के 342 मतदान केंद्रों के दो दर्जन से अधिक मतदान केंद्रों पर आपत्ति के साथ सुझाव दाखिल करेंगे।

दरोगा की वर्दी पहनकर घूम रहा होमगार्ड

कानपुर। नौबस्ता के गल्ला मंडी स्थित एक घर में दरोगा की वर्दी पहनकर होमगार्ड नोटिस चस्पा करने पहुंच गया। वहां घर पर मौजूद महिला ने होमगार्ड पर अभद्रता का आरोप लगाया है। लिखित शिकायत मिलने पर डीसीपी दक्षिण ने जांच शुरू कराई है। केडीए कालोनी गल्ला मंडी निवासी सुनीता चाय की दुकान चलाती हैं। महिला के अनुसार काफी समय पहले उनके मकान में विनोद यादव किराएदार था। किसी मामले में नौबस्ता पुलिस ने उसे जेल भेजा था। जेल से आने के बाद वह कमरा खाली करके चला गया। महिला के अनुसार अब वह कहां रह रहा है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। बीती छह नंवबर को एक होमगार्ड दरोगा की वर्दी पहनकर उनके घर आया और उसने उनसे अभद्रता की। बाद में नोटिस चस्पा करके चला गया। पीड़िता ने बताया कि दरोगा के बारे में जानकारी की तो पता चला कि हंसपुरम चौकी में वह होमगार्ड है और दरोगा की वर्दी पहनकर घूमता व वसूली करता है। नौबस्ता थाना प्रभारी ने बताया कि डीसीपी दक्षिण के आदेश पर जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वह पीआरडी जवान है। वर्दी पहनकर लोगों पर धौंस जमाता है। जांच के बाद रिपोर्ट डीसीपी को दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन भवन में पकड़ी गड़बड़ी, जांच टीम गठित

शोध विकास व प्रशिक्षण संस्थान के निर्माणाधीन भवन में मिलीं अनियमितताएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

आईआरडीटी परिसर में निर्माणाधीन भवन निर्माण का सर्वे करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

- जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे निर्माण का औचक निरीक्षण किया
- कई पिलरों का इनलाइनमेंट गड़बड़, कुछ स्थानों पर प्लास्टर उखड़ा

अमृत विचार। शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईआरडीटी) परिसर में 988.57 लाख रुपये की लागत से बन रहे 24 कक्षीय अतिथि गृह और छात्रावास परियोजना के निर्माण में जिलाधिकारी ने गोलमाल पकड़ा है। डीएम ने नाराजगी जताते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है।

शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे निर्माण का औचक निरीक्षण किया और परिसर में निर्माणाधीन भवन निर्माण परियोजना की खामियों पर कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को कई पिलरों का इनलाइनमेंट गड़बड़ मिला, जबकि कुछ स्थानों पर प्लास्टर उखड़ा दिखा। डीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि इतनी बड़ी राशि की परियोजना में इस प्रकार की लापरवाही किसी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। जांच में सामने आया कि किसी भी अधिशासी अभियंता या वरिष्ठ अधिकारी ने महीनों से निर्माण स्थल का पर्यवेक्षण नहीं किया है। अभिलेखों के अनुसार 1 जुलाई 2025 से अब तक केवल जूनियर अभियंता अंकित दीक्षित द्वारा पांच तिथियों पर निरीक्षण दर्ज है। जिलाधिकारी ने इसे अत्यंत गंभीर चूक बताते हुए संस्थान के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर जिम्मेदारी तय कराने और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आईआरडीटी के निदेशक फजल रहमान को भी पत्र लिखकर भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबन्ध में शासन को अवगत कराने का निर्देश दिया।

30 सितंबर 2025 तक पूर्ण होनी थी परियोजना: शासन द्वारा 26 सितंबर 2024 को स्वीकृत यह परियोजना 10 मार्च 2024 को प्रारंभ हुई थी और इसे 30 सितंबर 2025 तक पूर्ण होना था, लेकिन निरीक्षण में निर्माण कार्य तय समयसीमा से काफी पीछे मिला। मुख्य भवन, वाणिज्यिक ब्लॉक, कैंटीन और छात्रावास की प्रगति अपेक्षित स्तर से कम पाई गई। मुख्य भवन में 471.80 वर्ग मीटर, वाणिज्यिक ब्लॉक में 172 वर्ग मीटर तथा सोलर रूफ का 84.90 वर्ग मीटर कार्य अभी तक अधूरा है।

हिस्ट्रीशीटर के घर पर नहीं मिला कोई

कानपुर। बर्रा में युवक की पिटाई और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के एक दिन बाद भी पुलिस पिटे युवक और न ही पीटने वालों का पता लगा सकी है। वहीं डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। बर्रा पुलिस शुक्रवार को उक्त हिस्ट्रीशीटर के घर पहुंची, लेकिन वहां कोई नहीं मिला।

सोशल मीडिया पर गुरुवार को करीब सात वीडियो वायरल हुए थे हालांकि अमृत विचार इन वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जिसमें हिस्ट्रीशीटर के साथी एक युवक को बेरहमी से पीटते नजर आए। पहले धमकाया, फिर पीटा, दीवार में सिर लड़ाया। सीने पर पैर रखकर गला दबाने का प्रयास किया। बेहाशी की हालत में भी मारा, बनियान से उसका गला कसने का प्रयास किया। पीटने वाला हिस्ट्रीशीटर का नाम भी ले रहा था। कमरे में मौजूद हिस्ट्रीशीटर का दोस्त वीडियो बना रहा था। फिर एक 54 सेकेंड का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें युवक वीडियो पुराना होने की बात कह रहा है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि वीडियो में बर्रा के जिस हिस्ट्रीशीटर का आरोपी नाम ले रहे हैं, उसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। फिलहात उसका पता नहीं चल सका। पिटने वाले युवक के बारे में भी कोई जानकारी नहीं हो सकी है। कार्रवाई होगी।

पनकी प्लांट में निरीक्षण करते प्रबंध निदेशक मयूर महेश्वरी व साथ में मुख्यालय टीम।

बीएचईएल अधूरे कार्य जल्द पूरे करे : एमडी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने पनकी प्लांट का किया निरीक्षण

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मयूर महेश्वरी (आईएएस) शुक्रवार को पनकी पॉवर प्लांट पहुंचे, यहां पर उन्होंने पनकी तापीय विस्तार परियोजना का गहनता से निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था बीएचईएल द्वारा अभी तक कार्य पूरे नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई और अधूरे कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश दिए।

प्रबंध निदेशक मयूर महेश्वरी ने पनकी पॉवर प्लांट में 400 केवी स्विचयार्ड व एडमिन बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इसके बाद यहां पर उन्होंने उत्पादन निगम व बीएचईएल के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्बाध विद्युत उत्पादन किये जाने के निर्देश दिये। भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के हर घर बिजली के सपने को साकार किये जाने की दिशा में परियोजना को सीएमसी मोड व न्यूनतम ट्रिपिंग पर चलाये रखने की प्रशंसा की। साथ ही पनकी परियोजना को भविष्य में रोल मॉडल बनाये जाने के लिए उत्पादन निगम के सभी अधिकारी व कर्मचारी से सच्ची निष्ठा ओर लगन की अपेक्षा की। समीक्षा बैठक में टीटीपी प्लांट को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किये जाने की सम्भावना के साथ पर्यावरणीय संतुलन, परियोजना की निवारक और सही से रखरखाव किये जाने के सुझाव दिये। वहीं, ईआरपी के सभी मॉडयूल लागू करने और पीएम मॉडयूल व स्टोर मैनेजमेन्ट लागू करने के निर्देश दिए।

कानपुर सेंट्रल से झांसी के मध्य ट्रेनों का समय बदलेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल से झांसी के मध्य आटोमेटिक स्वचालित सिग्नलिंग से संबन्धित कार्य के कारण कई गाड़ियों के समय में परिवर्तन किया गया है। ये जानकारी उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने दी।

गाड़ी संख्या 14110 कानपुर सेंट्रल से चित्रकूट को 10 नवंबर को गोविंदपुरी से 15 मिनट लेट रवाना किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 12597 गोरखपुर से सीसीएस मुंबई 11 नवंबर को 80 मिनट लखनऊ-कानपुर के मध्य देरी से चलेगी।

गाड़ी संख्या 15109 छपरा-मथुरा को लखनऊ-कानपुर के मध्य 12 व 14 नवंबर को 80 मिनट लेट रहेगी।

◦ गाड़ी संख्या 15065 गोरखपुर-पनवेल को लखनऊ-कानपर के बीच 11,13 व 14 नवंबर को 45 मिनट लेट रहेगी।

◦ गाड़ी संख्या 12875 पुरी-आनंद विहार को लखनऊ कानपुर के मध्य 12 व 15 नवंबर को 90 मिनट लेट रहेगी।

◦ गाड़ी संख्या 15067 गोरखपुर-बांद्रा 12 नवंबर को लखनऊ-कानपुर के बीच 45 मिनट लेट चलेगी।

◦ गाडी संख्या 54155 कानपुर सेंट्रल से फर्रुखाबाद 11 व 15 नवंबर को 90 मिनट देरी से चलेगी।

◦ गाड़ी संख्या 64646 कानपुर सेंट्रल से खजुराहो 11 व 13 नवंबर को 45 मिनट देरी से चलेगी।

अब ग्राम पंचायत व वीडीओ की होगी ऑनलाइन हाजिरी

कानपुर। कानपुर में ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों के लिए ऑन लाइन हाजिरी की व्यवस्था की जा रही है। अब उत्तर प्रदेश सराकार ने अधिकारियों की हाजिरी ऑन लाइन अनिवार्य कर दी है।

इस संबंध में शासन ने ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था करने के लिए निदेशक पंचायती राज विभाग एवं आयुक्त ग्राम विकास विभाग को पत्र लिखा है। विकास भवन में जिला पंयाचत राज अधिकारी मनोज कुमार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। शासनादेश में कहा गया है कि ऑन लाइन हाजिरी की व्यवस्था लागू करके शासन को भी इससे अवगत करा दें। इस व्यवस्था के लागू होने पर इन्हें प्रत्येक कार्यदिवस पर तैनाती वाले ग्राम पंचायत में जाना पड़ेगा क्योंकि ऑन लाइन हाजिरी लगाने की व्यवस्था ग्राम पंचायत भवनों (सचिवालय) में ही रहेंगी।

कैंट क्षेत्र में खराब खड़ा डंपर। अमृत विचार

कैंट क्षेत्र में लगा भीषण जाम। अमृत विचार

कैंट क्षेत्र में डंपर खराब होने से लगा भीषण जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक्सप्रेस रोड, घंटाघर से टाटमिल, लाटूश रोड, मूलगंज, वीआईपी रोड पर लोग हुए परेशान
- स्कूलों में छुट्टी होने के समय लगे जाम से समस्या और भीषण हो गई, घंटों लोग जाम में फंसे रहे

अमृत विचार। कैंट क्षेत्र में एक डंपर के खराब होने के कारण भीषण जाम लग गया। इसके चलते हजारों लोग घंटों परेशान रहे। वहीं एक्सप्रेस रोड, घंटाघर से टाटमिल, लाटूश रोड, मूलगंज, वीआईपी रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों में ई रिक्शों की अराजकता की वजह से जाम लगा रहा।

शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजे गिट्टी लादकर जा रहा एक डंपर कैंट ऐरिया में पंडित होटल के आगे अचानक खराब हो गया। सड़क पर गिट्टी बिखर गई, जिसके चलते मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। इसी दौरान कई स्कूलों में भी छुट्टी हुई थी, जिसके चलते लंबा जाम लग गया। इसी प्रकार देर शाम मेस्टन रोड, बजरिया, हर्ष नगर, लाटूशरोड, घंटाघर, टाटमिल चौराहा, झकरकटी पुल, डिप्टी पड़ाव समेत कई क्षेत्रों में ई रिक्शों की अराजकता से जाम की स्थिति बन गई।

तलाक महल से रूपम चौराहा तक ई रिक्शों के कारण घंटों लोग जाम में फंसे रहे। रहमानी मार्केट के आगे आधी सड़क तक दो पहिया वाहनों के खड़े होने के कारण लोग जाम में फंसे रहे।

जलकल के 18 अधिकारी कर्मचारी मिले गैर हाजिर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

महापौर प्रमिला पांडेय ने किया निरीक्षण।

अमृत विचार। महापौर प्रमिला पांडेय ने बेनाझाबर स्थित जलकल विभाग के मुख्य कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान 18 अधिकारी एवं कर्मचारी गायब मिले। जिनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

निरीक्षण में अधिकारी अभियंता जोन 4 ईश्वर सिंह, लेखा विभाग, सचिव कार्यालय तथा कार्यालय जोन-4 व 6 में तैनात 03 वरिष्ठ लिपिक, 04 कनिष्ठलिपिक, 09 बेलदार एवं 01 सफाई कर्मचारी समेत 18 अधिकारी, कर्मचारी अनुपस्थित मिले।

चित्रकला प्रतियोगिता में यूपीएस बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा से चित्रकला प्रतियोगिता में देश का परचम विदेश में भी लहरा दिया। उनकी इस सफलता से सभी लोग गदगद हैं।

'ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता जापान ऑन कैनवास' का आयोजन जापान द्वारा किया गया था। इस प्रतियोगिता में देश-विदेश में सैकड़ों चित्रकला प्रेमियों ने प्रतिभाग किया था। निर्णायक मंडल ने बड़ी ही सूक्ष्म, विशिष्ट कला पद्धति का प्रयोग करते हुए विजेताओं का चयन किया। जिसमें यूनाइटेड पब्लिक स्कूल की छात्रा यलीना रिजवान को 'कैटेगरी-सी' में 'एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

विद्यालय की ही एक और छात्रा नन्दिनी गुप्ता को 'कैटेगरी-ए' में 'आउट स्टैंडिंग' अवार्ड से सम्मानित किया गया। छात्राओं के इस प्रदर्शन से विद्यालय के चेयरमैन डॉ इंद्रमोहन रोहतगी, महासचिव रोचक रोहतगी, डायरेक्टर डॉ नमिता माधुर और प्रधानाचार्या ज्योति दास ने विजेताओं को बधाई दी।

विजेता छात्राओं के साथ मौजूद शिक्षक। अमृत विचार

स्टेशन पर मेडिकल कालेज के डॉक्टर की पत्नी से मारपीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सेंट्रल स्टेशन पर मेडिकल कालेज के एक डॉक्टर की पत्नी से मारपीट की गई है।

लखनऊ स्थित हुसैनगंज निवासी प्रियंका शर्मा ने जीआरपी थाना में तहरीर दिया है कि शुक्रवार को गाड़ी संख्या 12173 इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोच नंबर 13 में आरक्षण कोच में यात्रा कर रही थी। तहरीर के मुताबिक उनके बगल में दो सीट खाली थी। एक सीट पर पुरुष और दूसरी पर महिला आकर बैठ गई हालांकि उन दोनों का आरक्षण नहीं था। आरोप के मुताबिक महिला के बैठने से दिक्कत हो रही थी तो पीड़ित ने उक्त महिला को टोका कि ठीक से बैठें। इसके बाद सेंट्रल स्टेशन पर जब गाड़ी रुकी और पीड़िता उतरने लगीं तो उक्त महिला ने मारपीट शुरू कर दी।

इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह का कहना है कि डॉक्टर की पत्नी की ओर से हमलावर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पहल | पुलिस ने तीन दर्जन चौराहों पर मिशन शक्ति के तहत लगाई पैनिक बटन

अब पैनिक बटन से मिलेगी मदद, तत्काल पहुंचेगी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अगर कोई शोहदा आपको परेशान कर रहा है। अगर आपके साथ लूट हो गई या आपके साथ किसी भी प्रकार की कोई आपराधिक वारदात हो गई है और आपके पास फोन भी नहीं है तो अब आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। आप अपने आसपास के चौराहे पर लगी आपातकालीन सहायता के लिये पैनिक बटन से पुलिस बुला सकते हैं। इस बटन की मदद पुरुष भी ले सकते हैं।

अपराधियों पर नकेल कसने के लिये पुलिस ने कमर कस ली है। इसके तहत अशोक नगर चौराहा, बगाही चौकी तिराहा, बाकरगंज चौराहा समेत शहर के तीन दर्जन से अधिक चौराहों पर आपातकालीन सहायता के लिये पैनिक बटन लगाए गए हैं। साथ ही ऐसे स्थल जहां पूर्व में लगे पैनिक बटन जो काम नहीं कर रहे हैं उन्हें भी दुरुस्त भी कराया जा रहा है।

इनकी स्थापना मिशन शक्ति के तहत की गई है। थाने, पुलिस चौकियों के पास या पीआरवी प्वाइंट या पिकेट प्वाइंट के पास बटन लगाए गए हैं ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उनका उपयोग हो सके और पुलिस समय से पहुंचकर मदद कर सके।

इन चौराहों पर दी गई सुविधा

- जनता नगर तिराहा, कबाड़ी चौराहा, खोया मंडी तिराहा, बांस मंडी चौराहा, भाटिया तिराहा, बीएमसी हॉस्पिटल, सीटीआई तिराहा, हरबंश राय चौक, चेन फैक्ट्री चौराहा, गोपाला तिराहा, राजीव पेट्रोल पंप चौराहा, राम बाग चौराहा, केएमसी जोन-4, एमआईजी तिराहा, मिलिट्री कैंप चौराहा, नमक फैक्ट्रीचौराहा, नंद लाल चौराहा, रायपुरवा, चार खंभा चौराहा, टाट मिल चौराहा, कोका कोला, घंटाघर जंक्शन, चंद्रिका देवी मंदिर चौराहा, सेल्स टैक्स चौराहा, बगिया क्रॉसिंग, बिठूर रोड तिराहा, आईआईटी गेट तिराहा, संगीत टाकीज तिराहा, शनिदेव मंदिर तिराहा, सिल्वर्टन तिराहा, स्वरूप नगर चौराहा टू, जरीब चौकी, मैनावती मार्ग तिराहा पर यह सुविधा दी गई है।

जल्द ही यहां भी चालू होगी बटन सुविधा

- लाल इमली चौराहा, गोल चौराहा(मेट्रो की वजह से), कंपनी बाग चौराहा, शास्त्री नगर गल्ला मंडी, विजय नगर फल मंडी तिराहा, राम गोपाल चौराहा, फायर सर्विस विजय नगर, सिंहपुर मोड़, गुरुदेव पैलेस चौराहा, गौशाला पहला और दूसरा चौराहा पर यह सुविधा फिलहाल बंद चल रही है जल्द ही उन्हें पुलिस इन्हें दुरुस्त करा कर चालू कराने की तैयारी कर रही है।

फंदे पर लटका मिला महिला का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रीति। अमृत विचार

अमृत विचार। बर्रा में प्रेम विवाह के तीन साल बाद महिला का शव फंदे से लटका मिला। पति डेढ़ वर्षीय मासूम बेटे व पत्नी का शव छोड़कर भाग निकला। खबर पाकर पहुंचीं महिला की मां व भाइयों ने शराबी पति पर पीटकर फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि दामाद फिर अपनी पहली पत्नी के साथ रहना चाहता था, इसलिए बेटी की हत्या की है। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा, कहा तहरीर के आधार पर कार्रवाई होगी।

मूलरूप से बिहार के भगवंतनगर निवासी 25 वर्षीय प्रीति ने तीन साल पहले फतेहपुर के ढोकहा के रहने वाले अजय सिंह से प्रेम विवाह किया था। जिससे उसके एक बेटा युवराज है। मां रामदेवी ने बताया कि अजय ने पहली पत्नी अंजली को छोड़कर उनकी बेटी प्रीति से शादी की थी। प्रीति की भी यह दूसरी शादी थी। शादी के बाद अजय साकेतनगर में स्थित गैराज पर काम करने लगा था और विश्व बैंक बर्रा में किराए पर रहता था। शादी के कुछ दिन बाद बेटी ने बताया कि अजय शराब पीकर मारपीट करता है। उसकी मां उस पर दबाव बनाती है कि प्रीति को भगा दो। इसके बाद अजय की दूसरी पत्नी उसके संपर्क में आ गई। अजय भी उसके साथ घूमने लगा और साथ रहना चाहता था। पहली पत्नी के आने के बाद अजय प्रीति से आएदिन मारपीट करने लगा।

रामदेवी का आरोप है कि अजय ने बेटी को पीटने के बाद फंदे पर लटकाया है। इसके बाद फरार हो गया। जब वह लोग पहुंचे तो बेटा मकान मालिक के यहां सोते मिला है। सिर्फ पुलिसकर्मी मौजूद थे। बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार कर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी। अजय की तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

युवाओं के लिए हेल्प डेस्क

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 11 से कार्यालय में हेल्प डेस्क आयोजित की जाएगी। इस हेल्प डेस्क में युवाओं के आवेदन संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हेल्प डेस्क में विभाग के दो अधिकारी मौजूद रहेंगे। यह युवाओं को नए ऑनलाइन आवेदन भरे जाने संबंधी जानकारियां भी प्रदान करेंगे। इसके अलावा अधिकारी युवाओं को ऑनलाइन आवेदन भरने में सहायता भी करेंगे।

दो दिन रहेगी तेज धूप

कानपुर। शहर में सोमवार तक तेज धूप निकलेगी। सीएसए विवि के मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि इसके बावजूद दिन व रात में हवा में ठंडक बनी रहेगी। ऐसे में तापमान औसत रहने की संभावना है। सीएसए विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। इसी तरह न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नई तकनीक के बारे में बताया

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विवि कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट हीलिंग हैण्ड्स एडूसॉल हिसार डॉ. सचिन कुमार ने 'बेसिक लेवल ट्रिगर पॉइंट ड्राई नीडलिंग' विषय पर विचार व्यक्त किए। कहा कि ट्रिगर पॉइंट ड्राई नीडलिंग एक आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीक है। जो मांसपेशियों में दर्द और तनाव को दूर करने में मदद करती है। यह तकनीक फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा उपयोग की जाती है। जिससे मरीजों को दर्द से मुक्ति मिल सके। यह तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है।

डॉक्टरों की कमी की वजह से मरीज करते हैं इंतजार

उत्तर प्रदेश सर्जन्स एसोसिएशन के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में पहुंचे डॉक्टर, बताया भारत में एक डॉक्टर पर 1700 मरीजों का लोड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 17 देशों में वर्तमान में डॉक्टरों की कमी है। इन देशों में एक डॉक्टर पर एक हजार मरीजों का लोड है, लेकिन भारत में इन 17 देशों के मुकाबले डॉक्टरों पर इससे ज्यादा लोड है। भारत में एक डॉक्टर पर 1700 मरीजों को लोड है, इस वजह से अस्पतालों में मरीजों को परामर्श, इलाज व जांच में वक्त लगता है। इस वजह से तमाम मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस समस्या के समाधान के लिए एसोसिएशन अपने स्तर से कार्य करेगी। यह जानकारी उप्र. सर्जन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.प्रवीन सूर्यवंशी ने दी।

बिठूर स्थित ब्लू वर्ल्ड कैसल होटल में शुक्रवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग ने उत्तर प्रदेश सर्जन्स एसोसिएशन (यूपीएएसआई) का स्वर्ण जयंती सम्मेलन यूपीएएसआईकॉन-2025 का आयोजन किया, जिसमे देश भर से आए एक हजार से अधिक वरिष्ठ व युवा सर्जनों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन का उद्देश्य नवीन तकनीकी प्रगति, शोध एवं पारंपरिक सर्जिकल कौशल के समन्वय पर चर्चा करना है। उप्र सर्जन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.प्रवीन सूर्यवंशी ने बताया कि हाइवे में होने वाले सड़क हादसों में घायल लोगों की जान बचाने के लिए एसोसिएशन एक अभियान का संचालन करेगी, जिसके तहत हाइवे किनारे रहने वाले लोगों को घायलों की जान बचाने के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वह प्राथमिक उपचार देकर खून की रिसाव बंद कर गोल्डन आवर से पहले से मरीज को अस्पताल पहुंचा सके। यह अभियान मुंबई-नागपुर हाइवे पर चलाया गया है, जिसके परिणाम सार्थक आए हैं। वही, एसोसिएशन डीजीएएसआईएफ नाम से एक एप भी लांच करेगी, जिसमे सर्जन अपनी सर्जरी का डाटा अपडेट करेंगे। उन्होंने बताया कि अब अमेरिका के स्तर का इलाज भारत में भी होने लगा है, लेकिन इसका लाभ केवल शहरी लोगों को मिल रहा है, जबकि ग्रामीणों को इसका अधिक लाभ मिल नहीं पा रहा है। एसोसिएशन इस गैप को भी भरने का कार्य करेगी।

रोबोट देखते जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रार्चाय प्रो. संजय काला। अमृत विचार

कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टर्स। अमृत विचार

देश में विकसित हों उपकरण तब कम होगा खर्च

- डॉ. प्रवीन सूर्यवंशी ने कहा कि जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, वैसे-वैसे हेल्थ केयर की लागत भी बढ़ रही है। जब तक भारत अपने मेडिकल उपकरण और तकनीक खुद विकसित नहीं करेगा, तब तक इलाज की लागत को कम नहीं किया जा सकता। फिलहाल देश करीब 90 प्रतिशत तक विदेशी तकनीकों पर निर्भर है। बताया कि पहले डॉक्टर और मरीज के बीच सीधा संवाद होता था, लेकिन अब इंश्योरेंस कंपनियां और कॉरपोरेट सेक्टर के हॉस्पिटल इसमें शामिल हो गए हैं। इनके कमीशन और प्रोसेस के चलते मरीज पर खर्च बढ़ गया है, जबकि डॉक्टर की आमदनी घटती जा रही है।

डॉ.प्रवीन सूर्यवंशी।

नार्थ इंडिया में बढ़ रहा गाल ब्लैडर में कैंसर का खतरा

- चंडीगढ़ से आए डॉ. ठाकुरदीन यादव ने बताया कि जिन लोगों को हाइपर कोलेस्ट्रोल की समस्या रहती है, उनमे स्टोन बनने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं, अगर गाल ब्लैडर में स्टोन है और भूख कम लग रही है, वजन कम हो रहा है या पीलिया की समस्या हो तो ऐसे में काफी सचेत रहने की जरूरत हैं, क्योंकि यह कैंसर का भी संकेत हो सकता है। ऐसे में बचाव के लिए गाल ब्लैडर निकालना ही पड़ता है। बताया कि विदेश में गाल ब्लैडर में कैंसर के केस कम है, लेकिन नार्थ इंडिया में यह समस्या लोगों में अधिक देखने को मिल रही हैं।

डॉ.ठाकुरदीन यादव।

प्रतिवर्ष 1.75 लाख कराते गालब्लैडर की सर्जरी

प्रयागराज से आए डॉ.प्रबल नेओगी ने बताया कि प्रतिवर्ष एक लाख 75 मरीजों की गाल ब्लैडर की सर्जरी की जा रही है, जिसमे पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की संख्या अधिक रहती है। इनमे .3 फीसदी संभावना कॉमन पाइल में इंजरी की रहती है, जिसकी वजह से संबंधित मरीज को जिंदगी भर समस्या का सामना करना पड़ता है। प्रशिक्षित सर्जन द्वारा गाल ब्लैडर की सर्जरी न कराने से लोगों में समस्या बढ़ने का खतरा रहता है, क्योंकि गाल ब्लैडर के पास मौजूद नस क्षतिग्रस्त होने से मरीज विकलांग सा हो जाता है। जूनियरों को सही से प्रशिक्षण मिलना जरूरी है।

डॉ.प्रबल नेओगी।

एक्टिव न रहने वालों में बढ़ जाता हैं कैंसर का खतरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जो लोग गुटखा, तंबाकू व सिगरेट का सेवन करते हैं, उनमे कैंसर की संभावना अधिक होती है, जिसपर कई स्टडी हो चुकी हैं, लेकिन जो लोग मीठी सुपारी खाते और पान खाते हैं, उनमे भी कैंसर के सेल विकसित होते हैं। इसके अलावा जो लोग शरीरिक रूप से एक्टिव नहीं रहते है और कोई एक्टिविटी नहीं करते हैं, उनमे भी कैंसर की संभावना बढ़ जाती हैं। निष्क्रियता से इंसुलिन जैसे विकास कारक और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो कैंसर के विकास को बढ़ावा देने काम करता है। यह जानकारी केजीएमयू में डॉ.अभिनव अरुण सोनकर ने दी।

उत्तर प्रदेश सर्जन्स एसोसिएशन (यूपीएएसआई) के स्वर्ण जयंती सम्मेलन यूपीएएसआईकॉन-2025 में शामिल होने आए केजीएमयू में प्रोफेसर डॉ.अभिनव अरुण सोनकर ने बताया कि शारीरिक निष्क्रियता से इंसुलिन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो कैंसर कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा दे सकता है। नियमित रूप से व्यायाम न करने से वजन बढ़ता है, क्योंकि कैलोरी खर्च नहीं होती। अतिरिक्त वजन और मोटापा कई प्रकार के कैंसर से जुड़े हैं। निष्क्रियता शरीर में पुरानी सूजन को बढ़ा सकती है, जो कैंसर के विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाती है। शारीरिक गतिविधि इंसुलिन जैसे ग्रोथ फैक्टर और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन को नियंत्रित करने में मदद करती है। निष्क्रियता के कारण आंतों के माध्यम से भोजन का गुजरना धीमा हो जाता है, इससे संभावित कैंसरकारी तत्व के संपर्क में आने का समय बढ़ जाता है। वहीं, नॉनवेज खाने के बाद अगर पेट साफ न हो तो भी सचेत रहने की जरूरत हैं।

डॉ.अभिनव अरुण।

- केजीएमयू के प्रोफेसर ने राष्ट्रीय कांफ्रेस में दी विशेष जानकारी

एआई युक्त रोबोटिक से खतरे में आ सकते डॉक्टर

एसोसिएशन ऑफ जेनिटो यूरिनरी सर्जन्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ.अचल गुप्ता ने बताया कि मूत्र संबंधित रोग में एआई और रोबोट काफी कारगर है। यह दूरबीन विधि को और सटीकता प्रदान करता है, जिससे गलती की गुंजाइश ही नहीं होती है, लेकिन भविष्य में करीब 50 साल बाद इन रोबोट की वजह से डॉक्टरों पर संकट जरूर आ सकता है। रोबोट के कारण ओटी में डॉक्टरों की संख्या कम हो सकती है। आने वाले समय में रोबोट का चलन काफी अधिक होगा।

डॉ.अचल गुप्ता।

भारत ने लिम्फोडिमा का खोजा इलाज

दिल्ली स्थित मणिपाल हॉस्पिटल से आए डॉ.विनय कुमार वर्मा ने बताया कि फाइलेरिया से लिम्फोडिमा रोग होता है, जिसका इलाज अभी उत्तर प्रदेश में नहीं है। लेकिन दिल्ली और साउथ में इसका इलाज हो रहा है। सर्जरी के माध्यम से खून की जाम नस को खोलते है और इसके बाद पैर में जमे पानी को निकालने के लिए जगह-जगह कट लगाए जाते हैं। दो से तीन घंटे सर्जरी चलने के बाद मरीज को दूसरे या तीसरे दिन आराम मिल जाता है। वहीं, प्लास्टिक सर्जरी की तरफ भी लोगों को रूझान बढ़ रहा हैं, जिसमे महिलाओं की संख्या अधिक है।

डॉ.विनय कुमार वर्मा।

पथरी से फेफड़े व गुर्दा को पहुंचता नुकसान

प्रयागराज से आए डॉ.शबीह अहमद ने बताया कि पित्त की थैली में पथरी की वजह से अग्नाशय में सूजन व इंफेक्शन की समस्या बढ़ जाती है। वही, जिनका बीएमआई 25 से अधिक होता है, उनमे भी पेट संबंधित रोग की संभावना अधिक होती है। कई बार पित्त की थैली में छोटी पथरी पैंक्रियाज की नली में चली जाती है, जिससे ऑटोडाइजेशन शुरू हो जाता है, जिसकी वजह से फेफेड़े, गुर्दा रोग व मल्टी ऑर्गन फेल्योर होने के चांस बढ़ते हैं।

डॉ.शबीह अहमद।

प्लास्टिक के बर्तनों में खाने पीने से भी होती है डायबिटीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

25 से 30 वर्ष के मरीजों पर की गई स्टडी | **400** मरीजों पर और की जाएगी रिसर्च

- जीएसवीएम के मेडिसिन विभाग में की जा रही स्टडी
- प्लास्टिक से विसफिनोल तत्व निकलकर खाने में मिल जाता है

अमृत विचार। अगर आप प्लास्टिक के बर्तनों का इस्तेमाल खाने या पीने की चीजों के लिए करते हैं तो आप सचेत हो जायें। क्योंकि इससे न सिर्फ कैंसर होने का खतरा बढ़ता है, बल्कि असमय डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। यह जानकारी जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग में हुई एक रिसर्च में सामने आया है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग में कम उम्र में लोगों को हो रही डायबिटीज के संबंध में एक रिसर्च की गई है, जिसमे उन्होंने मुख्य रूप से 25 से 30 वर्ष के ऐसे मरीजों को शामिल किया, जिनको डायबिटीज की बीमारी बीते छह माह से एक साल के अंदर पता चली थी। उनमे इस उम्र में टाइप-2 डायबिटीज होने का कारण खोजा गया। मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर व इंडोक्रोनोलॉजी क्लीनिक प्रभारी डॉ.विशाल गुप्ता के मुताबिक वजह जानने के लिए मरीजों की खून और यूरिन की जांच कराई गई। इसमें बीपी-ए तत्व का लेवल बहुत अधिक निकला। इसकी वजह से इंसुलिन रिसेप्टेंस बढ़ा और इंसुलिन बनना कम हो गया। जानकारी हुई है कि प्लास्टिक से विसफिनोल (वीपी-ए) नामक तत्व निकलकर खाने में मिल जाता है। इससे पैंक्रियाज की बीटा सेल को नुकसान होता है। इसके साथ ही बॉडी में इंसुलिन रिसेप्टेंस बढ़ जाता है और व्यक्ति डायबिटीज की गिरफ्त में आ जाता है। वहीं, टाइप-2 डायबिटीज से ग्रसित मरीज में बीपी-ए का बुरा असर पैंक्रियाज पर देखने को मिला है। इससे पैंक्रियाज की बीटा सेल नष्ट होने की जानकारी हुई। इसके चलते मरीजों का इंडोक्राइन सिस्टम प्रभावित हुआ और इंसुलिन बनना कम हुआ। इसके अलावा इंसुलिन का कार्य भी सुस्त पड़ गया।

प्लास्टिक में गर्म खाने से बढ़ता बीपी-ए

- डॉ. विशाल के मुताबिक जो लोग प्लास्टिक की पैकिंग में खाने वाली सामग्री पैक कराते हैं, उससे भी शरीर को नुकसान पहुंचता है। प्लास्टिक के बर्तन में गर्म खाने की चीजों को रखने से बीपी-ए का लेवल और अधिक बढ़ जाता है। बीपी-ए का दुष्प्रभाव पैंक्रियाज के अलावा लिवर और किडनी पर भी आता है। इसके प्रथम चरण की स्टडी पर आए परिणाम में चौकाने वाले तथ्य सामने आने पर इसपर और स्टडी की जाएगी। अब इसी उम्र के करीब 400 मरीजों पर रिसर्च कर और जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं, किशोर भी टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं, उनपर भी एक स्टडी की जाएगी।

छात्रों को मिली 3.6 लाख की नौकरी

कानपुर। सीएसजेएमयू में शुक्रवार को स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट में फूड रिटेल चेन बिकानेरवाला की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित हुई। इस दौरान 10 छात्रों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी पद में हुआ।

चयनित छात्रों को लगभग 3.6 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज पर नौकरी का अवसर मिला। विशेष बात यह रही कि ये सभी छात्र अभी अपना फाइनल सेमेस्टर पूरा नहीं कर पाए हैं, फिर भी उन्हें कोर्स पूर्ण होने से पूर्व ही रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। कैंपस इंटरव्यू के लिए ट्रेनिंग हेड आशीष तथा असिस्टेंट ट्रेनिंग मैनेजर रुबेल कटारिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट पहुंचे। नौकरी हासिल करने वाले छात्रों में आदित्य कुमार, एकता सिंह, कृष गुप्ता, मोहम्मद साकिब सईद, निशी, नितिन बसरानी, निवेदिता मिश्रा, सुष्मिता रानी बेरा, तनु तथा अरुण कुमार हैं। विभाग के निदेशक सौरभ त्रिपाठी ने कोर्स पूरा होने से पहले नौकरी मिलना विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और मानसिक विकास के लिए अत्यंत सकारात्मक होता है।

अभ्यास करते यूपी के खिलाड़ी। अमृत विचार

वार्मअप करते नागालैंड के खिलाड़ी। अमृत विचार

यूपी की जीत से ही आसान होगी नॉकआउट की राह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चौथे मुकाबले के लिए यूपी नागालैंड के खिलाड़ियों ने अभ्यास में बहाया पसीना

अमृत विचार। रणजी ट्राफी में शनिवार से ग्रीनपार्क में शुरू हो रहे चौथे मुकाबले में यूपी की जीत ही उसके नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीद आसान करेगी। हार या ड्रा की स्थिति में क्वालीफाई करना आसान नहीं होगा। बतादें कि अभी तक खेले गए तीन मुकाबलों में सात अंक लेकर एलीट ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर चल रही यूपी को अपना चौथा मुकाबला नागालैंड के खिलाफ खेलना है। शुक्रवार को दोनों टीमों ने स्टेडियम में जमकर पसीना किया। खिलाड़ियों ने बैटिंग व बॉलिंग कर अपने हाथ आजमाये।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में शनिवार सुबह साढ़े नौ बजे दोनों टीमें मैदान पर उतरेंगी। बल्लेबाजों की मददगार सात नंबर पिच पर होने वाले मुकाबले में यूपी नागालैंड के खिलाफ पहली जीत हासिल करने को दमखम लगाएगी। शुक्रवार को ग्रीनपार्क में अभ्यास विकेट पर यूपी और नगालैंड के खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया। यूपी के खिलाड़ी मुख्य कोच अरविंद कपूर व सहायक कोच मो. आमिर की देखरेख में बल्लेबाजी का अभ्यास किया। कप्तान करन शर्मा, आर्यन जुयाल, अभिषेक गोस्वामी, आराध्य यादव, माधव कौशिक ने बड़े शाट लगाने का वहीं तेज गेंदबाज शिवम मावी व कुनाल त्यागी तथा स्पिनर शिवम शर्मा व प्रशांतवीर ने पिच से मदद तलाशते दिखे। इसी तरह नगालैंड टीम के खिलाड़ियों ने भी अभ्यास में कोई कसर नहीं छोड़ी। नगालैंड के कप्तान जोनार्थन, चेतन बिष्ट, मोजुई ने नेट्स पर बल्लेबाजी कर पिच को समझने की कोशिश की।

चिकित्सा के क्षेत्र से | आईएमए में साइंटिफिक कमेटी के चेयरमैन डॉ.एसके कटियार ने दी जानकारी

थोराकोस्कोपी फेफड़ों की झिल्ली से जुड़ी बीमारियों में लाभदायक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईएमए भवन में आज होगी थोरेकोविजन-2025 की कार्यशाला, मिलेगा प्रशिक्षण
- डॉ. पाठक ने कहा कि सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट ऑफ अटेंडेंस प्रदान किए जाएंगे

अमृत विचार। स्किल बेस्ड प्रशिक्षण मंच आधुनिक श्वसन चिकित्सा में अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में थोराकोस्कोपी अब उन प्लूरल रोगों के निदान में प्रमुख उपकरण बन चुकी है, जो पारंपरिक विधियों से निदान योग्य नहीं रह पाते। आज की मेडिकल शिक्षा में ज्ञान, तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण तीनों का समन्वय आवश्यक है। साथ ही मरीजों से संवाद बहुत जरूरी है। यह जानकारी आईएमए सभागार में डॉ.एसके कटियार ने दी।

आईएमए भवन के सभागार में शुक्रवार को थोरेकोविजन-2025 की कार्यशाला के संबंध में एक तैयारी गोष्ठी हुई, जिसमे जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य व साइंटिफिक कमेटी एवं एकेडमिक फोरम, एनसीसीपी (इंडिया) के चेयरमैन डॉ. एसके कटियार ने बताया कि थोराकोस्कोपी एक उन्नत व न्यूनतम इनवेसिव तकनीक है, जो फेफड़ों की झिल्ली (प्लूरा) से जुड़ी बीमारियों जैसे कैंसर व तपेदिक के निदान और उपचार में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। आयोजन सचिव व थोराकोस्कोपी में राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. संदीप कटियार ने बताया कि यह तकनीक प्लूरल मालिग्नेंसी (कैंसर) के निदान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो अन्यथा अनदेखी रह सकती है और रोग की प्रगति को बढ़ा सकती है। थोराकोस्कोपी एम्पायमा (प्लूरल कैविटी में मवाद) के उपचार में भी प्रभावी है और कई मामलों में सर्जरी की आवश्यकता से बचा सकती है। आईएमए सचिव डॉ. शालिनी मोहन ने बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के प्रमुख पल्मोनोलॉजिस्ट, स्नातकोत्तर छात्र व मेडिकल फैकल्टी सदस्य भाग लेंगे, जिससे उन्हें थोराकोस्कोपी की महत्वपूर्ण तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा और समाज को इसका प्रत्यक्ष लाभ होगा। वैज्ञानिक सचिव डॉ.दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ अपने अनुभव इंटरएक्टिव सेशन्स के माध्यम से साझा करेंगे। सह-वैज्ञानिक सचिव डॉ. कुश पाठक ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट ऑफ अटेंडेंस प्रदान किए जाएंगे।

थोरेकोविजन-2025 की कार्यशाला की जानकारी देते डॉ.एसके कटियार, साथ में डॉ.अनुराग मेहरोत्रा, डॉ. संदीप कटियार, डॉ.कुश व डॉ.दीपक। अमृत विचार

पीजी छात्रों के लिए निशुल्क होगी परिवहन सुविधा

- आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक कार्यक्रम थोरेकोविजन-2025 का आयोजन आईएमए भवन में किया जाएगा। यह कार्यक्रम नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियंस (इंडिया), कटियार, चेस्ट सेंटर द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, कानपुर शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बताया कि इस वर्ष का थोरेकोविजन विशेष महता रखता है, क्योंकि यह प्रो. एसके कटियार की 50 वर्षों की शैक्षणिक यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर पर उनके अनेक पूर्व छात्र पल्मोनोलॉजिस्ट के रूप में शैक्षणिक, शोध व नैदानिक योगदान का सम्मान करने के लिए एकत्र होंगे। वित्त सचिव डॉ. विशाल सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं, राज्य के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पीजी छात्रों के लिए निशुल्क परिवहन की व्यवस्था की गई है।

2.35 लाख मत्स्य अंगुलिकाओं का हुआ विसर्जन

कानपुर। मत्स्य संपदा के संरक्षण एवं निर्मल गंगा अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत गंगा बैराज के पास अटल घाट पर 2.35 लाख मत्स्य अंगुलिकाओं का विसर्जन किया गया। सांसद रमेश अवस्थी के प्रतिनिधि के रूप में उपेंद्र शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मत्स्य अधिकारी सुनील सिंह ने प्रतिभागियों को मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, चिकित्सा सहायता योजना, शिक्षा सहायता योजना, निषाद राज बोट योजना तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर उपनिदेशक मत्स्य के प्रतिनिधि के.सी. वर्मा भी उपस्थित रहे। मत्स्य पालक गिरजा शंकर ने कहा कि छोटे आकार की मछलियों के शिकार से परहेज करें। मुख्य अतिथि उपेंद्र शुक्ला ने योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यदि किसी को कोई समस्या होती है तो वह सीधे विभाग से संपर्क कर सकता है।

भविष्य निधि कार्यालय में कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

योजना के लाभों का प्रसार सुनिश्चित करें

संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय, कानपुर में शुक्रवार को कुमार अभिषेक, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अध्यक्षता में वस्त्र मंत्रालय के वस्त्र आयुक्त (उप कार्यालय) कानपुर और एन.आई.टी.आर.ए. पावरलूम सर्विस सेंटर (पीएलएससी), कानपुर के साथ एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित की। जिसका शीर्षक था "प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना - वस्त्र क्षेत्र जागरूकता अभियान", जिसमें वस्त्र मंत्रालय के सहायक निदेशक गोपाल निगम समेत कई वस्त्र क्षेत्र के नियोक्ताओं के साथ उपस्थित थे और उन्होंने शीघ्र पंजीकरण के लिए वस्त्र क्लस्टर में सभी हितधारकों तक योजना के लाभों का प्रसार सुनिश्चित करने का आश्वाशन भी दिया।

सिटी ब्रीफ

रेलवे क्रासिंग का गेट कल बंद रहेगा

कानपुर। सीनियर सेक्शन इन्जीनियर ने बताया कि घाटमपुर से जहानाबाद मार्ग पर हमीरपुर-घाटमपुर सेक्शन के मध्य स्थित रेलवे समपार संख्या-60 रेल मरम्मत कार्य के चलते 9 नवंबर 20-25 को रात 10 बजे से 10 नवंबर सो सुबह 6 बजे तक बंद रहेगा।

मतदाता सूची जीत का हथियार : प्रकाश पाल

कानपुर। केशव नगर स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमे क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि मतदाता सूची किसी भी चुनाव में जीत का प्रमुख हथियार है। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का अवसर है।

सीएसजेएमयू व आयरलैंड-इंडिया काउंसिल में समझौता

कानपुर। सीएसजेएमयू और आयरलैंड-इंडिया काउंसिल के बीच शुक्रवार को एक समझौता हुआ। यह समझौता कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक व आयरलैंड इंडिया काउंसिल के अध्यक्ष प्रशांत शुक्ला की मौजूदगी में हुआ। बताया गया कि यह समझौता विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग प्रकोष्ठ के माध्यम से संपादित किया गया। जो वैश्विक सहयोग, संयुक्त अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की दिशा में कार्य करेगा। कार्यक्रम में प्रोफेसर (डॉ.) सुधांशु पाण्ड्या ने इस समझौते से पैदा होने वाली शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी संभावनाओं को बताया।

150वीं वर्षगांठ पर चारों ओर शान से गूंजा वंदे मातरम्

छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी व समाजसेवी रहे मौजूद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्कूली छात्रों, स्काउट, जनप्रतिनिधियों, सांस्कृतिक संस्थाओं, समाजसेवियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने वंदे मातरम् स्मरण उत्सव में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। वंदे मातरम् का सामूहिक गायन हुआ और स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की प्रेरक भूमिका को याद किया गया।

शुक्रवार को राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर नानाराव पार्क में महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि वंदे मातरम् हमारे राष्ट्रीय गौरव, सांस्कृतिक धरोहर और स्वाधीनता संग्राम की प्रेरक शक्ति का प्रतीक हैं। गीत हर भारतीय को अपनी मातृभूमि के प्रति गर्व, प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि बंगाल की पावन धरती पर रचित यह गीत भारतीय संस्कृति, मातृभूमि-भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है। विधायक सरोज कुरील ने कहा कि यह गीत राष्ट्रप्रेम, साहस और सर्वस्व अर्पण की प्रेरणा देता है। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि वंदे मातरम् ने देशभर में स्वाधीनता के प्रति चेतना जगाई और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की। विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वाभिमान का अमर उद्घोष है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् गीत का अतुलनीय योगदान रहा है। 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 18 वर्ष बाद रचित यह गीत भारतीय समाज की संस्कृति, सभ्यता और मातृभूमि के प्रति अटूट आस्था का भावनात्मक चित्र प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र अवस्थी, डीसीपी रवींद्र कुमार, डीसीपी श्रवण कुमार, सीडीओ दीक्षा जैन, एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ विवेक चतुर्वेदी, एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार, जिला विकास अधिकारी आलोक सिंह आदि मौजूद रहे।

वंदे मातरम सामूहिक गान में मौजूद अधिकारी, जनप्रतिनिधि व छात्राएं। अमृत विचार

सीएसजेएमयू में वंदे मातरम् का हुआ गायन

- **कानपुर।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में राष्ट्र गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम में सभी विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक और छात्र शामिल हुए। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहा कि भारत का राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इससे देश भक्ति की प्रेरणा मिलती है। मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने और माटी का कर्ज चुकाने की भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में शामिल देश के महान सपूतों के लिए वंदे मातरम महज एक गीत नहीं था, बल्कि यह उनके लिए अपने पथ पर निरंतर अग्रसर होने के लिए प्रेरक का काम भी करता था।

सेंट्रल पर भी गाया गया वंदे मातरम्

- **कानपुर।** राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह की अगुवाई में वंदे मातरम् सामूहिक गान का आयोजन किया गया।

एसआईआर के प्रति जागरूक करेगा कांग्रेस रथ

कानपुर। कानपुर महागर कांग्रेस ने शहर भर में कांग्रेस रथ यात्रा के माध्यम से लोगों को एसआईआर के प्रति जागरुक करने की घोषणा की है। साथ ही एक कोर कमेटी का भी गठन किया है जो दलितों, अल्पसंख्यकों एवं पिछड़ों का वोट चोरी न हो पाए, इसपर नजर रखी जायेगी। प्रत्येक बीएलओ के साथ कांग्रेस का एक बीएलए रहेगा।

शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में तिलक हाल में बैठक हुई जिसमें सभी एआईसीसी सदस्य, पूर्व विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष भी शामिल हुए। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि, कहा गया है कि कई क्षेत्रों से शिकायतें आ रही हैं कि अभी फार्म ही वितरित नहीं हुआ है। कई स्थानों पर बीएलओ नहीं जा रहे हैं। कई जगह बीएलओ मतदाताओं को रिसीविंग नहीं दे रहे हैं। बैठक में तय हुआ विधानसभा स्तर पर कांग्रेस की निगरानी समिति चुनाव आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनर्निरीक्षण) की कार्यप्रणाली पर नजर रखेगी और कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों का सहयोग करेगी। कांग्रेस रथ बनाकर सभी विधानसभाओं में सतर्कता और जागरूकता अभियान चलाएगी। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि इस प्रक्रिया की आड़ में कानपुर में दलित, अल्पसंख्यक व पिछड़े समाज का वोट चोरी नहीं होने देंगे। बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य जगह भारी तादाद में गड़बड़ी देखी गई है। भूधर नारायण मिश्रा, आलोक मिश्रा, हर प्रकाश अग्निहोत्री, सुहेल अंसारी आदि रहे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि। अमृत विचार

बच्चों ने दिखाया 'आपरेशन सिन्दूर' का सजीव चित्रण

कानपुर। श्रीराम एजूकेशन सेन्टर पनकी में जूनियर विंग का वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में अपर नगर आयुक्त आवेश खान ने की। इस दौरान अध्यक्ष महेन्द्र मोहन गुप्त, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग, अमरनाथ मेहरोत्रा, आलोक अग्रवाल मौजूद रहे। इस दौरान विद्यालय के सलाहकार भाष्कर गैंटी ने कहा कि छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए पारिवारिक वातावरण का अत्यधिक महत्व होता है क्योंकि प्रतिध्वनि का नियम के अनुसार छात्र सबसे पहले छात्र घर से ही अच्छे या बुरे वातवरण पर ढलता है। मुख्य अतिथि आवेश खान ने कहा कि छात्र अपने जीवन में श्रीराम के आदर्शों को धारण कर अपने भविष्य की योजनाओं को सफल कर सकते है। कार्यक्रम मंक बच्चों द्वारा 'आपरेशन सिन्दूर' का सजीव चित्रण किया गया। इसी तरह प्री-प्राइमरी छात्रों द्वारा सबसे अच्छे मेरे पापा गीत की प्रस्तुति की गई। छात्रों ने योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन किया। कक्षा-1 से 3 तक के छात्रों ने 'साथ चलेंगे, साथ रहेंगे मंजिल एक हमारी' समूह गान प्रस्तुत कर वाह-वाही लूटी।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

कानपुर। पातालेश्वर मंदिर प्रांगण में भव्य और दिव्य श्री राम कथा का आयोजन हुआ और श्री राम कथा प्रवक्ता के रूप में पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज (जूना अखाड़ा) मध्यप्रदेश के सानिध्य में 2100 कलश की यात्रा निकाली गई। शुक्रवार को वार्ड 63 के अंतर्गत मंदिर से निकली कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए बाबा पातालेश्वर मंदिर कथा स्थल पर पहुंची। आयोजक श्वेता दुर्गा प्रसाद गुप्ता पार्षद, अकबरपुर के सांसद देवेंद्र सिंह भोले समेत हजारों की संख्या में माताओं बहनों ने कलश उठाया। अंकित पांडेय, लाला सविता, नीरज, मनीष गुप्ता, आशीष गुप्ता, सौरभ आर्या, अभिषेक तिवारी, राजन, अंकुर, ओम प्रकाश, रितिक, विजय, विमल, विशाल, सुरजीत यादव, राम बरन, राम सेवक, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अशोक नगर में बैठक करते श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के पदाधिकारी।

तनाव से डरें नहीं, उस पर विजय पाएं : डॉ.रोली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किशोरावस्था जीवन का वह दौर है, जब शारीरिक व मानसिक परिवर्तन अत्यधिक होते हैं। ऐसे में सही मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग से बच्चे अपने व्यक्तित्व का सशक्त विकास कर सकते हैं। बाल एवं किशोर स्वास्थ्य सप्ताह के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को यह सिखाना है कि तनाव से डरना नहीं, बल्कि उसे समझकर जीतना सीखाना हैं। ताकि वह भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकें। यह जानकारी इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, कानपुर की अध्यक्ष डॉ.रोली श्रीवास्तव ने दी।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, कानपुर द्वारा बाल एवं किशोर स्वास्थ्य सप्ताह का आयोजन 07 नवंबर से 14 नवंबर तक किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों और किशोरों के शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना है, ताकि वह आत्मविश्वास के साथ एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें। सचिव डॉ. अमितेश यादव ने बताया कि विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। अभियान से बच्चों में आत्मविश्वास और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों का विकास होगा। इस सप्ताह शहर के विभिन्न विद्यालयों में स्ट्रेस बूस्टर विषय पर कार्यशालाएं व प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी, जिसमे विशेषज्ञ डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक व शिक्षाविद बच्चों से संवाद कर उन्हें तनाव प्रबंधन, आत्म-सशक्तिकरण और सकारात्मक सोच विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताएंगे। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील तनेजा ने कहा कि किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र गौतम ने बताया कि चिकित्सा समुदाय को किशोरों के स्वास्थ्य की देखभाल में अधिक संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं, बल्कि समाज को भी जागरूक बनाते हैं। इस दौरान डॉ. राज तिलक, डॉ.शीला चित्रांशी, डॉ.रश्मि कपूर, डॉ. केके डोकानिया, डॉ.आशीष श्रीवास्तव समेत आदि लोग रहे।

बाल एवं किशोर स्वास्थ्य सप्ताह में जानकारी देतीं डॉ.रोली श्रीवास्तव, डॉ.अमितेश और विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेंद्र गौतम। अमृत विचार

विवि में स्थापित होगी गुरु तेग बहादुर शोध पीठ

- 23से 25 नवंबर तक गुरु पूरब संगत के समक्ष मुख्यमंत्री कर सकते हैं घोषणा
- ये शोध पीठ गुरु तेग बहादुर साहिब जी के अमर संदेश का माध्यम बनेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर अब भाषा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही गुरु तेग बहादुर साहिब शोध पीठ की स्थापना की जाएगी, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, सर्वधर्म समभाव और मानवीय आदर्शों के अध्ययन एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है।

शुक्रवार को श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने पत्रकारों को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 9 नवंबर रविवार को विवि में एक भव्य कार्यक्रम होने जा रहा है। इसके अतिरिक्त 23,24 व 25 नवंबर को गुरु पूरब है जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आमंत्रित किया गया है। उक्त अवसर पर लाखों की संख्या में संगत होगी। इस मौके पर गुरु तेग बहादुर साहिब शोध पीठ की घोषणा होगी। चेयरमैन ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी का जीवन त्याग, साहस और सार्वभौमिक मानवता का प्रतीक है। यह शोध पीठ उनके अमर संदेश को अकादमिक और बौद्धिक जगत में प्रतिष्ठित करने का माध्यम बनेगी।

सभा अध्यक्ष सिमरनजीत ने कहा कि अब गुरु साहिबान का इतिहास हिंदी बेल्ट के निवासियों तक पहुंचेगा। इस दौरान गुरविंदर सिंह (बिट्टू), गुरविंदर सिंह वासू, हरविंदर सिंह बॉबी, तेजेंद्र पाल सिंह, सुखप्रीत सिंह (बंटी), मनजीत सिंह चड्ढा, अमित पाल सिंह, जसविंदर सिंह, रविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पुराने सामान से बनाए उत्पाद

कानपुर। चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग की ओर से शुक्रवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

अनूपुर गांव में लगे शिविर में लोगों को अपशिष्ट से हस्तनिर्मित उत्पाद निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता प्रदान की गई। इस दौरान केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) दलिपनगर के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह व गृह विज्ञान की वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने लोगों को प्रशिक्षण दिया। विभाग की शिक्षिकाएं स्वप्निल सिंह, एलेना, छात्रा शाज़िया व छात्रा महक ने भी उत्पाद बनाना सिखाया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवतियों को अपशिष्ट सामग्री से उपयोगी करना सिखाया गया।

पुराने सामान से उत्पाद बनाना सीखते युवा। अमृत विचार

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि **जीतेन्द्र कुमार श्रीवास पुत्र श्री श्रीपत निवासी- नेहरू बाल शिक्षा सदन महोबा** का मूल निवासी है। मैं पालिसी नं. 20667065 एवं 20975603 का पालिसी धारक हूँ। मेरी पालिसी में मेरा नाम जीतेन्द्र कुमार अंकित है तथा आधार कार्ड, पैनकार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम जीतेन्द्र कुमार श्रीवास अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। जीतेन्द्र कुमार श्रीवास व जीतेन्द्र कुमार एक ही व्यक्ति के नाम है।

सूचना

मैं कमाल अहमद ,निवासी H.NO-426/206, वजीर बाग़, लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश, इंडिया,यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम ग़लत रूप से अहमद कमाल दर्ज है। सही नाम कमाल अहमद है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

पहले मेरा नाम नाम सरफ राज (SARPH RAJ) था अब मैं अपना नाम बदलकर सरफराज अहमद (SARPHRAJ AHMAD) रख रहा हूँ, अतः भविष्य में मुझे सरफराज अहमद (SARPHRAJ AHMAD) नाम से जाना व पहचाना जाय। S/O MOHD ATEEK AHMAD R/O VILL SEMARI PURSHOTTAMPUR POST-SEMARI PURSHOTTAMPUR THANA-KOTWALI DEHAT DIST-SULTANPUR U.P.-228001

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक नाम शिवम तिवारी पुत्र विनोद तिवारी ग्राम रामपुर पोस्ट कलवारा खुर्द तहसील राजापुर जिला चित्रकूट है लेकिन आधार कार्ड में भूलवश मेरा नाम दयाशंकर लिख गया है जो ग़लत है अतः मुझे मेरे वास्तविक नाम शिवम तिवारी के नाम से ही जाने। **शिवम तिवारी पुत्र विनोद तिवारी, ग्राम रामपुर पोस्ट कलवारा खुर्द तहसील राजापुर जिला चित्रकूट, मो0-7888805117**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल-कानपुर।

पताः-119 मंगला विहार-द्वितीय, देहली सुजानपुर कानपुर नगर। Email: seredkanpur@gmail.com

पत्रांक-909/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रावली/थाना अरौल(कानपुर नगर)/अनु0 सहायक/2025-26 दिनांकः28.10.2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल कानपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए भवन) श्रेणी पंजीकृत निविदादाताओं से *ई-टेण्डरिंग* के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। *बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा।* निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः-

क्र0सं	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिक्योरिटी (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य अथवा निविदा फीस जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	कानपुर नगर।	कमिश्नरेट कानपुर नगर के नवीन थाना अरौल के अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य।	589.92	11.80	5000.00	18 माह

2. वैब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः- 10.11.2025 को प्रातः 11.00 बजे से।
3. बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारंभ करने की तिथि एवं समयः- 10.11.2025 को प्रातः 11.00 बजे से।
4. प्रि बिड मीटिंग की तिथि एवं समयः- 17.11.2025 को प्रातः 11.00 बजे से।
5. ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि/समयः- 10.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे से।
6. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समयः- 09.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक।
7. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः- 09.12.2025 को अपरान्ह 03:30 बजे।
8. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
9. निविदा आन-लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
10. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सबमिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भाँति पढ़ लें।

UP - 239783 दिनांकः 03/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
परिमण्डल-कानपुर।
महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता | शिवाजी इंटर कॉलेज और रतनलाल स्मारक खेल परिसर में आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

अनुराग, ऋषिराज, सृष्टि और स्मृति ने मारी बाजी

- सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में प्रतिभागियों ने दिखाया जोश और उत्साह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप किदवई नगर में चल रही सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में युवाओं के साथ युवतियों विशेषकर छात्राओं ने भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने दिखा दिया कि वह किसी से कम नहीं हैं। इस स्पर्धा का आयोजन युवा कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन, कानपुर नगर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

शुक्रवार को चिरंजीवी राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग 200 मीटर में अनुराग बाजपेई और बालिका सृष्टि गुप्ता ने 200 मीटर में बाजी मारी। इसी प्रकार 800 मीटर दौड़ में ऋषिराज तथा जूनियर बालिका 100 मीटर में स्मृति मिश्रा विजेता रहीं। सब-जूनियर बालक 400 मीटर में विनायक तिवारी और जूनियर बालक 100 मीटर में आर्यन सिंह चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर बालिका वर्ग में खुशबू यादव विजेता रहीं। फुटबॉल की जूनियर प्रतियोगिता में चिरंजीवी राष्ट्रीय इंटर कॉलेज की टीम ने बाजी मारी।

इसी प्रकार भारोत्तोलन प्रतियोगिता शिवाजी इंटर कॉलेज और रतनलाल स्मारक खेल परिसर में हुई जिसमें महिला सीनियर वर्ग में काजल राजपूत तथा पुरुष सीनियर वर्ग में अंश शुक्ला विजेता रहे। भार वर्गानुसार 44 किलोग्राम में शिवम पाल, 60 किलोग्राम में अंश शुक्ला, 65 किलोग्राम में विशाल शाक्यवार, 71 किलोग्राम में वैभव पाल और 88 किलोग्राम में हर्षित माहेश्वरी प्रथम स्थान पर रहे। बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक वर्ग में वंश यादव तथा बालिका वर्ग में आदित्य गुप्ता और दिव्यांशु विजेता रहे। कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन के.के. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में किया गया जिसमें बालक वर्ग में एचआरए विजेता तथा आरआईसी उपविजेता रही। खो-खो प्रतियोगिता में कामदगिरि शाइनिंग स्टार अकैडमी विजेता रही। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में ग्रीन वैली, जूनियर बालक वर्ग में दून स्पोर्ट्स अकादमी और सब-जूनियर बालक वर्ग में शिवाजी इंटर कॉलेज विजेता रहे।

सांसद-विधायक खेल स्पर्धा में दौड़ के लिये तैयार खिलाड़ी। अमृत विचार

कलश यात्रा निकालते भक्तगण। अमृत विचार

कलश यात्रा में भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

कानपुर। दोसर वैश्य परिवार द्वारा नवीन नगर स्थित मां काल्याणी मंदिर में श्रीमद्भगावत कथा की शुरुआत की गई। प्रथम दिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा निकाली गई। भजनों पर झूमते श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में शिरकत किया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की भजनों से वातावरण गूंज उठा। कथाव्यास जयप्रकाश राजन जी ने भगवान शिव द्वारा पार्वती जी को सुनाई गई अमर कथा के बारे में बताया। इस अवसर पर कथा के यजमान मदन गुप्ता , गीता देवी , सुनीता बाजपेयी , भोली देवी गुप्ता , लालजी गुप्ता , कपूर गुप्ता , शिवम गुप्ता, मानस मंच के संयोजह हरस्वरूप निगम आदि उपस्थित रहे।

अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में 6 की मौत, 6 घायल

सदर, अजगैन, सोहरामऊ, अचलगंज, हसनगंज, बीघापुर, गंजमुरादाबाद व आसीवन में हुए हादसे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शुक्रवार का दिन उन्नाव जिले के लिये सड़क हादसों में मौतों का दिन रहा। इस दिन जिले के अलग-अलग क्षेत्र में हुए विभिन्न सड़क हादसों में छह लोगों की जान चली गई। जबकि, छह लोग घायल हो गए। संबंधित थानाक्षेत्रों की पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजने के साथ शवों को जांच के बाद मोर्चरी भेजा। हादसों में हुई मौतों की जानकारी होने पर उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

ट्रक ड्राइवर की बाइक की टक्कर से मौत

मथुरा जिला के बरसाना थानाक्षेत्र के नंदगांव निवासी बबलू जाटव (29) पुत्र स्व. गिरिराज सिंह ट्रक चालक था। गुरुवार रात वह खाली ट्रक लेकर लखनऊ से कानपुर जा रहा था। तभी सदर कोतवाली अंतर्गत कानपुर-लखनऊ हाईवे पर गदन खेड़ा ओवर ब्रिज उतरते समय उसके ट्रक के गेयर में कुछ खराबी आ गई। इस पर वह सड़क पार कर गेयर ऑयल लेने जा रहा था। तभी तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गया। तभी पीछे से दूसरा ट्रक लेकर निकले पड़ोसी गांव के चालक दिनेश ने उसे पहचान लिया। वह एंबुलेंस से बबलू को जिला अस्पताल लाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके मोबाइल से परिजनों को सूचना देकर शव मोर्चरी भेजा। शुक्रवार को बड़ा भाई दीपक व अन्य परिजन पहुंचे। भाई दीपक के प्रार्थनापत्र पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। दीपक ने बताया कि बबलू तीन भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से पत्नी आरती, मां बूतेरी आदि बेहाल हैं।

वाहन की टक्कर से बाइक युवक की मौत

अचलगंज थानाक्षेत्र के लखनऊ-कानपुर हाईवे पर गहरा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बंथर स्थित औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी करने जा रहे गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गोताखोर कालोनी निवासी शोएब (19) पुत्र मंजूर, तोहित (23) पुत्र अब्दुल वहीद व कोतवाली क्षेत्र के मिश्रा कॉलोनी निवासी आमिर (24) पुत्र मुन्ना घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने बाइक चला रहे आमिर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को हादसे की खबर देकर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। आमिर 3 भाइयों में बीच का था। उसकी अभी शादी नहीं हुई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के गिरजा नगर मोहल्ला निवासी सोनू (33) पुत्र पूरन दिल्ली में एक बेकरी में काम करता था। एक माह पहले वह गांव लौटा था। बीती रात वह कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर गांव के पास मेला देखने जा रहा था। तभी किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे 100 बेड अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही पत्नी हेमलता बेहाल हो गई। वहीं राजरानी का भी रो-रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा है। कोतवाल राजपाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। तहरीर के आधार पर आगे की

कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार 3 घायल

गोंडा के थाना व कस्बा मनिकापुर निवासी हरि शंकर (25) पुत्र सतेंद्र पड़ोसी मोहल्ला निवासी सुनील तिवारी (32) पुत्र रमेश चंद व शिवम (28) पुत्र राजेंद्र कार से आगरा से गोंडा जा रहे थे। तभी शुक्रवार सुबह 4 बजे कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गांव देवखरी के पास अज्ञात वाहन ने कार में टक्कर मार दी। इसमें कार क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों साथी गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम एंबुलेंस से उन्हें बांगरमऊ के सरकारी अस्पताल लाई। जहां चिकित्सक ने हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

विद्युत पोल से टकराई बाइक, युवक की मौत

हसनगंज। लखनऊ जिला के ढेडेमऊ गांव निवासी 27 वर्षीय शिवम पुत्र रुदान सिंह तीन वर्षों से समदपुर भावा गांव निवासी पवन सिंह की मार्केट में किराए पर मोबाइल रिपेरिंग की दुकान चला कर परिवार का पालन पोषण कर रहा था। रोज की तरह वह देरशाम दुकान बंद कर घर जा रहा था। अभी वह दुकान से 400 मीटर दूर मोहान-औरास मार्ग पर ही पहुंचा था कि सड़क पर लगे विद्युत पोल से बाइक अन्यंत्रित होकर टकरा गई। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। वहां से गस्त पर निकली पुलिस को खंती में पड़ी बाइक व युवक दिखा तो पुलिस कर्मियों ने उसके फोन से परिजनों को सूचना दी। मौत की जानकारी होते ही परिजन बेहाल हो गए। उसकी मौत से मां अचला व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल रहे। कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि बाइक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकराई थी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ऑटो की टक्कर से युवक घायल

सोहरामऊ के सराय जोगा गांव निवासी अनिल (23) शुक्रवार दोपहर बाजार से घर लौट रहा था। भल्ला फार्म - कांथा मार्ग पर गांव के मोड़ प तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

किसान की सड़क हादसे में मौत

उन्नाव, अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र के अजमत नगर गांव निवासी बहादुर (45) पुत्र राम दुलारे खेती करता था। पिता ने बताया कि वह बीती रात में फसल की रखवाली करने गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। रात में उसकी तलाश में वह खेत गया लेकिन बेटा नहीं दिखा। इस पर आसपास के किसानों के साथ उनके खेत में बैठे होने की बात सोंच कर वह लौट आया। भोरपहर गांव से 1 किमी आगे संडीला मार्ग पर सड़क किनारे वह लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। लोगों की सूचना पर परिजन उसे घर लाए। जहां से उसे अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। यह देख पत्नी गुड्डी बदहवास हो गई। पिता ने बताया कि बहादुर के दो बेटे सुभाष व निहाल हैं। वह दो भाइयों में बड़ा था। पिता ने सड़क हादसे में बेटे की मौत होने की संभावना जता पुलिस को सूचना दी। इस पर शव मोर्चरी भेजा गया है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली अंतर्गत बिचपरी गांव के मजरा दरबारी खेड़ा निवासी वीरेंद्र (30) पुत्र हरिनाम पल्लेदारी करता था। शुक्रवार सुबह वह आसीवन थानाक्षेत्र के मियागंज निवासी रिश्तेदार सुधीर (30) पुत्र राधे के साथ कोतवाली क्षेत्र के दौलत खेड़ा निवासी मौसा राजकुमार से मिलने गया था। लौटते समय अजगैन क्षेत्र के रामबक्श खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घायल हालात में उन्हें सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने वीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं सुधीर को इलाज के बाद उसे घर भेज दिया गया। टक्कर मारने के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छोटे भाई नारेंद्र ने बताया कि वीरेंद्र की 3 साल पहले शादी हुई थी। उसके एक साल की बेटी रोहणी है। पति की मौत की खबर से पत्नी बिटाना, मां केशकली बेहाल हैं। शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। डंपर को सीज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

हत्या के तीसरे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

नवाबगंज। अजगैन के सिंघनापुर गांव में 21 अगस्त 2025 को राजेश उर्फ कल्लू पासी (46) की घर में मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम कराया था। जिसमें मौत का कारण गला दबाना पाया गया था। राजेश के ममेरे भाई संतोष बाबू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने पत्नी कामिनी व उसकी बेटी काजल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने मनमुटाव के कारण साड़ी से गला दबाकर हत्या करने की बात कबूल की थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेजा था। लेकिन घटना में शामिल तीसरा आरोपी गांव का रामसुमेर फरार था। जिसे पुलिस ने शुक्रवार को जगदीशपुर गांव की मोड़ से गिरफ्तार किया। अजगैन प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है।

एसीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण

नवाबगंज। नवाबगंज सीएचसी का एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह ने शुक्रवार दोपहर निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने सीएचसी के इमरजेंसी, ओपीडी, एमएनसीयू व ईटीसी आदि वार्डों को देखा। जहां ईटीसी वार्ड में भर्ती मरीजों व उनको दिये गए इलाज की जानकारी ली। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशुओं के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं व सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ भर्ती नवजातों के बारे में भी जानकारी ली।

महिला ने लगाई छलांग गोताखोरों ने बचाया

शुक्लागंज। शुक्रवार शाम लखनऊ की एक महिला ने कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित जाजमऊ पुल से गंगा में छलांग लगा दी। यह देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। लोगों के शोर मचाने पर तट पर मौजूद गोताखोरों ने तुरंत नदी में कूदकर महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया। सूचना पर जाजमऊ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल भेजते हुए परिजनों को खबर दी। बताया गया कि महिला लखनऊ के कृष्णा नगर की 32 वर्षीय निवासी है।

आवारा मवेशी के हमले से युवक की मौत

उन्नाव। माखी के प्यारेपुर गांव निवासी अमृतलाल खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा रिंकू (20) गुरुवार रात सरसों की फसल की रखवाली करने गया था। तभी वहां आवारा मवेशी को खेत से भागते समय उसने हमलाकर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। किसानों ने बताया कि गांव में अधूरी गोशाला बनी है, इसलिए छुट्टा मवेशी उसमें नहीं रखे जा रहे हैं।

श्री श्याम महोत्सव आज

शुक्लागंज। श्री श्याम दीवाना मित्र मंडल के तत्वावधान में ग्यारहवां श्री श्याम महोत्सव आस्था, भक्ति और विश्वास का महाकुंभ शनिवार रात पोनी रोड स्थित बाबा शिव लॉन में धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध भजन गायक फरीदाबाद के अंकित शर्मा, दिल्ली की रितु पंचाल, जयपुर के अविनाश शर्मा, उन्नाव के राजू मिश्रा और कानपुर के अभिषेक शुक्ला अपने सुरमयी भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। कार्यक्रम में खाटू नरेश का अलौकिक दरबार सजेगा, जिसमें बाबा का श्रृंगार कलकत्ता के फूलों से किया जाएगा और छप्पन भोग अर्पित होंगे। रात्रि भर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था रहेगी। भोर में बाबा की मंगला आरती के साथ महोत्सव का समापन होगा।

चार दिन तक रजिस्ट्रेशन का कार्य रहेगा बाधित

उन्नाव। एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि महानिरीक्षक निबन्धन उप्र द्वारा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के ऑनलाईन पोर्टल हेतु प्रयुक्त एनआईसी द्वारा संचालित मेघराज क्लाउड सर्वर को नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड पर स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है। इससे 8 से 11 नवंबर तक सर्वर पर रख-रखाव व स्थानान्तरण का कार्य किया जाएगा। इसके चलते इस अवधि में आमजन द्वारा ऑनलाईन लेखपत्र पंजीकरण व अन्य आवेदनों का कार्य अस्थायी रूप से बाधित रहेगा।

बालक वर्ग में स्पोर्ट्स स्टेडियम चैंपियन

उन्नाव। हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बाईपास स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता में बालक वर्ग में स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम ने और बालिका वर्ग में 'द लीडिंग वूमेन' टीम ने जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। दोनों विजेता टीमों को शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मुकाबला द लीडिंग वूमेन और वंडर वूमेन टीम के बीच हुआ।

मेडिकल कॉलेज में दूसरे दिन भी चली जांच

नवाबगंज, अमृत विचार। भल्लाफार्म स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में दूसरे दिन भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम मौजूद रही। एचआर के लोगों को बुलाकर रजिस्ट्रार आफिस में काम करने वाले व अकाउन्ट विभाग में काम करने वालों की लिस्ट ली गई। जिनसे संपर्क कर उनको बुलाया जा रहा है। टीम ने सभी कंप्यूटर कब्जे में लेने के साथ फाईलों को भी कब्जे में लिया है। किसी भी सझम अधिकारी के न मिलने से 36 घंटे बाद भी टीम जांच कर रही है। टीम के सदस्य पूरी जानकारी लखनऊ के अधिकारियों को देने की बात कह रहे हैं। बता दें कि सरस्वती मेडिकल कालेज समेत इनसे संबंधित 16 स्थानों पर पूरे देश में छापेमारी की गई। जिसमें मोनार्ज यूनिवर्सिटी मेरठ में मई में नकली डिग्री देने के मामले में गिरफ्तार निदेशक वीरेन्द्र सिंह की जांच का दायरा बढाया गया। जिसमें एक साथ छापेमारी की गई। बीती गुरुवार सुबह 8 बजे 4 गाड़ियों से प्रवर्तन निदेशालय की 14 सदस्यी टीम आई थी और सभी के कम्प्यूटर कब्जे में ले लिये। कालेज के सूत्र बताते हैं कि रात करीब 1.30 बजे कालेज के प्रधानाचार्य आरएन श्रीवास्तव घर गये और सुबह 9 बजे वापस आ गये।

खंडित मूर्तियों का हुआ 'भू-विसर्जन'

उन्नाव, अमृत विचार। नर सेवा नारायण सेवा समिति के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने विभिन्न वार्डों व प्रमुख मंदिरों से बीते एक सप्ताह से एकत्र की गई पुरानी व खंडित गणेश-लक्ष्मी व अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों का गगनी खेड़ा झील किनारे ढ़ोल नागाड़ों के साथ भू-विसर्जन किया।

यह कार्यक्रम संस्था पदाधिकारियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें संदेश दिया गया कि भक्ति के साथ स्वच्छता व पर्यावरण की रक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। विमल द्विवेदी ने बताया कि जिन्हें हम साल भर पूजते हैं उन्हें ससम्मान विदा करने व विसर्जन करने की भी जिम्मेदारी हम सब की है। कब्बा खेड़ा, कल्याणी देवी मंदिर, अखिलेश्वर मंदिर आवास विकास, शिवनगर शिव मंदिर, मोती नगर बड़े हनुमान मंदिर, आरएसएस इंटर कॉलेज, शेखपुर नहर भुइया देवी मंदिर सहित नगर के विभिन्न स्थानों से मूर्तियों को एकत्र कर ढ़ोल-नगाड़ों के साथ भू-विसर्जन किया गया।

खंडित मूर्तियों का भू विसर्जन करते विमल द्विवेदी व अन्य। अमृत विचार

निष्पक्ष, पारदर्शी व त्रुटिरहित हो मतदाता सूचीः डीएम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

- सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के निर्देश

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाए। मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जिले में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण किया जा रहा है।

गूगल मीट के माध्यम से लिंक होकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित करते हुए डीएम ने कहा कि मतदाता सूची पूर्ण रूप से निष्पक्ष और पारदर्शी और त्रुटि रहित हो। कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो पाए। सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके। इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जाए। कहा कि जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल हैं उनकी वर्तमान मतदाता सूची में से मैपिंग के कार्य को तीव्रता के साथ किया जाए। अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व सीओ के समझाने पर हुआ शव का अंतिम संस्कार

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनी खेड़ा गांव में तीन माह पहले हुए अजीत हत्याकांड के बाद एक बार फिर तनाव फैल गया, जब बुधवार रात उसी प्रकरण से जुड़े मुख्य आरोपी अशोक निषाद के 80 वर्षीय पिता हीरालाल उर्फ मुनीम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपनी बेटी सरला के घर पत्नी महादेई के साथ रह रहे थे। घटना के समय उनकी गर्दन में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक की पत्नी महादेई की तहरीर पर पुलिस ने सोनू निषाद, राजकुमार, जितेंद्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मंटानी और मनोज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव मिश्रा कॉलोनी घाट लाया गया, लेकिन परिजनों ने जेल में बंद बेटों अशोक निषाद और विनोद निषाद को बुलाने की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इंकार कर दिया। परिजन शव लेकर घर लौट आए, जिसके बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अधिकारियों और समाजसेवियों की समझाने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए।

अंबिका में प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

अंबिका स्कूल में स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में मौजूद छात्र। अमृत विचार

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में भारत स्काउट और गाइड उन्नाव के तत्वावधान में तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन ध्वज अवतरण समारोह के साथ उत्साहपूर्वक हुआ।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने तंबू निर्माण, गांठ बांधना, पिरामिड, रंगोली और चोखा बाटी जैसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों में राष्ट्रसेवा, आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना सिखाते हैं। जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) नीता सिंह और रोवर स्काउट लीडर भरत कुमार ने विशेष सहयोग दिया। समापन समारोह में गाइड कैप्टन अंजू त्रिवेदी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

ऊनी चादर ने खोला पेट्रोल पंप की चोरी का राज

उन्नाव। सोहरामऊ में एक पेट्रोल पंप में हुई तीन लाख से अधिक की चोरी वहीं के सफाई कर्मी ने की थी। सीसीटीवी फुटेज में वह जो ऊनी चादर ओढ़ कर चोरी करते दिखा था। वह तेल कंपनी द्वारा कर्मचारियों को दो गई थी।

एसपी जयप्रकाश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में घटना खुलासा करते हुए बताया कि सोहरामऊ थानाक्षेत्र के कुशहरी गांव स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में तीन लाख की चोरी हुई थी। खुलासे के लिए एसओजी व सर्विलांस टीम को सोहरामऊ पुलिस की मदद के लिए लगाया गया था। टीम ने जांच की तो सीसीटीवी फुटेज में ऊनी चादर ओढ़ कर मुंह बंद किए व्यक्ति दिखा था। फुटेज में दिखाई दी चादर पेट्रोल पंप कर्मियों को दी गई थी। इससे साफ हुआ कि चोरी में पंप के ही किसी कर्मी का हाथ था। इसके बाद पुलिस ने पंप के सफाई कर्मी नीरज पुत्र सुन्दरलाल निवासी गांव भौली अजगैन को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई रकम बरामद हुई है। उसने बताया कि सुबह 4 बजे सफाई करने आता था। 3 नवंबर को वह अलमारी का ताला तोड़कर नगदी उठा ले गया था। इसके बाद उस दिन देर से ड्यूटी पर आया। लेकिन सर्विलांस की मदद से यह खुलासा हुआ कि घटना वाले दिन वह तीन बजे से पंप के पास था। तभी से पुलिस को उस पर शक था।

सिटी डायरी

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में नारीशक्ति का हुआ गौरवगान

शुक्लागंज। विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर, गंगानगर में शुक्रवार को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिशु वाटिका प्रमुख अलका, रत्ना, राधा व प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम सिंह के मार्गदर्शन में अतिथियों शिल्पी दीक्षित, निधि द्विवेदी, रश्मि शुक्ला व संगीता पांडेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य वक्ता रश्मि शुक्ला ने कहा कि मातृशक्ति ही परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण की धुरी है। निधि द्विवेदी ने नारी के सात गुण कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति व क्षमा को आत्मसात कर समाज निर्माण की बात कही।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में मौजूद नारी शक्ति।

कार्यक्रम में प्रेरणादायी नारियों की वेशभूषा में छात्राओं ने रानी लक्ष्मीबाई, माता सीता, दुर्गा, राधा और पार्वती के रूप में आकर्षक प्रस्तुति दी। संचालन सरिता ने किया और अंत में शिवांगी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर की अनेक माताएं, शिक्षिकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

नेपाल की हिमलुंग हिमाल पर तिरंगा फहराते एटीएस कमांडो आशीष दीक्षित।

डीएम के स्टीकर लगाते स्काउट लीडर भरत कुमार।

कमांडो आशीष दीक्षित ने नेपाल की हिमलुंग हिमाल पर फहराया तिरंगा

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कर्मी बिझलामऊ गांव निवासी उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष इकाई स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम के जांबाज एटीएस कमांडो आशीष दीक्षित ने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने नेपाल के मनांग जिले में स्थित दुर्गम हिमलुंग हिमाल पर्वत (ऊँचाई 7,126 मीटर) की चोटी पर तिरंगा फहराकर उन्नाव और प्रदेश पुलिस को गौरवान्वित किया। यह कठिन पर्वतारोहण अभियान 15 अक्टूबर से शुरू हुआ था, जिसका समापन 3 नवम्बर की रात 8 बजे -25 डिग्री सेल्सियस तापमान और हिमस्खलन के खतरे के बीच हुआ। कमांडो आशीष ने बताया कि हिमलुंग हिमाल की चढ़ाई उनके जीवन का सबसे कठिन और गौरवपूर्ण अनुभव रहा।

भारत स्काउट गाइड का स्थापना दिवस मनाया गया

उन्नाव। भारत स्काउट गाइड की जिला संस्था द्वारा 75वां स्थापना दिवस मनाया गया। पदाधिकारी को स्काउट गाइड का स्टीकर लगाकर सम्मानित किया गया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड नीता सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विश्व बंधुत्व व भारत में स्काउटिंग की व्यवस्था के लिए 7 नवंबर 1950 को भारत स्काउट गाइड की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर काउंसलर व रोवर स्काउट लीडर भरत कुमार ने संस्था अध्यक्ष जिलाधिकारी गौरांग राठी, जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्तको स्काउट गाइड झंडा (स्टीकर) लगाकर सम्मानित किया।

कार्तिक मेले में बच्चों ने झूलों का उठाया आनंद

झूला झूलते बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज। कार्तिक मेले के तीसरे दिन शुक्रवार को मेले में सुबह से ही भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी से पूरा मेला क्षेत्र गुलजार नजर आया। जहां बच्चे झूलों का आनंद ले रहे थे, वहीं महिलाएं घरेलू सामान, चकला-बेलन, चकवा और गृहस्थी से जुड़ी वस्तुओं की खरीददारी में व्यस्त रहीं। सुबह से शाम तक मेले में लोगों का तांता लगा रहा। चाट, गोलगप्पा और चाऊमीन की दुकानों पर भी अच्छी-खासी भीड़ रही।

आयोजन

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विकास भवन सभागार में देखा गया

भव्यता से मनी वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ

उन्नाव, अमृत विचार। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण शुक्रवार को विकास भवन सभागार में देखा गया और विभिन्न विद्यालयों में वंदे मातरम की धुन बजाई गई।

विकास भवन सभागार में सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्वेता मिश्रा, सीडीओ कृति राज की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि आज गर्व का दिन है कि हम सब लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ बना रहे हैं। सीडीओ कृतिराज ने कहा कि इस गीत ने देश को एकता के सूत्र में बांधने में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम ने उस समय की परिस्थितियों के अनुसार गुलाम देश में भाव बनाकर सभी लोगों को देश को आजाद करने के लिए एकजुट किया है।

बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में हुए कार्यक्रम : बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन, प्रभात फेरी व रैली मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। इसमें वंदे मातरम गीत का गायन व धुन बजाकर जन-जन तक संदेश पहुंचाया गया।

कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अधिकारी। अमृत विचार

7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक होंगे कार्यक्रम

वन्दे मातरम कार्यक्रम के नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक तेजवंत ने बताया कि जिले में वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चार चरणों में भव्यता पूर्ण कार्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कराए जाएंगे।

अमृत विचार

शनिवार, 8 नवंबर 2025

कोई भी गुस्सा हो सकता है– यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से, सही सीमा में, सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ, सही तरीके से क्रोधित होना, सभी के बस कि बात नहीं है और यह आसान भी नहीं है।

–अरस्तु, दार्शनिक

सख्त होती सरकार

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दो पूर्व क्रिकेटरों की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' यानी अपराध से अर्जित धन मानते हुए अटैच किया जाना, केवल एक जांचात्मक कार्रवाई ही नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे जुए और सट्टेबाजी के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जाहिर है, ईडी की यह कार्रवाई उसी सिलसिले की कड़ी है। बेशक, सरकार अब डिजिटल जुए के बढ़ते खतरे को आर्थिक अपराध की श्रेणी में लाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही है, जिसमें सेलिब्रिटी ब्रांडिंग और क्रिकेट की लोकप्रियता के नाम पर चलने वाले अवैध प्लेटफॉर्म्स पर कड़ा शिकंजा कसने जा रहा है। इस कार्रवाई का असर न केवल खेल जगत पर, बल्कि मनोरंजन उद्योग और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों पर भी गहराई से पड़ेगा। एजेंसियां अब यह तय करने में लगी हैं कि कौन से ई-स्पोर्ट्स गेम 'स्किल बेस्ड' हैं और कौन-से 'चांस बेस्ड' यानी जुए की श्रेणी में आते हैं।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर एकीकृत प्रभावी केंद्रीय कानून का अभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सरकार उन वेबसाइटों या ऐप्स को ब्लॉक कर सकती है, जो 'राष्ट्रीय सुरक्षा या जनहित के प्रतिकूल' हों, परंतु जुए और सट्टेबाजी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्यों पर है। कुछ राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना ने ऑनलाइन सट्टेबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ में इसे 'रेगुलेटेड एंटरटेनमेंट एक्टिविटी' के बतौर अनुमति है। यही असमानता इस पूरे क्षेत्र को कानूनी धुंध में ढके रखती है। पूरी तरह बैन लगाने से भी यह समस्या समाप्त होगी, कहना कठिन है। इससे लोग ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जहां भारतीय कानून का कोई नियंत्रण नहीं होता। इन विदेशी साइट्स पर डेटा प्रोटेक्शन, आयकर या उपभोक्ता अधिकारों की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में बैन के बजाय सख्त निगरानी और पारदर्शी नियमावली बनाना अधिक व्यावहारिक समाधान लगता है। बैन का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिकी से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री देश में लगभग 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां देती है और अरबों रुपये का निवेश आकर्षित करती है। यदि सभी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से प्रतिबंध लगाया गया, तो इससे न केवल रोजगार पर, बल्कि सरकार के कर राजस्व पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि ऑनलाइन बेटिंग के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग, काले धन के संग्रह और लालच, लत जैसी सामाजिक समस्याएं तेजी से फैल रही हैं, इसलिए सरकार को इस संदर्भ में संतुलित नीति बनानी होगी, जहां ई-स्पोर्ट्स जैसे कौशल-आधारित खेलों को बढ़ावा मिले, पर सट्टेबाजी और जुए के तत्वों को कड़ाई से दंडित किया जाए।

जरूरी है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक समेकित कानून बनाए, जो ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेमिंग और सट्टेबाजी के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। साथ ही, ईडी को ऐसे मामलों में महज सजा नहीं बल्कि निवारक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए, तभी इस डिजिटल युग के 'आभासी जुए' से देश को निजात मिल सकेगी।

प्रसंगवश

चुनाव में महज सियासी एजेंडा है बेरोजगारी

जब-जब लोकसभा या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव का समय आता है तो अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से एड़ी चोटी का जोर लगाती हैं। आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किन मुद्दों को लेकर ये अपनी उम्मीदवारी रख रही हैं। देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिनका समाधान इतने वर्षों से नहीं हुआ है। जनता त्रस्त है। आम जनमानस में गुस्सा भरा हुआ है। बिहार चुनाव में भी रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है, लेकिन पूर्व परिस्थितियों को देखते हुए इस बात का बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि ये वादे पूरे भी होंगे।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। बीते वर्षों में देश में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक बढ़ी है। यूं तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखें नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर नई भर्तियां बंद हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथ ही साथ प्राइवेट सेक्टर में तो हाल बहुत ही बुरा है।

अमृता पांडे

लेखिका

कोरोना के समय लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाईं। आज कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं। 2024 को जैमिनी युग का नाम दिया गया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी पर आधारित लैंग्वेज मॉडल है। एआई तकनीकी जगत में हलचल मचाने वाला सबसे बड़ा हथियार बन गया है। विभिन्न संस्थाओं में इंजीनियरिंग छात्रों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। छोटी-छोटी जगह में संसाधनविहीन कॉलेज खुले हैं। हर साल 15 लाख के लगभग छात्र पासआउट हो कर आते हैं, पर नौकरी एक से डेढ़ फीसदी छात्रों को ही मिलती है।

आईआईटी मुंबई के 36 प्रतिशत पासआउट हुए छात्रों को वर्ष 2024 में नौकरी नहीं मिली। द टाइम्स ऑफ इंडिया समेत कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में यह रिपोर्ट देखी थी। आईआईएम के छात्रों को नौकरी नसीब नहीं है। विश्वविद्यालय से पासआउट होने वाले छात्रों का भी यही हाल है। अर्थव्यवस्था बढ़ती तो रोजगार के द्वार भी अवश्य खुलते। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार 25 साल में नौकरियां में सबसे ज़्यादा कटौती हुई। रेलवे, पुलिस, पोस्ट ऑफिस में ढेरों पद खाली हैं। ईपीएफ में जुड़ने वाले कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है। कर्मचारियों पर काम का बोझ बहुत है और वे दूसरी नौकरी की तलाश में हैं। काम के घंटे बढ़ रहे हैं, जबकि मनोवैज्ञानिक काम के घंटों के बीच आराम की वकालत करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानव विकास संस्थान की इंडिया अपॉइंटमेंट रिपोर्ट-2024 के अनुसार देश में नियमित वेतन पाने वाले और स्वरोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। यह आकलन मुद्रा स्फीति की दर के आधार पर किया गया है। लगभग पौने दो करोड़ युवाओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में रोजगार की उम्मीद में वोट डाले थे। युवाओं का वोट बैंक राजनीतिक पार्टियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन फिर भी प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनाव पत्रों से रोजगार जैसे मुद्दे गायब दिखाई देते हैं। बेरोजगारी के कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव हैं, जैसे मानसिक तनाव, विवाह की उम्र में देरी होना, पारिवारिक कलह, जीवन से विरक्ति आदि। जरूरत है कि राजनीतिक पार्टियों थोड़ा संवेदनशीलता दिखाकर रोजगार जैसे गंभीर मुद्दों पर सोचें और विचारें।

ममदानी की जीत है, ट्रंप की राजनीतिक हार

विवेक सक्सेना

अयोध्या

न्यूयॉर्क के मेयर पद पर जोहरान ममदानी की जीत एक राजनीतिक संकेत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह एक बड़ा झटका भी माना जा रहा है।

हाल के वर्षों में, दुनिया भर के विभिन्न शहरों में भारतीय मूल के व्यक्तियों का मेयर बनना एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक घटना है। यह न केवल भारतीय प्रवासियों की सफलता की कहानी है, बल्कि उस बदलती वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य का भी प्रमाण है, जहां योग्यता और समावेशिता को महत्व दिया जा रहा है। जोहरान मामदानी ने न्यूयॉर्क सिटी की मेयर रेस जीतकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में हुए इस चुनाव में ममदानी की जीत से सबसे बड़ा झटका भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगा है, क्योंकि वो लगातार ममदानी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। ट्रंप ने उन्हें पागल कम्युनिस्ट तक कह दिया था। चुनाव से पहले चेतावनी दी थी कि अगर ममदानी जीते, तो न्यूयॉर्क की फेडरल फंडिंग कम कर दी जाएगी, बावजूद इसके 34 साल के ममदानी सबसे युवा मेयर बन गए।

उनकी जीत लेफ्ट-विंग एजेंडे पर आधारित थी, जिसमें अमीर-गरीब की खाई कम करना और शहर को सस्ता बनाना मुख्य मुद्दे थे। न्यूयॉर्क वैसे भी डेमोक्रेट्स का गढ़ माना जाता है और अब ममदानी की ऐतिहासिक जीत ने इस गढ़ को और मजबूत बना दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। ममदानी की जीत महज चुनावी जीत ही नहीं, एक राजनीतिक संकेत भी है कि कहीं ये अमेरिका में एक अलग तरह के ध्रुवीकरण का प्रतीक तो नहीं। भारतीय मूल के मुस्लिम प्रवासी ममदानी ने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रू कुओमो जो खुद भी डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को जिस तरह से पराजित किया है, उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

न्यूयॉर्क को अमेरिका के अमीरों का शहर कहा जाता है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार करीब 26 अमीरों ने ममदानी को रोकने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। ऐसे में उनकी जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है और एक नए युग का संकेत देती है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के रूप में ज़ोहरान ममदानी का चुना जाना यह दर्शाता है कि मेजबान देश अब रंग, नस्ल या मूल की परवाह किए बिना प्रतिभा को स्वीकार कर रहे हैं। यह उन देशों में समावेशी लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है, जहां प्रवासी समुदाय अब सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय नीति-निर्माता और नेता बन रहे हैं।

विदेशों में प्रवासी भारतीयों का उदय देश के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत भी है। ये नेता अनौपचारिक राजदूत के रूप में कार्य कर भारत और उनके मेजबान देशों के बीच विश्वास बनाने और संचार को सुगम बनाने में मदद कर सकते हैं। उनके कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंध मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है, हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन नेताओं को अक्सर अप्रवासी पृष्ठभूमि या धार्मिक पहचान के कारण आलोचना या पक्षपातपूर्ण हमलों का सामना करना पड़ता है। ममदानी के मामले में आव्रजन की स्थिति पर विवाद इसका उदाहरण है।

भारतीय मूल के व्यक्तियों का विदेशी शहरों में मेयर बनना, वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों की बढ़ती ताकत, प्रभाव और स्वीकृति का एक ज्वलंत उदाहरण है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है और दुनिया को यह संदेश देता है कि भारतीय प्रतिभाएं सीमाओं से परे जाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

भारतीय मूल का मुसलमान व्यक्ति, जैसे जोहरान ममदानी, विदेश के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का मेयर बनता है, तो भारत की विविधता एवं संप्रेषणशीलता की छवि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर मजबूती पाती है। इससे भारत का लोकतांत्रिक और बहुजातीय मॉडल विश्व में चर्चा का विषय बनता है। भारत के अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति की उपलब्धि विदेश में प्रवासी भारतीयों को आत्मसंतोष और सम्मान की भावना देती है। इससे प्रवासियों के बीच एक सकारात्मक उदाहरण स्थापित होता है कि भारत की विविधता बाहरी देशों में भी सफल हो सकती है। इससे युवाओं में सहभागिता और समाज के सभी वर्गों में सामंजस्य की भावना बढ़ती है।

भारतीय मूल के मुसलमान के विदेश में मेयर बनने से देश को राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि लोकतंत्र, विविधता और सहिष्णुता के रूप में मजबूत होती है, जिससे भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और समर्थन मिल सकता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत, धर्म, भाषा और परंपराओं का वैश्विक प्रचार होता है, जिससे भारतीय संस्कृति की पहचान और सम्मान विदेशों में बढ़ता है। इस तरह की उपलब्धि से सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और भारतीय कला, संगीत, साहित्य की वैश्विक लोकप्रियता बढ़ती है। विविधता में एकता का संदेश विश्व के सामने प्रस्तुत होता है। इससे प्रवासी भारतीयों में सांस्कृतिक गर्व और आत्मसम्मान की भावना मजबूती पाती है। इन लाभों के माध्यम से भारत न केवल वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति बढ़ा सकता है, बल्कि अपनी राजनीति और संस्कृति की विविधता एवं समावेशिता को नई पहचान दिला सकता है।

इस तरह की उपलब्धियां राजनीतिक जागरूकता, सामुदायिक संगठन, लॉबिंग और अपने अधिकारों के लिए सामूहिक स्वर मजबूत करती हैं। भारत के राजनीतिक हितों की वकालत राजनीतिक रूप से सक्रिय भारतीय डायस्पोरा भारत के हितों के संरक्षक और प्रवक्ता के रूप में काम कर सकते हैं, जिससे मेजबान देश की नीतियों पर सकारात्मक प्रभाव संभव है। ऐसे नेतृत्व से भारत के लिए निवेश, कूटनीतिक सहयोग और सांस्कृतिक विनिमय के नए अवसर खुल सकते हैं।

आमने

कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को कई अवसर दिए हैं। केवल कांग्रेस ने ही अल्पसंख्यकों को बड़े पद दिए हैं। कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस है।

–ए रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

सामने

कांग्रेस शासन में सबसे अधिक सांप्रदायिक दंगे हुए, तो वह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस का मतलब मुस्लिम है? हालांकि, यह सांप्रदायिक और बेहद आपत्तिजनक बात है। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हताश हैं, क्योंकि वह उपचुनाव हारने वाले हैं।

–एन रामचंद्र राव
भाजपा अध्यक्ष, तेलंगाना

गुप्त परमाणु हथियार परीक्षण की आशंकाएं

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि चीन और पाकिस्तान समेत कई देश गुप्त परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। अगर यह सच है तो दुनिया में एक बार फिर परमाणु बमों की होड़ शुरू होने के आसार हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा 'बयान-बम' फोड़ा है। विवादित बयानों को लेकर चर्चित ट्रंप ने दावा किया है कि चीन और पाकिस्तान गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण में लगे हैं। रूस और उत्तर कोरिया भी परमाणु परीक्षण कर अपने हथियारों की ताकत टटोल रहे हैं। ये देश कभी भी यह बात स्वीकारने को तैयार नहीं हैं कि वे परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। ये देश भूमि की बहुत गहराई में परीक्षण करते हैं, इसलिए इनके परीक्षण की आहट किसी के कानों में नहीं गूंजती है। इन देशों के लोग खुले समाज का हिस्सा नहीं हैं, अतएव यहां की जानकारियां गोपनीय बनी रहती हैं।

यह बात ट्रंप को इसलिए कहनी पड़ी, क्योंकि अमेरिका 30 साल बाद अपने परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से करने का फैसला ले चुका है। इसलिए उन्होंने अपनी सरकार के फैसले को पाक और चीन के परीक्षणों के परिप्रेक्ष्य में तार्किक ठहराने के लिए कही है। यह बात ट्रंप ने न्यूज चैनल सीबीएस से बात करते हुए कही है।

दरअसल रूस द्वारा ट्रंप से पूछा गया था कि 'क्या वे एडवांस न्यूक्लियर-कैपेबल सिस्टम, जिसके द्वारा पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन गतिविधि शामिल है, उसके परीक्षण के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण भी करेंगे?' इसके उत्तर में ट्रंप ने कहा, 'उनके पास किसी भी दूसरे देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इन हथियारों से दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है। हम इन्हें नहीं परखते, किंतु जब दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं, तब हमें भी करने की जरूरत है।

ट्रंप ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के बुसान नगर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने से पहले अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने का बयान दिया था। पानी के भीतर पोसाइडन ड्रोन प्रणाली एक ऐसी तकनीक है, जिसमें रोबोटिक वाहन पानी के नीचे सक्रिय रहते हैं। ये स्वायत्त रूप से संचालित रहने के साथ इन्हें रिमोट के जरिए दूर से भी संचालित किया जा सकता है। ये ड्रोन पनडुब्बी वाहनों के समान होते हैं, जो बिना किसी मानव के पानी के नीचे संचालन और अनुसंधान के लिए होते हैं।

किसी भी परमाणु हथियार संपन्न देश को परमाणु परीक्षण की जरूरत इसलिए होती है, क्योंकि परमाणु बम के लिए जरूरी यूरेनियम को संवर्धन (एनरिच) करना होता है। यह प्रक्रिया एक तकनीकी परीक्षण हैं। परमाणु परीक्षण की घोषणा किसी भी देश की ऐसी युद्ध रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह शत्रु देश को अपनी ताकत का अहसास कराता है। भारत ने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। अब चीन और पाक द्वारा गोपनीय रूप में परमाणु परीक्षण की बात सामने आई है। अतएव इन देशों से भारत को परमाणु हमले का खतरा बढ़ गया है, इसलिए भारत को भी अपने परमाणु हथियार दागने की तकनीक का परीक्षण करना जरूरी हो गया है, हालांकि भारत का सिद्धांत पहले परमाणु हमला नहीं करने का है, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि अब हम इस वचन के पालन के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं। पहले भी हमला कर सकते है। वैसे भी भारत ने परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने वाली संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के कई देश न केवल परमाणु परीक्षण करने में लगे हैं, बल्कि घातक परमाणु हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ में भी लगे हैं। स्टॉकहोम स्थित 'अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (एसआईआरआई) के एक अध्ययन ने दावा किया है कि चीन के पास 350, पाकिस्तान 165 और भारत के पास जनवरी 2021 तक 156 परमाणु हथियार मौजूद थे। ये तीनों पड़ोसी देश अपने परमाणु शस्त्रागारों का विस्तार कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस समय 13,080 परमाणु हथियार दुनिया के देशों के पास हैं। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रूस और अमेरिका के पास हैं।

इनके अलावा ब्रिट्रेन, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास भी हथियारों का बड़ा जखीरा है। चीन परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ाने के साथ उनका तकनीकी रूप से आधुनिकीकरण भी कर रहा है। इस समय रूस के पास 6,255, अमेरिका 5,550, फ्रांस 290, ब्रिट्रेन 225, इजराइल 90 और उत्तर कोरिया के पास 40-50 परमाणु हथियार हैं। ट्रंप तो सरेआम कह रहे हैं कि हमारे पास दुनिया को 150 बार तहस-नहस करने की परमाणु क्षमता है।

अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआईए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट की बात मानें तो पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खूंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं। एक आतंकवाद, दूसरी ढह रही अर्थव्यवस्था और तीसरे परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण।

आर्थिक संकट के ऐसी ही बद्तर हालात से उत्तर कोरिया जूझ रहा है। मानव स्वभाव में प्रतिशोध और ईर्ष्या दो ऐसे तत्व हैं, जो व्यक्ति को विवेक और संयम का साथ छोड़ देने को मजबूर कर देते हैं। इस स्वभाव को क्रूरतम परिणति में बदलते हम अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर किए परमाणु हमलों के रूप में देख चुके हैं।

सोशल फोरम

जब एक्सरे के खतरे से वाकिफ नहीं थी दुनिया

कलम रंगदार

ब्लॉगर

यह तस्वीर लगभग 1900 के आसपास रॉयल लंदन हॉस्पिटल के एक एक्स-रे तकनीशियन के हाथ की है। इसमें उस नुकसान को दिखाया गया है, जो बार-बार विकिरण (radiation) के संपर्क में आने से हुआ। उस समय तकनीशियन हर सुबह अपनी मशीन को जांचने और सेट करने के लिए अपने ही हाथ का एक्स-रे लिया करते थे। आप सोच सकते हैं- वे इसके बजाय मांस का टुकड़ा या चिकन की टांग क्यों नहीं इस्तेमाल करते थे?

असल में, 1900 के दशक में लोगों को विकिरण के खतरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सबको लगता था कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। उस समय एक्स-रे मशीनें इतनी नई और आकर्षक चीज थीं कि कई लोग घर पर खुद की एक्स-रे मशीनें बना लेते थे- शौक के तौर पर। दुर्भाग्य से, बाद में उन शुरुआती लोगों को गंभीर बीमारियों, कैंसर और हाथ-पैर कटवाने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा।

एक्स-रे की खोज सिर्फ कुछ साल पहले, 1895 में विल्हेम कॉनराड रॉन्टजन (Wilhelm Conrad Rntgen) नाम के एक जर्मन इंजीनियर और भौतिक वैज्ञानिक ने की थी। उन्होंने इन किरणों को 'एक्स-रे' इसलिए कहा क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि यह वास्तव में क्या हैं, इसलिए उन्होंने 'X' का इस्तेमाल 'अज्ञात' के प्रतीक के रूप में किया।

कुछ यूरोपीय देशों में आज भी इन्हें 'रॉन्टजन रे' कहा जाता है, उनके सम्मान में। रॉन्टजन ने अपनी खोज का पेटेंट नहीं कराया, क्योंकि उनका मानना था कि यह खोज मानवता के भले के लिए सबके लिए मुफ्त उपलब्ध होनी चाहिए। उनके इस अद्भुत आविष्कार के लिए उन्हें 1901 में पहला नोबेल पुरस्कार (भौतिकी) दिया गया।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जलवायु जोखिम से शेयर धारकों की संपत्ति पर असर

भारत में जलवायु जोखिम अब सीधे शेयरधारकों की संपत्ति, कंपनियों की डिविडेंड यील्ड और ऊर्जा कंपनियों की बैलेंस शीट को प्रभावित कर रहा है। एक तरफ बिजली की मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है, तो दूसरी तरफ असमान मानसून, हीटवेव और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाएं ईंधन आपूर्ति, उत्पादन दक्षता और पूंजीगत निवेश योजनाओं को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2024–25 में भारत ने अधिकतम 250 गीगावॉट बिजली की मांग को पूरा किया, जो दर्शाता है कि बिजली की खपत कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन इतनी ऊंची मांग को पूरा करने के लिए कंपनियों को बढ़ती इनपुट लागत, महंगे ईंधन और ऋण पर बढ़ते ब्याज की चुनौती झेलनी पड़ रही है, जिससे उनका लाभांश वितरण और नकदी प्रवाह कमजोर पड़ रहा है।

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

वैश्विक स्तर पर 2024 में फॉसिल ईंधन से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 37.4 बिलियन टन तक पहुंच गया, जो नया रिकॉर्ड है। भारत का योगदान लगभग 8% रहा और यह वर्ष दर वर्ष लगभग 4.6% की दर से बढ़ा। यह दर्शाता है कि भारत की ऊर्जा उत्पादन संरचना अभी भी कोयले पर अत्यधिक निर्भर है। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस दिशा में काम करने के लिए ऊर्जा कंपनियों को भारी पूंजी निवेश करना पड़ रहा है। यह निवेश उनकी बैलेंस शीट पर दबाव डालता है, जिससे उनका ऋण अनुपात बढ़ता है और लाभांश भुगतान की क्षमता घटती है।

30 सितंबर 2025 तक भारत की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 500.89 गीगावॉट तक पहुंच गई है। इसमें गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता का हिस्सा 50 फीसद से अधिक हो गया है, लेकिन वास्तविक बिजली उत्पादन में इन स्रोतों का योगदान अभी भी लगभग 22% के आसपास है। इसका कारण है कि सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर हैं और इनके लिए बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण और ट्रांसमिशन निवेश की आवश्यकता होती है। इन परियोजनाओं में प्रारंभिक निवेश अधिक होता है और रिटर्न लंबी अवधि में आता है, जिससे कंपनियां अल्पावधि में डिविडेंड की बजाय पुनर्निवेश को प्राथमिकता देती हैं।

वर्ष 2024 के मानसून में जहां उत्तर और पश्चिम भारत में अत्यधिक वर्षा हुई, वहीं दक्षिण भारत के कई हिस्सों में सूखा जैसी स्थिति बनी रही। इस असमान मौसम ने जलविद्युत उत्पादन को प्रभावित किया और कोयला परिवहन में बाधा पहुंचाई। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी और उनके EBITDA मार्जिन में 3–4 फीसदी की गिरावट आई। उदाहरण के लिए, NTPC और टाटा पॉवर जैसी कंपनियों को अपने तापीय संयंत्रों में कोयला लागत बढ़ने और नवीकरणीय परियोजनाओं में अतिरिक्त निवेश के कारण अपने डिविडेंड पेआउट अनुपात में 25–30 प्रतिशत की कटौती करनी पड़ी।

CO उत्सर्जन के साथ-साथ, कार्बन टैक्स और ग्रीन कंप्लायंस जैसे नियमों के कारण ऊर्जा कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। प्रति मेगावॉट बिजली उत्पादन पर औसतन 450–600 रुपये की अतिरिक्त लागत कार्बन उत्सर्जन से जुड़ी अनुपालन गतिविधियों पर खर्च हो रही है। इसके चलते कंपनियों की नकदी प्रवाह पर दबाव बन रहा है और डिविडेंड वितरण में कमी आ रही है। दूसरी ओर, निवेशक अब कंपनियों की ESG रेटिंग और जलवायु नीतियों को उनके मूल्यांकन में शामिल करने लगे हैं। जिन कंपनियों का कार्बन फुटप्रिंट अधिक है, उनके शेयर मूल्यों में गिरावट देखने को मिली है, जबकि हरित ऊर्जा की दिशा में काम करने वाली कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

चंद्राकार पर्वतों की नगरी चंदेरी

चंद्राकार पर्वतों की गोद में विन्ध्य पर्वत श्रृंखला में आबाद मालवा का प्रवेश द्वार चंदेरी को अपनी शानदार विरासत के लिए यहां की कला एवं हस्तशिल्प को यूनेस्को की विश्व धरोहर की क्रियेटिव सिटी की सूची में नामित किया गया है। ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध चंदेरी पर प्रकृति ने खूब मेहरबानी की है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों वनों और झरनों की खुशबू से लेकर कला और पुरासंपदा, ऐतिहासिक किले चंदेरी को खास बनाते हैं। चेदि राज्य की अतीत में राजधानी रही वर्तमान चंदेरी प्रतिहार वंश के प्रतापी राजा कीर्तिपाल की ऋणी है, जिनके शासनकाल में बूढ़ी चंदेरी के स्थान पर नई चंदेरी को दशमी/ग्यारहवीं शताब्दी में बसाया गया था। महाभारत काल से काल के थपेड़े सहता रहा यह नगर अभी भी रहस्य ही है। कवि कालिदास ने मेघदूत के विदिशा जाने वाले मार्ग पर प्राचीन नगरी के संदर्भ में भले ही स्पष्ट संकेत नहीं दिए, पर इतिहास बताता है कि गुप्तवंश, प्रतिहारवंश, मुस्लिम आक्रांताओं, बुंदेला राजपूतों एवं सिंधियाओं ने यहां पर शासन किया।

सुरेंद्र अग्निहोत्री
लखनऊ

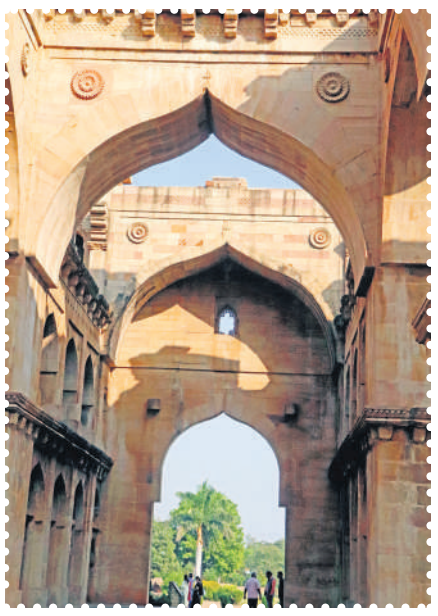

वर्तमान चंदेरी नगरी को प्रतिहारवंश महाराज कीर्तिपाल कुरुमदेव ने दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के बीच बसाया था। नगरी का विस्तार 30 मील तक का था। मुगलकाल में इसकी जनसंख्या 1 लाख 75 हजार बताई गई है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण आज भी उत्तर-पश्चिम में बूढ़ी चंदेरी, हंसारी, दक्षिण पूर्व में बेंहटी, बारी, तपाई, पंचमनगर, दक्षिण-पश्चिम में थूबोनजी, सीतामढ़ी, ख्यावदा, बीठला, भियांदात आदि हैं। इस समूचे क्षेत्र में पुरातत्व महत्व की विपुल सामग्री यत्र-तत्र बिखरी हुई है। राजवंशों के कार्यकाल में अनेकों उत्कृष्ट श्रेणी के निर्माण कार्य हुए हैं, जो स्थापत्य कला के अनूठे प्रमाण हैं। शिलालेखों से पता चला है कि यहां स्थापत्य कला गुप्तकाल की है। चंदेरी नगरी के अनेक नयनाभिराम मंदिर, मस्जिद, मठ, सराय, मकबरे, बावड़ियां, महल एवं किला आदि उल्लेखनीय हैं। चंदेरी नगरी 7 परकोटों के बीच बसी हुई थी, जिनमें अनेक प्रवेश द्वार थे। मुख्य दरवाजों के नाम यथा- दिल्ली दरवाजा, ढोलिया दरवाजा, खिड़की दरवाजा, पखन दरवाजा, पिछारे दरवाजा, रेतबाग का दरवाजा, बिना नींव का दरवाजा, बादल महल का दरवाजा, जौहरी दरवाजा एवं कटी घाटी दरवाजा के नाम से आज भी प्रचलित हैं।

वीर भूमि बुंदेलखंड की स्थापत्य कला का बेजोड़ स्थल 'कीर्ति दुर्ग' इतिहास के उस कालखंड का चंदेरी मुस्लिम आक्रांताओं के रक्तपात की शिकार बनी। चंदेरी राज्य का मुख्य प्रवेश द्वार खूनी दरवाजा कहलाता है। यह द्वार राजा मेदनीराय की वीरगति का साक्षी है। 28 जनवरी सन् 1528 को बाबर ने पहाड़ों को काटकर हमला किया था। यह स्थल कटी घाटी के नाम से प्रसिद्ध है। यह युद्ध के संदर्भ में बाबर द्वारा लिखित पुस्तक "तुजक-ए-बाबरी" के अनुसार दिसंबर, 1527 में बाबर ने चंदेरी में प्रवेश का मार्ग उत्तर दिशा से चुना और अपनी सेना का शिविर बत्तीसी बावड़ी पर स्थापित कर जनवरी, 1528 में युद्ध के नगाड़े बजा दिए। बाबर ने चंदेरी को चारों ओर से घेर लिया। राजपूतों ने दुर्ग बचाने के लिए भीषण प्रतिरोध किया, लेकिन विजय लुटेरे बाबर को मिली, तो हजारों क्षत्राणी वीरांगनाओं ने अपने सतीत्व की रक्षा के लिए विक्रम संवत् 1584, माघ सदी 8, बुधवार को किले में ही एक तालाब के किनारे जौहर किया। इस जौहर में मेदनीराय की पत्नी मणिमाला तथा उनकी सहेली ने भी अपने आपको शामिल किया। यह जौहर अपने आप में तत्कालीन राजाओं के चरित्र को इंगित करता है। इस स्थल पर एक स्तंभ बना है। इसके निर्माण में ग्वालियर राज्य ने सहयोग किया था। स्तंभ पर सुरुचिपूर्ण ढंग से जौहर के दृश्य के अतिरिक्त स्वर्ग में शिवपूजन का दृश्य अंकित है। समीप ही संगीत सम्राट 'बैजू बावरा' की समाधि एकांत में अपने अतीत की गाथा सुना रही है। इसी पहाड़ी पर किला कोठी है, जिसका संचालन लोक निर्माण विभाग के अधीन है। नौ खड़ा महल कभी चंदेरी राज्य का सबसे सुंदर महल था। आज खंड-खंड हो चुका है। स्मृति शेष पाषाण खंड अपने सुनहरे दिनों को ताजा किए है।

प्राचीन काल में चेदि राज्य पर राजा शिशुपाल का शासन था। इस राज्य के अवशेष मात्र ही शेष हैं। लोकश्रुति के अनुसार राजा शिशुपाल ने, जो भगवान कृष्ण से ईर्ष्या रखता था, अपने राज्य में प्रजा को मोर मुकुट के आकार युक्त जूते पहनवाए, जो यदाकदा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। चंदेरी में वैसे तो अनेक तालाब हैं, लेकिन 'परमेश्वर तालाब' का विशेष महत्व है। इसके घाट पर बना लक्ष्मण मंदिर का प्रतिबिंब अपनी अनोखी आभा प्रस्तुत करता है।

दर्शनीय स्थल

- **चंदेरी का किला-** ग्यारहवीं शताब्दी में कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चार मील से अधिक लंबी चंदेरी की दीवार, चंदेरी के इतिहास की मूक साक्षी है। परकोटे के अंदर बुंदेलखंड स्थापत्य के नौखड़ा महल और हवा महल दर्शनीय है।
- **जागेश्वरी देवी मंदिर :-** यह प्राचीन मंदिर पर्वत की एक खुली गुफा में स्थित है, इसकी मूर्ति स्वयंभू है। लोकश्रुति के अनुसार मां जागेश्वरी ने यहां के राजा को स्वप्न में कहा था कि मुझे नौ दिन नहीं देखा, तो मैं पूर्ण रूप में प्रकट हो सकती हूं। दर्शन की तीव्रता के कारण तीसरे दिन द्वार खोलने के कारण सिर्फ शीर्ष भाग ही मिला, जो मंदिर में स्थापित है। मंदिर के पास बना आकर्षित करता तालाब चंदेल कालीन कला का अनुपम उदाहरण है।
- **बूढ़ी चंदेरी :-** मौजूदा चंदेरी से 22 किमी की दूरी पर स्थित हैं। यहां 55 जैन मंदिरों के अवशेष मिलते हैं।
- **थूबोन जी :-** चंदेरी से 28 किमी की दूरी पर स्थित यहां दिगंबर जैन समाज के 16 जैन मंदिर हैं। निकट ही थूबोन नाम का एक ग्राम है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग का मूर्ति संग्रहालय तथा इसके आसपास दसवीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिर उल्लेखनीय हैं।
- **बैंहटी मठ :-** चंदेरी से 18 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व दिशा में घने जंगलों के बीच स्थित यह मठ गुप्तकाल में तांत्रिकों की साधनास्थली रहा है। इसके 16 स्तंभों को पत्थर की बारीक कटाई से शेर, हाथी, मोर, घोड़े, हिरण, कमल के फूल एवं देवी देवताओं से सुसज्जित किया गया है।
- **देवी प्रतिमा-** चंदेरी से 12 किमी दूर वेदी की एक विलक्षण प्रतिमा है, जो अत्यंत प्राचीन एवं मनमोहक है।
- **खंदारगिरि-** यह स्थल चंदेरी से 2 किमी की दूरी पर दक्षिणांचल में स्थित। यहां पर सत्रहवीं शताब्दी से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक की विशाल और भीमकाय शैल प्रतिमाएं बनी हुईं हैं।
- **दिल्ली दरवाजा :-** इस विशाल एवं कलात्मक द्वार का निर्माण दिलावर खां गौरी ने 1411 में निर्मित कराया था। इस महल के नीचे एक विशाल तालाब है, जहां हमेशा कमल के फूल खिले रहते हैं। यह तालाब बड़ा ही रमणीक लगता है। इसका निर्माण होशंगशाह गौरी ने 1433 ई. में कराया था।
- **कौशल महल :-** चंदेरी नगर से 4 किमी दूर फतेहाबाद गांव के पास मालवा के सुल्तान महमूद शाह प्रथम के द्वारा निर्मित 'कौशल महल' अपने अनूठी शैली के कारण मोहित करता है। चौकोर महल के चार प्रवेश द्वार हैं। यह विशाल महल वर्गाकार अफगान शैली में बना है तथा स्थापत्य कला का उकृष्ट नमूना है। इसका निर्माण महमूद खिलजी ने जौनपुर की जीत की खुशी में 1445 ई. में कराया था एवं इसका नाम कौशकेहफ्त मंजिल रखा था।
- **बत्तीस बाबड़ी :-** चंदेरी से 2 किमी दूर उत्तर-पश्चिमी दिशा में तत्कालीन गर्वनर शेरखां ने सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी के आदेशानुसार 1485 ई. में बत्तीस बावड़ी का निर्माण कराया था। इसमें पानी का स्तर हर घाट पर बराबर रहता है। यह बाबड़ी चंदेरी की 1200 बाड़ियों में विशेष स्थान रखती है।
- **जौहर स्मारक :-** चंदेरी के दक्षिण में चन्द्रगिरि पर्वत के ऊपर, किले के समीप जौहर स्मारक स्थित है। 1528 ई. में जब मुगल बादशाह बाबर ने महाराजा मेदनी राय को पराजित कर यह प्रसिद्ध दुर्ग छीना, तब 1500 राजपूत वीरांगनाओं में अपने सतीत्व की रक्षा के लिए जीवित ही अपने को अग्नि में समर्पित कर जौहर व्रत निभाया था। यह स्मारक इस घटना की याद दिलाता है।

ऐसे पहुंचें चंदेरी

वायु सेवा- ग्वालियर 259 किलोमीटर, भोपाल 258 किलोमीटर निकटवर्ती हवाई अड्डे हैं।

रेल सेवाएं- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई मुख्य रेल मार्ग पर निकटवर्ती रेलवे स्टेशन ललितपुर (36 किमी), झांसी (124 किमी), मुंगावली (38 किमी) और अशोक नगर (46 किमी)।

सड़क मार्ग- शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना इंदौर, झांसी, ललितपुर, टीकमगढ़, विदिशा, सांची, भोपाल के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है।

अनुकूल मौसम :- जुलाई से मार्च।

गलती से मिली सीख बनी सच्ची पहचान

आपबीती

वर्ष 1980 की बात है। पिता चंपावत जिले के सुदूर गांव तरकुली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। मैं तब कक्षा एक में था। शाम के समय पिताजी खाना बनाने की तैयारी करते और मैं पास ही बैठकर बीबीसी रेडियो पर समाचार लगाया करता। उन्होंने मुझे एक एटलस देकर कहा कि समाचार में जिस देश का नाम आए, उसे नक्शे पर खोजकर दिखाना है। यह रोजाना का क्रम था। एक दिन वेस्टइंडीज के क्रिकेट मैच की चर्चा चल रही थी। मैं नक्शे में उसे ढूंढने लगा, पर कहीं नहीं मिला, जब मैंने पिताजी को बताया कि यह देश नहीं मिल रहा, तो उन्होंने गुस्से में एक थप्पड़ लगा दिया। बाद में जब खुद उन्हें भी वेस्टइंडीज नहीं मिला, तो वे शर्मिंदा हुए। अगले दिन वे पास के जूनियर हाईस्कूल गए, जानकारी जुटाई और विद्यालय में सभी के साथ साझा की। तभी उन्होंने सिखाया कि गलती मानना और उससे सीखना ही सच्चे शिक्षक की पहचान है। वेस्टइंडीज कोई देश नहीं, बल्कि कैरेबियाई द्वीपों का समूह है, जो खेलों में एक इकाई के रूप में भाग लेते हैं। यह ज्ञान तो बाद में मिला, पर उस घटना ने मुझे सीख दी कि सच्ची शिक्षा वही है, जो जिज्ञासा को जीवित रखे और सत्य की खोज में ईमानदारी बरते।

एक और घटना मेरे बचपन की यादों में दर्ज है। जब मैं कक्षा तीन में था, पिताजी ने मुझे ब्लैकबोर्ड पर गणित का सवाल हल करने को कहा-एक भैंस का मूल्य सात सौ पच्चीस रुपये है। मैंने लिखा 70025 रुपये, उस समय समझ नहीं पाया कि सात सौ पच्चीस का अर्थ 725 होता है, न कि सत्तर हजार पच्चीस। गलती पर डांट और कुछ थप्पड़ भी पड़े, पर बाद में वही गलती मेरे जीवन की सबसे बड़ी सीख बनी। आज, जब मैं स्वयं गणित का प्राध्यापक हूं, तो समझ पाता हूं कि बच्चों को सिखाने का अर्थ सिर्फ सही उत्तर दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समझाने और दृश्य रूप में दिखाने का हुनर सिखाना है। शिक्षा संस्थानों में आज भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन यदि हम ईमानदारी और लगन से अपना कार्य करते रहें, अपनी गलतियों से सीखते रहें और उस सीख को साझा करें तो यही सच्ची शिक्षा है।

डॉ. नरेंद्र सिंह सिजवाली
असिस्टेंट प्रोफेसर
एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी

लव बर्ड्स

लस्सी पर किया प्रपोज

मई 2018 की एक तपती दोपहर में वेटर ने तेजी से लस्सी के दो कुल्हड़ मेज पर रखें। उनमें से एक कुल्हड़ हल्का-सा डगमगाया, लेकिन एक नाजुक से हाथ ने उसे थामकर गिरने से बचा लिया। सामने बैठे लड़के को लगा कि जैसे डगमगाता हुआ कुल्हड़ और उसे थामने वाला हाथ उसका भविष्य हो।

इतने शॉर्ट नोटिस में, तपती धूप में भूखी-प्यासी कई ऑटो-टेपो बदलकर इस छोटे से रेस्तरां तक पहुंची लड़की वैसे तो भीतर ही भीतर झल्लाई हुई थी, पर फिर भी खुद को शांत रखते हुए धीमे से लस्सी का एक सिप लिया और पूछा- "हमें तो बच्चों के पास संडे को जाना था, आपने अचानक मुझे यहां क्यों बुला लिया?"

लड़के ने रेस्तरां के हल्के नीले कांच के बाहर कुछ यूं देखा जैसे शब्द तलाश रहा हो। फिर अपनी आंखों से काला चश्मा उतारकर मेज पर रखा और सीधे लड़की की आंखों में देखते हुए कहा- "मुझसे शादी कर लीजिए।" "क्या मतलब?" लड़की लस्सी और शब्दों को साथ में घोलती हुई बोली- "आप समझ रहे हैं कि क्या बोल रहे हैं?"

"हां! देखिए, आप मेरा अतीत और वर्तमान सब जानती हैं। मेरे घर वालों को भी आप पसंद हैं और कहीं न कहीं आपको तो शादी करनी ही है न, तो मुझसे ही कर लीजिए।" लड़का, लड़की के ऊपरी होंठ पर लगी लस्सी की सफेद मूंछ को देखते हुए एक सांस में बोल गया। "नहीं, करनी नहीं है। मेरी शादी करीब-करीब फाइनल हो गई है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बैंगलोर में। यहीं स्वरूप नगर में मकान है उनका और अब तो सगाई की डेट फाइनल होने वाली है।" लड़की ने सारी संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर यानी लाखों में कमाई और मैं एक अदना-सा कलम घसीटने वाला लेखक, जिसके नाम के साथ बदनामी ज्यादा जुड़ी है। उसका बड़ा घर और मेरा खानाबदोश-सा जीवन। उसका बेहतर और चमकदार भविष्य और मैंने तो आज तक आने वाले कल के बारे में सोचा तक नहीं। लड़का खुद-ब-खुद उस सॉफ्टवेयर इंजीनियर से अपनी तुलना करने लगा। लड़की भी चुप थी। उनके बीच का मौन अतीत बोल रहा था। उन्हें याद आ रहा था- एक व्हाट्सएप ग्रुप में पहली बार बात होना, हर इतवार साथ में अनाथ बच्चों के पास जाना, लड़के की किसी लड़की से दस साल पुरानी मोहब्बत का अंत होना और उस दौरान लड़की का उसे एक अच्छी दोस्त की तरह संभालना। कितना कुछ था, जो सिर्फ "प्रेम" शब्द में परिभाषित नहीं हो सकता था।

"ठीक है पर अगर तुम मुझसे शादी करती हो, तो तुम्हें अपना शहर भी नहीं छोड़ना होगा और मैं तुम्हें खुश रखूंगा।" लड़के ने अंतिम बात कहकर आंखों पर चश्मा लगाते हुए वेटर को बिल लाने का इशारा किया।

लड़की जानती थी, एक तरफ बैंगलोर वाला अनजान लड़का है और दूसरी तरफ उसका थोड़ा-सा अजीब दोस्त। एक तरफ सब सेट और एक तरफ सिर्फ संघर्ष, लेकिन वह जानती थी कि उसका दोस्त अब उसकी उम्र भर के लिए जरूरत है। "सगाई की डेट अभी फाइनल नहीं हुई है, शायद अब हो भी न।" लड़की ने हल्की-सी मुस्कान के साथ कहा। "मतलब क्या?" अब हैरानी की बारी लड़के की थी। "मतलब लस्सी पिलाकर प्रपोज करने का तरीका एकदम घटिया था लेखक महोदय, पर फिर भी मैं इसे मना नहीं कर रही हूं। बाकी घर जाकर बताती हूं।"

आज वह लड़का और लड़की इस शहर में "मृदुल-प्रिया" के नाम से जाने जाते हैं। लोग उन्हें प्रेम नहीं, दो अस्तित्वों की पूर्णता कहते हैं।

-मृदुल और प्रिया

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,216.28	25,492.30
गिरावट	94.73	17.40
प्रतिशत में	0.11	0.07

सोना 1,24,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 8 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीएचईएल को मिला 6,650 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। सार्वजनिक इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में दर्लीपाली सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में 800 मेगावाट की इकाई स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से 6,650 करोड़ का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि बीएचईएल को एनटीपीसी से 1x800 मेगावाट दर्लीपाली एसटीपीपी के दूसरे चरण का ठेका मिला है। यह ठेका इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) कार्यों से संबंधित है। इसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग, उपकरणों की आपूर्ति के साथ निर्माण और उसे चालू करने का काम भी है। इसका आकार जीएसटी छोड़कर 6,650 करोड़ है। इसे 48 महीने में पूरा करना है।

स्टड्स की शुरुआत धीमी, 3% लुढ़का

नई दिल्ली। हेलमेट विनिर्माता स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 585 के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शुरुआत निर्गम मूल्य से 2.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 570 रुपये पर हुई। एनएसई पर यह 3.41 प्रतिशत फिसलकर 565 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,255.54 करोड़ रहा। स्टड्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन शुक्रवार को 73.25 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 455 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 557-585 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया था।

3,145 करोड़ में वेलस्पन बनाएगा जल शोधन संयंत्र

नई दिल्ली। वेलस्पन एंटरप्राइजेज लिमिटेड (डब्ल्यूईएल) को महाराष्ट्र के पंजरापुर में 91 करोड़ लीटर प्रतिदिन क्षमता के जल शोधन संयंत्र के डिजाइन, निर्माण और परिचालन के लिए 3,145 करोड़ का नया ठेका मिला है। वेलस्पन ने कहा कि उसने इस परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता के रूप में जल प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अग्रणी वेओलिया के साथ साझेदारी की है। इस परियोजना में व्यापक सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यों के साथ उपयारित जल संप व पंपिंग स्टेशन का निर्माण भी शामिल है।

आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे : मल्होत्रा

केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा- साहस की आवश्यकता के कारण बैंक मानदंडों में दी गई ढील

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन साहस दिखाने की आवश्यकता के कारण हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आयोजित बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि बैंकों पर अधिक जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर कामकाज के कारण हैं। केंद्रीय बैंक के पास किसी भी गलत व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं। आरबीआई सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता है। कोई भी नियामक 'बोर्डरूम' के निर्णय का स्थान नहीं ले सकता है और न ही उसे ऐसा करना चाहिए।

मुंबई में एसबीआई के सभा को संबोधित करते संजय मल्होत्रा।

- **कहा- केंद्रीय बैंक के पास गलत व्यवहार पर लगाम लगाने को पर्याप्त साधन मौजूद**

प्रत्येक मामले को विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। आरबीआई ने पिछले महीने कई उपायों की घोषणा की थी जिनमें बैंकों को घरेलू अधिग्रहणों के लिए धन मुहैया कराने और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए विदेशी उधारी लेने की अनुमति देना शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद से मल्होत्रा ने कारोबार को आसान बनाने और किसी भी कदम की घोषणा करने से पहले नियमों को ध्यान में रखने पर जोर दिया है।

मल्होत्रा ने इन कदमों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि जबकि हम सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं, हमें साहस भी दिखाना होगा। अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करने से वृद्धि पर दीर्घकालिक प्रभाव होगा जिससे लागत बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक को आर्थिक संदर्भ के प्रति सचेत रहने और संतुलन बनाने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट कंपनियों को विदेश से उधार लेने की अनुमति देने के कदम पर मल्होत्रा ने कहा कि ईसीबी की अनुमति केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के अनुरूप परियोजनाओं के लिए है। किसी भी सट्टा गतिविधि या भूमि खरीद के लिए यह प्रतिबंधित रहेगा।

30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय क्षेत्र में और सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसमें स्वीकार किया गया कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने, और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की विस्तृत शृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का संयुक्त कार्यक्रम एफएसएपी है, जो किसी देश के वित्तीय क्षेत्र का व्यापक और गहन विश्लेषण करता है। वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम (एफएसएपी) सितंबर 2010 से प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय क्षेत्रों वाले क्षेत्राधिकारों के लिए अनिवार्य हो गया है। इस समय भारत सहित 32 क्षेत्राधिकारों के लिए हर पांच साल में और अन्य 15 क्षेत्राधिकारों के लिए हर 10 साल में वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसएपी) आयोजित करना अनिवार्य है। एफएसएपी के अंतिम भाग के रूप में आईएमएफ वित्तीय प्रणाली स्थिरता आकलन (एफएसएसए) रिपोर्ट व विश्व बैंक वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। भारत के लिए पिछला एफएसएपी 2017 में हुआ था। एफएसएसए रिपोर्ट आईएमएफ द्वारा दिसंबर 2017 में और एफएसए रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा दिसंबर 2017 में प्रकाशित की गई थी।

भारत, न्यूजीलैंड के बीच चौथा दौर पूरा, शीघ्र अंतिम रूप देने पर बनी सहमति

रोटोरुआ, एजेंसी

मुक्त व्यापार समझौता

- **वार्ता वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश पर रहा केंद्रित**

भारत और न्यूजीलैंड ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता शुक्रवार को पूरी कर ली। दोनों पक्षों ने इसको शीघ्र अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने को लेकर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ इन वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए यहां पहुंचे हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसरों पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा, हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक व आर्थिक संगम के अनुरूप एक संतुलित, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान गोयल ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करने के लिए उद्योग दिग्गजों के साथ बैठकें भी कीं।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा गोयल ने न्यूजीलैंड के कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ बैठकें कीं। इनमें वैलोसिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कारमेन वाइसलिच, स्लंबरजोन के सीईओ रंजय सिक्का और मीट इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन नाथन गाय शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष में 6.8% से अधिक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.8% से अधिक रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी इसका मुख्य कारण है। जनवरी में संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8% के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था।

नागेश्वरन ने ग्लोबल लीडरशिप समिट 2025 में कहा, अब मुझे 6.8% से ऊपर की दर सहजता से नजर आ रही है। अगस्त में हमें चिंता थी कि हम 6-7% की सीमा के निचले स्तर तक ही रह जाएंगे, लेकिन अब

- **नागेश्वरन बोले- जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी मुख्य कारण**

यह स्पष्ट है कि वृद्धि दर 6.5% से अधिक होगी और संभवतः 6.8% से भी ऊपर जाएगी। हालांकि 7% का आंकड़ा कहने से पहले दूसरी तिमाही के आंकड़ों का इंतजार रहेगा। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8% रही थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाओं एवं रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की मजबूती से हासिल हुई। पिछली सर्वाधिक 8.4% जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च 2024 में दर्ज की गई थी। चीन की वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 5.2% रही थी। इस तरह भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

नागेश्वरन ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) संपन्न हो जाता है तो आर्थिक वृद्धि को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर व्यापार मोर्चे पर कोई समाधान निकल आता है, तो वृद्धि का अनुमान और ऊंचा हो सकता है। उन्होंने यह समझौता जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई लेकिन इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई।

शॉर्ट सेलिंग, एसएलबी ढांचे की समीक्षा को बनेगा कार्य समूह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही 'शॉर्ट सेलिंग' और प्रतिभूति उधारी (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए कार्य समूह का गठन करेगा। 'शॉर्ट सेलिंग' शेयर बाजार में कारोबार की रणनीति है, जिसमें निवेशक किसी शेयर के दाम गिरने की आशंका में मुनाफा कमाने की कोशिश करता है।

2007 में शुरू हुई शॉर्ट सेलिंग की रूपरेखा लगभग अपरिवर्तित रही है। 2008 में शुरू हुई और कई बार संशोधित की गई एलएलबी प्रणाली भी वैश्विक बाजारों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है, जिससे इसके गहन पुनर्मूल्यांकन की जरूरत उजागर होती है। ग्लोबल लीडरशिप समिट' में पांडेय ने कहा कि हम शॉर्ट सेलिंग

- **सेबी पांडेय ने बताया-स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी**

और एसएलबी ढांचे की समीक्षा के लिए जल्द कार्य समूह का गठन करेंगे। एसएलबी प्रणाली के तहत, अपने डीमैट खातों में शेयर रखने वाले निवेशक या संस्थान, शुल्क लेकर उन्हें अन्य बाजार सहभागियों को उधार दे सकते हैं। यह लेनदेन शेयर बाजारों के मंच के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। इसमें 'क्लियरिंग कॉर्पोरेशन' सुचारू एवं सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने को लेकर गारंटी प्रदान करता है।

आईपीओ मूल्यांकन पर खुदरा निवेशकों के लिए और सुरक्षा उपायों की जरूरत: सेबी

मुंबई। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने शुक्रवार को कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्यांकन को लेकर कोई नियामकीय कमी नहीं है, लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम और सुरक्षा उपाय कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी संचालन से संबंधित शिखर सम्मेलन 'गेटकीपर्स ऑफ गवर्नेंस' के 10वें संस्करण में कहा कि बाजार नियामक का पूंजी निर्गम के नियंत्रण से हटना एक सही कदम है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। वार्ष्णेय ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि इसमें नियामकीय कमी है, लेकिन इस बात पर विचार करना अच्छा होगा कि जो मूल्यांकन किया जा रहा है वह सही है या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को चुनौती दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि उधारकर्ता आमतौर पर इन प्रतिभूतियों का इस्तेमाल 'शॉर्ट-सेलिंग' के लिए या निपटान विफलताओं से बचने के लिए करते हैं। निवेशकों को निष्क्रिय शेयर पर अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम बनाकर, एसएलबी ढांचा न केवल उधारदाताओं को लाभान्वित करता है बल्कि नगदी एवं समग्र बाजार दक्षता में भी सुधार करता है। पांडेय ने बताया कि स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी है। सेबी प्रमुख ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बहिर्वाह से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की।

राष्ट्रीय

'जंगलराज' रोकने के लिए जनता ने मतदान कर तोड़ा रिकॉर्ड : मोदी

प्रधानमंत्री ने औरंगाबाद की जनसभा में कांग्रेस और राजद का किया घेराव

औरंगाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में पहले चरण के चुनाव में जनता ने रिकॉर्ड मतदान किया है ताकि 'जंगलराज' की वापसी नहीं हो। मोदी ने उम्मीद जताई कि बिहार की जनता फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को जीत दिलाएगी।

प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में कहा, बिहार के लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ा है। महिलाओं ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़े। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अपने घोषणा-पत्र पर बात नहीं करते क्योंकि यह झूठ का पुलिंदा है। उनका कहना था कि बिहार की जनता को उनके और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों पर भरोसा है और राज्य पर पवित्र गंगा की कृपा बनी हुई है। मोदी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 'डबल इंजन' वाली राजग सरकार विकास, विनिर्माण, 'फूड प्रोसेसिंग यूनिट' समेत सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, जो कुछ मैंने वादा किया, मैंने पूरा किया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक रैंक-एक पेंशन (ओरोओपी) लागू की गई और सेवानिवृत्त सैनिकों के खातों में करीब एक लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में हिंसा पर अंकुश लगा है तथा इस बार मतदाता भय के बिना मतदान करने आए। निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान सुचारू रूप से हुआ और विदेशी पर्यवेक्षक भी मतदान देखने आए।

बिहार में अधिक मतदान सरकार के पक्ष में वोट है : धर्मेंद्र प्रधान

पटना। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत सरकार के पक्ष में लहर का संकेत है और विपक्ष का यह दावा निराधार है कि यह परिणाम राजग के लिए चेतावनी की घंटी है। राज्य में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में 64.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सर्वाधिक है। प्रधान ने कहा, उत्साहवर्धक मतदान का संकेत है। कई जगहों पर देखा गया है कि लोग बड़ी संख्या में मौजूदा सरकार के पक्ष में मतदान करने निकलते हैं। बिहार में भी यही हो रहा है। महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और मीडिया से बात करने वाले अधिकतर मतदाताओं ने स्पष्ट कहा कि वे विकास और सुरक्षा के लिए वोट कर रहे हैं।

लालू-राबड़ी-राहुल के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं : शाह

जमुई/भागलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पास बिहार के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम किया। जमुई की चुनावी सभा में शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो लोग सिर्फ अपने बेटे-बेटियों के कल्याण की चिंता करते हैं, वे बिहार का विकास नहीं कर सकते। शाह ने आरोप लगाया, उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जो गरीबों की नौकरियां, अनाज और संसाधन छीन रहे हैं। क्या ऐसे लोग बिहार को विकसित बना सकते हैं? बिल्कुल नहीं। भागलपुर में की रैली में शाह ने विपक्षी गठबंधन को ठगबंधन करार देते हुए कहा कि इनके पास न तो कोई नीति है, न एकता। उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी के प्रिय मुख्यमंत्री एमके स्टालिन (डीएमके) ने बिहारी लोगों की तुलना बीड़ी से करके उनका अपमान किया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के प्रधानमंत्री में आतंकवाद के खिलाफ बोलने का भी साहस नहीं था।

बिहार संग्राम

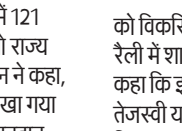

हरियाणा में वोट चोरी की गई, अब बिहार में कोशिश जारी : राहुल गांधी

बांका (बिहार)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी की थी और अब बिहार में कोशिश कर रही है। बांका में राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का चुनाव चुराया और चुनाव आयोग इस पर आंखें मूंदे बैठा है। हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 29 लाख फर्जी हैं। ब्राजील की महिला का नाम मतदाता सूची में कई बूथ पर था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने दिल्ली में मतदान करने के बाद बिहार में भी वोट डाला है। भाजपा ने यही काम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में किया, और अब बिहार में भी वही दोहराने की कोशिश कर रही है।

'मनुस्मृति' नहीं लागू होने देंगे, चाहे जान चली जाए : खरगे

सासाराम। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर देश में मनुस्मृति को लागू करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि यह नहीं होने दिया जाएगा, चाहे जान क्यों न चली जाए। उन्होंने रोहतास के चेनारी में चुनावी सभा में कहा कि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया ताकि पलायन और बेरोजगारी खत्म हो। मोदी ने कहा कि कनपटी पर कट्टा रखकर राजद ने मुख्यमंत्री का पद ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ पर झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि मोदी मनुस्मृति को सामने रखकर उसके तहत समाज को चलाना चाहते हैं। जिसे आंबेडकर ने जलाया, उस मनुस्मृति को ये वापस लाना चाहते हैं।

पायलट दोषी नहीं, आप इसका बोझ न लें : सुप्रीम कोर्ट

अहमदाबाद हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पायलट के 91 वर्षीय पिता से शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि आपको अपने ऊपर बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह दुर्घटना थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पायलट कैप्टन सुमित के संबंध में अमेरिकी प्रकाशन वॉल स्ट्रीट जर्नल में समाचार लेख छपा था। पीठ ने जवाब दिया, यह केवल भारत को दोषी ठहराने के लिए घटिया रिपोर्टिंग थी। पीठ ने 12 जुलाई को जारी विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का पैराग्राफ पढ़ा और कहा कि इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया कि दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराया जाना चाहिए और इसमें केवल विमान के दो पायलटों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख है। एएआईबी जांच का दायरा दोषारोपण करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए निवारक उपाय सुझाना है। यदि आवश्यक हुआ तो हम स्पष्ट कर देंगे कि पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने इस मामले को घटना से संबंधित अन्य लंबित याचिकाओं के साथ 10 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गौरतलब है कि 12 जून को हुए विमान हादसे में 260 लोगों की जान चली गयी थी।

उज्जैन में मस्जिद गिराए जाने के खिलाफ याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक मस्जिद के गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मस्जिद को भूमि अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दिया गया था। तकिया मस्जिद जनवरी में उस जमीन के अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दी गई थी जिस पर यह बनी थी। कहा जाता है कि मस्जिद 200 साल पहले बनी थी। अधिकारियों ने उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग स्थल का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, 13 याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 200 साल पुरानी मस्जिद को इसलिए गिराया गया क्योंकि पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस याचिका की सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वैधानिक योजना के तहत मुआवज़ा देना ज़रूरी था। आपने उसी अधिग्रहण को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी, जिसे वापस लिया गया मान कर खारिज कर दिया गया था। वकील ने कहा कि मस्जिद को 1985 में वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। वकील ने तर्क दिया, आपको किसी अन्य धार्मिक स्थल के लिए पार्किंग की ज़रूरत है और आप मस्जिद गिरा देते हैं और कहते हैं कि आपको इसका अधिकार नहीं है।

एसआईआर: ईसी के फैसले पर 11 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग (ईसी) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति जताई। गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों तक जाता है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 11 नवंबर से इन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने कहा कि 11 से कई मामले सूचीबद्ध हैं, फिर भी वह अन्य सुनवाई को समायोजित करने का प्रयास करेगी।

बिहार विस चुनाव के पहले चरण के बाद पुनर्मतदान की कोई सिफारिश नहीं : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विस चुनाव के पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान के बाद 121 सीटों के 45,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई है।

आयोग ने बताया कि उसकी ओर से नियुक्त किए गए 121 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और 121 सामान्य पर्यवेक्षकों (जीओ) की मौजूदगी में सभी 121 विधानसभा क्षेत्रों में दस्तावेजों की जांच की गई। इस प्रक्रिया में लगभग 455 उम्मीदवारों या उनके एजेंटों ने भी हिस्सा लिया। जांच के बाद, किसी भी मतदान केंद्र पर कोई विसंगति या गड़बड़ी नहीं पाई गई और चुनाव के पहले चरण में पुनर्मतदान की कोई सिफारिश नहीं की गई है। बिहार में पहले चरण में लगभग 65 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। दूसरे चरण के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा।

पुणे में आईटी पेशेवर से 14 करोड़ ठगे, साध्वी समेत तीन हिरासत में

पुणे, एजेंसी

- **आध्यात्मिक शक्तियों से दो लड़कियों का उपचार करने का पिता को दिया झांसा**

महाराष्ट्र के पुणे में अपनी 'आध्यात्मिक शक्तियों' के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से कथित रूप से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने कुछ दिन पहले पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक कथित साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया। नासिक से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए लोगों में कथित साध्वी भी है, लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह दैवीय हस्तक्षेप से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है। उसने उन्हें अपनी संपत्ति बेचने को राजी किया, जिसमें ब्रिटेन में घर, पुणे में अचल संपत्ति और अपने पैतृक गांव में कृषि भूमि शामिल थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन की मंत्री लिसा ने नियमों के उल्लंघन को लेकर माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से तब माफी मांगी जब यह पाया गया कि इंग्लैंड के नए फुटबॉल निगरानीकर्ता की नियुक्ति करते समय उन्होंने अनजाने'' में देश के सार्वजनिक नियुक्ति नियमों का उल्लंघन किया था। सार्वजनिक नियुक्तियों के स्वतंत्र आयुक्त सर विलियम शॉक्रॉस ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि पिछले महीने डेविड कोगन की नियुक्ति शासन संहिता का उल्लंघन है, क्योंकि उन्होंने पांच साल पहले भारतीय मूल की ब्रिटेन की मंत्री के लेबर पार्टी के नेतृत्व अभियान के लिए कुल 2,900 पाउंड के दो दान दिए थे। शॉक्रॉस ने अपनी जांच में लिखा, आयुक्त ने पाया है कि नंदी ने अनजाने में संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें यह जांच करनी चाहिए थी और कोगन को चुनने से पहले आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए थी।

कैरिबियाई सागर में जहाज पर अमेरिका का हमला, 3 लोग मारे गए

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के गुरुवार को कैरिबियन सागर में एक जहाज पर किए गए हमले में तीन लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशन में युद्ध विभाग ने घोषित आतंकवादी संगठन के एक जहाज पर घातक हमला किया। यह जहाज कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। इस अभियान में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच संसद के कई सदस्यों और मानवाधिकार संगठनों ने इस कार्रवाई की आलोचना की है और कहा कि संदिग्ध ड्रग तस्करों पर अदालतों में मुकदमा चलाया जाना चाहिए था। ट्रंप प्रशासन ने अभी तक ऐसा कोई सबूत जारी नहीं किया है कि जहाज नशीले पदार्थ ले जा रहे थे या उनका मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह से संबंध था।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी मिसाइल, नुकसान नहीं

सोल। उत्तर कोरिया के शुक्रवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागने से इलाके में तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ़ ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र ताइक्वान के आसपास के एक अंतरदेशीय क्षेत्र से यह मिसाइल दागी गयी। उन्होंने उड़ान के बारे में और जानकारी नहीं दी, पर यह अवश्य कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा और अधिक प्रक्षेपणों की आशंका के खिलाफ निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा की जा रही है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि मिसाइल देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरी।

प्रत्यर्पित किया जा रहा ब्रिटिश दिल्ली हवाई अड्डे से फरार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान, नहीं चला पता**

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में बैंकॉक से आया एक ब्रिटिश नागरिक आव्रजन क्षेत्र से भाग गया। बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना 28 अक्टूबर को हुई जब फिट्ज पैट्रिक नामक ब्रिटिश नागरिक बैंकॉक से दिल्ली पहुंचा। पैट्रिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन प्रत्यर्पित किया जाना था, लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद वह आव्रजन क्षेत्र में अधिकारियों को चकमा देकर भाग निकला और किसी कार्रवाई से पहले ही हवाई अड्डे से बाहर निकल गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ब्रिटिश नागरिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन भेजा जाना था लेकिन वह भागकर शहर में घुस गया। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है और प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीआईएसएफ ने आव्रजन ब्यूरो और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर भगोड़े का पता लगाने के लिए समन्वित प्रयास शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि संभावित चूक की पहचान के लिए हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम् की यात्रा

महात्मा गांधी ने चिंता जताई थी कि यदि लोग वंदे मातरम को त्याग देते हैं तो वे भविष्य में 'जय हिंद' को भी त्याग सकते हैं। उन्होंने 'जय हिंद' के अभिवादन का समर्थन किया था।

आनंद मठ से आजादी के आंदोलन तक

आजादी के आंदोलन के अमर गीत वंदे मातरम की रचना उन दिनों की बात है, जब अंग्रेजों ने भारतीयों पर 'गॉड सेव द क्वीन' गीत गाए जाने का आदेश थोप दिया था। अंग्रेजों के इस आदेश से व्यथित बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय उन्हीं दिनों की एक शाम बंगाल के गांव कांतलपाड़ा में

प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए मातृभूमि के प्रति इतने भावुक हो गए कि इस अमर गीत की रचना कर डाली। देशभक्ति के साथ मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने की भावना के साथ रचा गया यह गीत 1882 में जब उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित होकर देशवासियों तक पहुंचा तो देशभक्ति, एकता और स्वतंत्रता आंदोलन में संघर्ष और बलिदान का प्रतीक बन गया। इसके बाद क्रांतिकारियों के जोश के प्रतीक के रूप में यह गीत कांग्रेस के अधिवेशनों, प्रदर्शन और रैलियों में गाया जाने लगा। अंग्रेजों ने 1907 में इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन यह गीत आजादी के आंदोलन का अभिन्न हिस्सा बना रहा।

आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका

- यह गीत आजादी की लड़ाई में भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। इसने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए।
- 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में हुए स्वदेशी आंदोलन के दौरान भी यह सबसे प्रमुख नारा बन गया।
- स्वराज और आत्मनिर्भरता की भावना को जन्म दिया, देश भर के आंदोलनों को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम् का इतिहास

- बंकिम चंद्र ने 7 नवंबर 1875 को इस गीत की रचना की थी और 1882 में अपने उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया था।
- यह गीत संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में लिखा गया था। इस गीत में मातृभूमि की कल्पना देवी के रूप में की गई थी।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया और समान रूप से सम्मानित करने का निर्णय लिया।

वंदे मातरम का पहली बार गायन रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता में हुए अधिवेशन में किया था।

यादगार घटनाएं

- पश्चिम बंगाल में आजादी के लिए एक जुलूस का नेतृत्व कर रही मातंगिनी हाजरा को 1942 में जब ब्रिटिश पुलिस ने तीन गोलियां मारीं तो उनके अंतिम शब्द 'वंदे मातरम' थे।
- महाराष्ट्र की भीकाजी रुस्तम कामा ने 1907 में जर्मनी के स्टटगार्ट में बनाए गए भारत के पहले राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) की मध्य पट्टी पर 'वंदे मातरम' लिखा गया था।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की पुस्तक 'क्रांति गीतांजलि' में गीत के पहले दो छंद 'मातृ वंदना' के रूप में दिए गए थे, जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

अंग्रेजों की कूटनीति

वंदे मातरम गीत के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एकता का सूत्र बन जाने के बाद अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगाया। यह बेअसर रहा तो उन्होंने बांटों और राज करो की नीति के तहत इसे हिंदू-मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करने का जरिया बनाया और इसमें कामयाब भी हुए। धार्मिक विवाद शुरू हो गए। 1909 के मुस्लिम लीग के अमृतसर अधिवेशन में वंदे मातरम को 'इस्लाम विरोधी' करार दिया गया।

विवाद और चर्चाएं

वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर 2005 में इसे स्कूलों में गाने के लिए प्रोत्साहित किया गया लेकिन कुछ धार्मिक समूहों की ओर से आपत्ति जताने के बाद तत्कालीन सरकार ने इसे अनिवार्य नहीं बनाया और इसका गायन लोगों की स्वेच्छा पर छोड़ दिया गया।

एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक

कॉप- 30 के विशेष दूतों ने विश्व नेताओं को दी चेतावनी, एकजुट होने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉप- 30 के सात विशेष दूतों ने शुक्रवार को ब्राजील में इस वर्ष होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं से पेरिस समझौते के कार्यान्वयन में 'निर्णायक प्रगति' लाने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि एक डिग्री सेल्सियस के दसवें हिस्से के बराबर अतिरिक्त तापमान भी 'कठोर परिणाम' लाएगा।

कॉप30 के अध्यक्ष और विश्व नेताओं को लिखे एक संयुक्त पत्र में, दूतों ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एक 'महत्वपूर्ण अवसर और एक गंभीर चुनौती' दोनों प्रस्तुत करता है और इससे एक मजबूत संकेत मिलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु संकट का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प में एकजुट है। आगामी 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित होने वाला कॉप- 30 सम्मेलन पेरिस समझौते के एक दशक पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। यह वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों, चल रहे युद्धों और अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बीच हो रहा है।

आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच कई विकसित देशों द्वारा अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के साथ-साथ अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के चलते इस वर्ष की जलवायु वार्ता के लिए एक चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि तैयार हो गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2025 रिकॉर्ड पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष होगा। वर्ष 2024 सबसे गर्म वर्ष था और ऐसा पहला वर्ष था जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। हालांकि, पेरिस समझौते में निर्दिष्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थाई उल्लंघन 20 या 30 वर्षों की अवधि में दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को दर्शाता है। कॉप- 30 के लिए सात विशेष दूतों में अदनान जेड अमीन (पश्चिम एशिया), अरुणाभ घोष (दक्षिण एशिया), कार्लोस लोपेज (अफ्रीका), जैसिंडा अर्डर्न (ओशिनिया), जोनाथन पर्शिंग (उत्तरी अमेरिका), लॉरेंस टुबियाना (यूरोप) और पेट्रीसिया एस्पिनोसा (लैटिन अमेरिका और कैरिबियन) शामिल हैं।

जलवायु संकट पर चिंता

2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने की आशंका, रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त

वैज्ञानिकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 के दशक की शुरुआत तक दुनिया में तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की बहुत संभावना है। दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका सहित प्रमुख क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दूतों ने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति के बावजूद, तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा, हम पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं। दूतों ने कहा कि कॉप30 को पेरिस समझौते और दुबई में कॉप28 में अपनाई गई संयुक्त अरब अमीरात की आम सहमति, दोनों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

यूएन महासचिव ने भी किया त्वरित और ठोस प्रयासों का आग्रह

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और विश्व नेताओं ने विश्व के देशों से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। ब्राज़ील के अमेज़न शहर बेलेम में 10-21 नवंबर को होने वाले 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप- 30) से पहले जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित दो दिवसीय नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते उन्होंने आह्वान किया, हमें तेज़ी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। इस सीओपी को एक दशक की गति और परिणाम देने वाली योजना को प्रज्वलित करना चाहिए। उन्होंने तापमान में बढ़ोत्तरी मामले में कहा इससे पारिस्थितिक तंत्र अपरिवर्तनीय चरम सीमा से आगे बढ़ सकता है। जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों के जीवन को संकट में डाल सकता है।" इस विशाल चुनौती के बावजूद, दुनिया "बेलेम को एक महत्वपूर्ण मोड़ बनाने का विकल्प चुन सकती है। गुटेरेस ने इस मामले में विश्व के अनेक देशों द्वारा तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच फिर हुई गोलाबारी

इस्लामाबाद। अफ़ग़ानिस्तान के कंधार प्रांत के एक सीमावर्ती ज़िले में पाकिस्तानी सेना ने भारी हथियारों का भी जमकर इस्तेमाल किया। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया के अनुसार गोलीबारी स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम लगभग 5 बजे हुई।

कहा गया है कि स्पिन बोल्डक ज़िले के एक व्यावसायिक बाज़ार पर मोर्टार के गोले दागे गए, जिससे लोगों को इलाके से भागने पर मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने कहा है कि अफगान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाक़े से कुछ तत्वों के पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे गोलीबारी शुरू करने के बाद पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई। अफगानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के चमन ज़िले में हुई गोलीबारी का तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

शटडाउन : अमेरिका में होगी सैकड़ों उड़ानों की कटौती

न्यूयार्क, एजेंसी

- **आदेश जारी होने के बाद अब तक एक हजार से ज्यादा उड़ाने रद्द**

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय 'शटडाउन' के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश शुक्रवार सुबह से लागू करने का एलान किया है। इससे सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की आशंका है।

एफएए के आदेश के अनुसार, चयनित 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हैं और इसमें अटलांटा, डलास, डेनवर, लॉस एंजिल्स और चार्लोट (नॉर्थ कैरोलिना) जैसे प्रमुख हब शामिल हैं। न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, शिकागो और वॉशिंगटन समेत कुछ महानगरीय क्षेत्रों में कई हवाई अड्डों पर इसका असर पड़ेगा और इसका प्रभाव छोटे हवाई अड्डों पर भी पड़ सकता है। एफएए के आधिकारिक आदेश की संभावना के मद्देनजर एयरलाइनों ने अपने कार्यक्रम समायोजित करना शुरू कर दिया है तथा बृहस्पतिवार से ही उड़ानों को रद्द किया जा रहा है।

फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देशभर में 780 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। डेल्टा एयर लाइन्स ने कहा कि वह शुक्रवार को लगभग 170 उड़ानें रद्द करेगी, जबकि अमेरिकन एयरलाइन्स ने सोमवार तक रोजाना 220 उड़ानों के संचालन को रोकने की योजना बनाई है। एफएए ने कहा कि उड़ानों में कमी 4 प्रतिशत से शुरू होकर 14 नवंबर तक 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह आदेश सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा और सभी वाणिज्यिक एयरलाइनों को प्रभावित करेगा।

अमेरिका में बना एक और भारतीय मूल का मेयर स्वर्णजीत सिंह संभालेंगे नॉर्विच शहर की कमान

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक और भारतीय मूल के व्यक्ति को मेयर चुना गया है। रियल एस्टेट कारोबारी सिंह स्वर्णजीत को कनेक्टिकट प्रांत के नॉर्विच शहर का मेयर बने हैं। वह राज्य के पहले सिख मेयर हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के स्वर्णजीत को 3,978 वोट (57.25 प्रतिशत) मिले, जबकि उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी स्टेसी गोल्ड को 2,828 वोट (40.7 प्रतिशत) मिले। स्वर्णजीत की चुनावी वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने नॉर्विच को एक ऐसे शहर के रूप में वर्णित किया है, जिसने उनके परिवार को दिल खोलकर अपनाया है। इसमें कहा गया है कि 1984 में भारत में हुए सिख विरोधी दंगों के बाद उनका परिवार पलायन कर गया था और वह हिंसक उत्पीड़न के खतरे से मुक्ति पाने के लिए 2007 में अमेरिका पहुंचे थे। स्वर्णजीत रियल एस्टेट कारोबारी हैं और नॉर्विच में एक गैस स्टेशन के मालिक हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट, छात्रों समेत 55 लोग घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट हुए जिसमें 55 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर छात्र थे। पुलिस ने इन अटकलों को खारिज करने की कोशिश की कि ये विस्फोट आतंकवादी हमला थे और कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने दोपहर के आसपास कम से कम दो जोरदार धमाके सुने, ठीक उसी समय जब जकार्ता के उत्तरी केलापा गाडिंग इलाके में नौसेना परिसर के अंदर स्थित सरकारी हाई स्कूल, एसएमए 27 स्थित मस्जिद में धर्मोपदेश शुरू

- **आतंकवादी हमला होने का शक कई घायलों की हालत गंभीर**

हुआ था। मस्जिद में धुआं भर जाने से छात्र और अन्य लोग दहशत में बाहर भागे। जकार्ता पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी के अनुसार ज्यादातर लोगों को कांच के टुकड़ों से मामूली से लेकर गंभीर चोटें आईं। विस्फोटों का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि लोगों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। कुछ को तुरंत घर भेज दिया गया, लेकिन 20 छात्र अभी भी अस्पताल में हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

चीनी बेड़े में तीसरा विमान वाहक पोत

बीजिंग। चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' को नौसैनिक बेड़े में शामिल कर लिया है। इसे विद्युतचुंबकीय प्रक्षेपण प्रणाली (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट) से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है जिससे विमानों को उड़ान भरने में मदद मिलती है।

'फुजियान' को चीनी नौसेना में शामिल किए जाने पर आयोजित गोपनीय समारोह में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम से लैस है, जिसका इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड करता है।

भूख-गरीबी अभाव से नहीं बल्कि राजनीतिक विफलता के कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र दोहा शिखर सम्मेलन में सामाजिक प्रतिज्ञाएं पूरी करने का संकल्प

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने दोहा शिखर सम्मेलन की समापन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह शिखर सम्मेलन कमियों की पहचान करने से लेकर सिद्ध समाधानों पर अमल करने की दिशा में एक सुविचारित बदलाव का प्रतीक है। शिखर सम्मेलन में 40 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, 230 से ज्यादा मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों और लगभग 14,000 उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

एनालेना ने कहा, कोपेनहेगन ने हमें 30 साल पहले सिखाया था कि

मज़बूत समाजों के लिए सामाजिक विकास और समावेशन ज़रूरी हैं। हमने किसी को पीछे न छोड़ने का वादा किया था। सामाजिक विकास कोई दान जैसा कार्य नहीं है और नहीं प्रत्येक द्वारा अपने हित में किये जाने वाला कार्य है। यह हर देश के हित में है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया में आज भूख और गरीबी अभाव के कारण नहीं, बल्कि संघर्ष, असमानता और राजनीतिक विफलताओं के कारण हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, सबसे बड़ी समस्या पैसा नहीं बल्कि यह है कि इसे कैसे निवेश किया जाता है।

औपचारिक पूर्ण सत्र और गोलमेज चर्चाओं के साथ-साथ, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने और सम्मानजनक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए 250 से अधिक समाधान सत्र आयोजित किए गए। उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि यह परिणाम नागरिक समाज, ट्रेड यूनियनों, सामुदायिक नेताओं, व्यवसायों और युवा प्रतिनिधियों द्वारा पूरे सप्ताह व्यक्त की गई तात्कालिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, संदेश स्पष्ट है, लोग हमसे केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि उत्तरों की अपेक्षा करते हैं।

क्षेत्रीय आर्थिक आयोग करेंगे देशों की मदद

क्षेत्रीय आर्थिक आयोगों ने कहा कि वे प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक उपायों में बदलने में देशों की सहायता करेंगे। यूरोप के आर्थिक आयोग ने वृद्धावस्था नीतियों, किफायती आवास, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन और बेहतर गरीबी आंकड़ों के लिए समर्थन पर ज़ोर दिया, जिससे सरकारों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों तक पहुंचने वाली प्रणालियां डिज़ाइन करने में मदद मिली। अफ्रीका के आर्थिक आयोग ने अफ्रीकी संघ और क्षेत्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी में शिक्षा, कौशल, रोज़गार के अवसरों और उद्यमिता में निवेश का आह्वान करते हुए, महाद्वीप की युवा क्षमता पर जोर दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 8 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 07 .32 तक तत्पश्चात चतुर्थी 9 नवंबर 04 .25 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

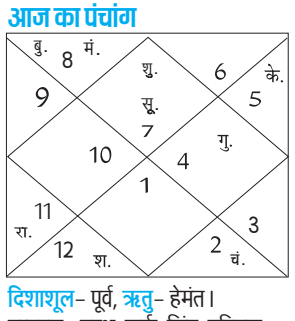

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 22 .02 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृष — आज अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के पूर्वार्ध में कर लेना हितकर होगा। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

मिथुन — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। पुराने रुके हुए कार्य शुरू हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

कर्क — आज आप पर कार्यभार की अधिकता रहेगी। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

सिंह — आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कन्या — आज सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति विषयों में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। अचानक किसी आवश्यक कार्य से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी।

तुला — आज बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक खर्च कर सकते हैं। दोस्तों के साथ भविष्य की किसी योजना को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं।

वृश्चिक — आज किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। आप कोई नया काम शुरू करने से बचें।

धनु — आज किसी इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कई आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

मकर — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

कुंभ — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद करेंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें।

मीन — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

सुडोकू-154

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1					2		
4		5						
			2	7				
	9		3					
	7						1	
				5	4			
				4	6			
		1				4		5
7		3					8	

सुडोकू - 153 का हल

1	8	5	9	2	6	7	4	3
9	3	4	5	1	7	2	8	6
2	6	7	8	4	3	5	9	1
8	1	3	7	6	5	4	2	9
7	9	6	2	8	4	3	1	5
4	5	2	1	3	9	6	7	8
5	4	1	6	9	2	8	3	7
3	7	8	4	5	1	9	6	2
6	2	9	3	7	8	1	5	4

मैच से पहले सचिन सर का फोन आया। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और हमे संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब मैच तेज चल रहा हो तो थमकर खेलने की कोशिश करो क्योंकि अगर तुम भी तेज खेलोगे तो लड़खड़ा जाने का खतरा होगा।

-हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार 8 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सचिन के फोन से मिली थी हरमनप्रीत को प्रेरणा

नई दिल्ली : विश्व कप फाइनल से पहले हरमनप्रीत कौर को बहुत सलाह मिली, लेकिन भारतीय कप्तान के लिए सबसे अहम थी, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सलाह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक फाइनल से पहले महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत को तेंदुलकर ने फोन किया था। नवी मुंबई में फाइनल जीते को पांच दिन हो चुके हैं लेकिन हरमनप्रीत अभी भी अचरज में है कि सोलह साल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अचानक सब कुछ कैसे बदल गया। उन्होंने कहा हम जब भी एक दूसरे से मिलते हैं तो कहते हैं विश्व चैम्पियन। यह अलग तरह का अनुभव है। हम इंतजार कर रहे थे कि इस तरह का अनुभव कब होगा। हरमनप्रीत ने कहा मेरे माता पिता वहां थे। उनके सामने विश्व कप जीतने का पल खास था।

डिजिटल पर रिकॉर्ड दर्शकों ने देखा फाइनल

मुंबई : आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत ने देश में क्रिकेट प्रसारण के लिए नए मानक स्थापित किए और आधिकारिक प्रसारक के अनुसार कुल 44 .6 करोड़ दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह टूर्नामेंट देखा। जियोहॉटस्टार ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि महिला विश्व कप फाइनल को उसके प्लेटफॉर्म पर 18 .5 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने देखा। इसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता। फाइनल में दर्शकों की संख्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दैनिक औसत से अधिक थी लेकिन यह पिछले साल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किए गए दर्शकों की संख्या के बराबर थी।

अर्जुन जीते, गुकेश ने ड्रॉ खेला

पणजी (गोवा) : ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को शिकस्त दी जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर की बाजी के पहले गेम जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन के साथ ड्रॉ खेला। एरिगेसी के अलावा ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने भी बेल्जियम के युवा ग्रैंडमास्टर डैनियल दर्धा को हराकर बढ़त बना ली। राउंड ऑफ 64 में आर प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से आसान शुरुआत करते हुए अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान के साथ तीसरे दौर का पहला गेम ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने सैम शंकलैंड से ड्रॉ खेला।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (दाएं) और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महिला विश्व कप विजेता भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को सम्मानित किया।

मोहाली में अपने घर पहुंचीं अमनजोत कौर ने परिवार के साथ जश्न मनाया। एजेंसी

मुझे लग रहा था कि शेफाली फाइनल में कुछ खास करेगी: प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है। उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं, लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने पीटीआई वीडियो से कहा शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी। प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए, जिससे वह लॉरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई। उन्होंने कहा मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।

प्रतिका ने कहा पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना। उन्होंने कहा मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई, लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने स्वीकार किया पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।

प्रतिका रावल।

शेफाली वर्मा।

दीप्ति के इस्तकबाल के लिए ताज नगरी तैयार

आगरा : ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा के स्वागत के लिए घर में तैयारियां बहुत जोर शोर से चल रहीं हैं। दीप्ति के परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह से ही घर को संवारने और सजाने का काम शुरू हो गया है। दीप्ति शर्मा आगरा के अवधपुरी की रहने वाली हैं। वह अब घर आने वालीं हैं लिहाजा परिजन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दीपावली पर घर की रंगाई पुताई नहीं हुई थी लेकिन दीप्ति के आगमन पर घर का रंग रोगन और सजाया जा रहा है। घर के आसपास भी सफाई की जा रही है यानी दीप्ति घर आएगी तो आलीशान स्वागत किया जाएगा।

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने का मौका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज दोपहर 1:45 बजे से

ब्रिस्बेन, एजेंसी

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर कर ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी। भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया में 17 साल से कोई टी-20 शृंखला नहीं गंवाने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

मैच में सबसे ज्यादा नजरें शुभमन गिल और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर होंगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले भारत की स्पिन चुनौती का डटकर सामना करना चाहेगा। भारतीय टीम ने पिछले मैच में बेहतर रणनीतिक सूझबूझ दिखाई थी और कैरारा की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों ने अच्छा तालमेल बिठाया था। गिल ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी जिससे भारत 14 ओवर में दो विकेट पर 121 रन के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। टीम ने हालांकि इसके बाद 15 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिये थे। उपकप्तान गिल ने सात पारियों से अर्धशतक नहीं लगाया है, लेकिन पिछले मैच में 46 रन के साथ उन्होंने ने लय में वापसी का संकेत दिया था। सूर्यकुमार ने शृंखला में कुछ शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली शृंखला से पहले कप्तान से और अधिक आजादी के साथ बल्लेबाजी कर मिसाल कायम करने की उम्मीद होगी।

तिलक वर्मा भी इस शृंखला में अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ पाए हैं, उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 0, 29 और पांच रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा पर भी दबाव होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में उन्होंने अनुभवी संजू सैमसन पर तरजीह मिलने के बाद कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ा है। अभिषेक शर्मा ने दुनिया के शीर्ष टी-20 बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए एक तेज अर्धशतकीय पारी खेली और एक अन्य मैच में टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई।

भारत का निचला क्रम भी प्रभावी रहा है। अक्षर पटेल ने पिछले मैच में 11 गेंदों में नाबाद 21 रनों की पारी खेली थी। सातवें और आठवें नंबर पर हरफनमौला खिलाड़ियों की मौजूदगी ने टीम को मजबूती प्रदान की है। अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी में एक बार फिर भारत के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, उन्होंने चार विकेट लिए हैं और जसप्रीत बुमराह के साथ नयी गेंद से प्रभावी जोड़ी बनाई है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति के बावजूद वरुण, अक्षर और वाशिंगटन की स्पिन तिकड़ी भारत की एक बड़ी ताकत रही है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

- **बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव पर सबसे ज्यादा नजरें**

शुभमन गिल।

पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया : अक्षर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाये। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था। इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी, लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं। उन्होंने कहा मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये। सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच शनिवार को ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

भारत ए मजबूत स्थिति में 112 रनों की बनाई बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी

हांगकांग सिक्सेज मैच

मार्क्स एकरमैन की शतकीय पारी के बावजूद भारत ए ने दूसरे चार दिवसीय मैच में शुक्रवार को यहां दूसरे दिन तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते दक्षिण अफ्रीका ए की पहली पारी को 221 रन पर समेट कर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की। भारत 'ए' ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर 78 रन बनाकर बढ़त को 112 रन तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (26) के साथ कुलदीप यादव (शून्य) क्रीज पर मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और आकाशदीप (पर दो विकेट) ने पिच का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते करने हुए आपस में सात विकेट साझा किए जिससे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 221 रन पर सिमट गयी।

भारत ए के देवदत पडिक्कल, के एल राहुल और ध्रुव जुरेल स्लिप में फील्डिंग करते हुए।

महिला वनडे विश्व कप-2029 में 10 टीमें खेलेंगी

दुबई, एजेंसी

- **आईसीसी ने की घोषणा, अभी तक आठ टीमें ले रही थीं हिस्सा**

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप के 2029 में होने वाले अगले चरण में मौजूदा आठ टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 टीम का कर दिया जाएगा। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपनी पहली वैश्विक ट्रॉफी जीती। हजारों प्रशंसक मैच देखने के लिए स्टेडियम में उमड़ पड़े जिससे विश्व संस्था को यह कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया आईसीसी बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। आईसीसी बोर्ड ने टूर्नामेंट के अगले चरण को 10 टीमों (2025 में आठ टीमों से) तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इसमें आगे कहा गया लगभग 3,00,000 प्रशंसकों ने स्टेडियम में इस टूर्नामेंट को देखा जिसने किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दर्शकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में दर्शकों की संख्या में भी वृद्धि हुई और दुनिया भर में ऑन-स्क्रीन दर्शकों के लिए नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ जिसमें भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शक थे।

साथ ही बोर्ड ने समान विकास के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वर्ष 2026 के लिए अपने सहयोगी सदस्यों को धन वितरण में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी। आईसीसी को 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर अपना पहला अपडेट मिला है। यह परियोजना अमेरिकी क्रिकेट के निलंबन के बाद और आईसीसी के इस निर्देश के अनुरूप शुरू किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियों के व्यावसायिक व विकास हितों पर बोर्ड के गैर-अनुपालन के कारण निलंबन का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह परियोजना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए एक अनुकूल मार्ग तैयार करना है।

हॉकी ने भारत को ओलंपिक्स में खास जगह दिलाई : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को हॉकी के शताब्दी समारोह में कहा कि ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है।

आज यहां भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया ने ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एक भव्य शताब्दी समारोह के साथ भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा इस खेल ने कई दौर देखे हैं, और ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है। तब से हमने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस खास मौके पर मैं खेल के दिग्गजों के बीच खड़ा हूं। मैं हॉकी इंडिया को हमारे महान खिलाड़ियों के साथ-साथ मौजूदा सितारों को सम्मानित करने, हमारे समृद्ध इतिहास को हमारे उज्ज्वल भविष्य के साथ जोड़ने के लिए बधाई देता हूं।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया (बाएं) और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू (दाएं) नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में पूर्व हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान को सम्मानित करते हुए। एजेंसी

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे

उम्मीद भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने महिला विश्व कप को ऐतिहासिक जीत बताया

हॉकी विश्व कप में भी खत्म होगा इंतजार : गुरबख्श सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गुरबख्श सिंह ने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत सिंह की टीम हॉकी में भी विश्व कप के लिए 50 साल का इंतजार खत्म करेगी।

आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में मेजबान भारत संयुक्त नौवे स्थान पर रहा था।

टोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण और मैक्सिको में चार साल बाद कांस्य पदक जीतने वाले 90 वर्ष के गुरबख्श ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर भाषा से खास बातचीत में कहा भारत की लड़कियों ने क्रिकेट में हाल ही में विश्व कप जीता है और इससे देश में महिला क्रिकेट को बहुत फायदा मिलेगा। उम्मीद है कि हॉकी में भी अगले साल विश्व कप जीतकर हम इंतजार खत्म करेंगे। विश्व कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में जुलाई अगस्त में होगा और भारत ने एशिया कप जीतकर टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के दौर में शुरू हुआ और यही वजह है कि भारत ओलंपिक के प्रदर्शन को उसमे दोहरा नहीं सका।

गुरबख्श ने कहा विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के आने के बाद आया। ओलंपिक में भी टर्फ के आने के बाद हमारे प्रदर्शन में गिरावट आई थी तो शायद वही वजह रही होगी लेकिन मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि विश्व कप में भी पदक अब दूर नहीं। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम विश्व कप जीत सकती है लेकिन इसमें कुछ बदलाव करने होंगे।

खेल मंत्री की स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता हॉकी मुकाबला

नई दिल्ली : मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हॉकी शताब्दी समारोह के समारोह की शुरुआत डॉ. मांडविया की अगुवाई वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर इलेवन और डॉ. दिलीप टिर्की के नेतृत्व वाली हॉकी इंडिया इलेवन का एक प्रदर्शनी मैच से हुई। यह मैच स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता, जिसमें ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने गोल किए, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया इलेवन के लिए गोल दागा। इस दौरान केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया, खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने हॉकी का आंनद लिया। हॉकी इंडिया ने खेल में उनके स्थायी योगदान और खिलाड़ियों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए खेल के कुछ सबसे मशहूर हस्तियों को भी सम्मानित किया। इस समारोह में गुरबक्स सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बीपी गोविंदा, असलम शेर खान, जफर इकबाल, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह वीएसएम, विनीत कुमार, रोमियो जेम्स, असुंता लाकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल थे। इस अवसर पर हॉकी मैचों सदी की जीत, चुनौतियों और फिर से वापसी के जरिए इस खेल के सफर के बारे में जानकारी देने वाली पुस्तक 100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी का विमोचन किया गया। साथ ही एक खास फोटो प्रदर्शनी लगाई गई।